शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शहीद सैनिक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने के लिए मुख्यमंत्री से करेंगे चर्चा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 29 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-359

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रुदालियां गा रहे कांग्रेस नेता

तब कहां थे जब 'राजपुत्र' फाड़ रहे थे विधेयक?

शुभ-लाभ चिंतन

भारत के 13वें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को निधन हो गया। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भी कांग्रेस पार्टी सस्ती राजनीति करने से कोई परहेज नहीं कर रही। जिस प्रधानमंत्री को उनके दिवंगत होने के बाद कांग्रेस पार्टी महान और महानायक बता रही है, उसी प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए कांग्रेस से राजपुत्र राहुल गांधी ने बार-बार अपमानित किया। यहां तक कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह इस्तीफा देने के चरम निर्णय की स्थिति में आ गए थे। डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस का उनके प्रति सम्मान दिखाना सच्चा है या कितना मक्कारी से भरा, यह पृष्ठभूमि में झांकने से स्पष्ट हो जाता है। यह भी अजीब ही है कि कांग्रेस किस मुंह से आज उनका गुणगान कर रही है, जिसने उन्हें कठपुतली बना कर रखने पर मजबूर किया। यह सही है कि मनमोहन सिंह का योगदान भारत की राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक अविस्मरणीय अध्याय है, लेकिन यहां पर बात कांग्रेस के मूल चरित्र की हो रही है। खास कर उस समय जब 92 वर्षीय डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके प्रतिभावान सुपुत्र राहुल गांधी उन्हें शत-शत श्रद्धांजलि दे रहे हों और उनके निधन को निजी-क्षति बता रहे हों।

एक कुशल अर्थशास्त्री और समर्पित राजनेता के रूप में उनकी पहचान थी। लेकिन उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल को विवादों और अपमानजनक घटनाओं से भी जोड़कर देखा जाता है। देश के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण ने उन्हें राजनीतिक दबावों और व्यक्तिगत अपमान के बावजूद राष्ट्रहित के लिए काम करने की प्रेरणा दी। आज कांग्रेस पार्टी उनके योगदान का गुणगान कर

राहुल गांधी ने अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री को बेइज्जत किया

रही है, जबकि वही पार्टी कई मौकों पर उन्हें अपमानित करने का कारण भी बनी। डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन की उन चार प्रमुख घटनाओं का जिक्र यहां जरूरी है, जब उन्होंने अपमान सहते हुए भी देश के लिए काम किया।

राहुल गांधी ने अपना संस्कार जहां से प्राप्त किया है, पहले वहीं की बात करते हैं। राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने योजना आयोग की तुलना जोकर आयोग से की थी, जब मनमोहन सिंह खुद योजना आयोग के उपाध्यक्ष थे। यह बात साल 1986 की है। राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे और डॉ. मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष। मनमोहन सिंह ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर एक प्रेजेंटेशन दिया। राजीव गांधी इससे नाराज हुए और अगले दिन सार्वजनिक रूप से योजना आयोग को जोकर-आयोग की संज्ञा दे डाली। यह टिप्पणी मनमोहन सिंह के लिए बेहद अपमानजनक थी। कहा जाता है कि उन्होंने इस्तीफा देने का मन बना लिया था, लेकिन दोस्तों और सहकर्मियों की समझाने के बाद वे अपने पद पर बने रहे।

आज वही कांग्रेस पार्टी उन्हें देश का महानायक बता रही है, जबकि अतीत में उसने हमेशा डॉ. मनमोहन सिंह का अपमान ही किया। इन अपमानों की श्रृंखला बहुत लंबी है, लेकिन यहां कुछ चुनिंदा मामले सामने रख कर कांग्रेस के मूल चरित्र का दर्शन किया जा रहा है। साल 1991 में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया गया था। उन्होंने आर्थिक सुधारों की दिशा में साहसिक कदम उठाए और लाइसेंस राज खत्म करने जैसे अहम फैसले लिए। लेकिन कांग्रेस के सांसदों ने इन नीतियों का जमकर विरोध किया।

▶10 पर

प्रणब मुखर्जी की बेटी और नरसिम्हा राव के परिजनों ने उठाया सवाल

नरसिम्हा राव और प्रणब मुखर्जी की कांग्रेस ने क्यों की उपेक्षा?

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस द्वारा उनके स्मारक की मांग ने इस मुद्दे को फिर से उजागर किया है कि कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के लिए स्मारक की मांग क्यों नहीं की, जबकि वे भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और देश देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए थे? प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली में उनके नाम पर एक स्मारक बनाने की मांग की। खड़गे ने अपने पत्र में मनमोहन सिंह के योगदान का उल्लेख करते हुए इसे देश के लिए सम्मान की बात बताया। यह मांग सुनने में भले ही संवेदनशील और जायज लगे,

जो गांधी परिवार का वफादारी नहीं उसके स्मारक की मांग नहीं

लेकिन इसने एक बार फिर पार्टी की राजनीति और उसके असली उद्देश्यों पर सवाल खड़े कर दिए।

प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब उनके पिता पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का निधन हुआ था, तब कांग्रेस ने उनके सम्मान में एक शोक सभा तक आयोजित नहीं की। उन्हें यह कहकर गुमराह किया गया कि राष्ट्रपति बन चुके लोगों के निधन पर कांग्रेस सीडब्लूसी (कांग्रेस वर्किंग ग्रुप) की बैठक नहीं बुलाती, जबकि खुद प्रणब मुखर्जी ने अपनी डायरी में ये बात लिखी है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. केआर नारायणन के निधन पर न सिर्फ बैठक बुलाई गई थी, बल्कि खुद प्रणब मुखर्जी ने ही संदेश भी लिया था। शर्मिष्ठा मुखर्जी का यह आरोप कांग्रेस नेतृत्व की प्राथमिकताओं और गांधी परिवार के प्रति उसकी वफादारी को दर्शाता है। इससे पहले भी कांग्रेस की इस नीति का उदाहरण पीवी नरसिम्हा राव के मामले में देखा गया। राव साहब, जो 1991 से 1996 तक देश के प्रधानमंत्री रहे और जिनके कार्यकाल में देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव पड़ी, उनके निधन के बाद पार्टी ने उन्हें पूरी तरह अनदेखा किया।

▶10 पर

अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन मानने से किया इन्कार

सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान के 19 फौजी मारे गए

काबुल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन मानने से किया इन्कार कर दिया है। अफगानिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी फौज द्वारा 26 दिसंबर को की गई कार्रवाई के जवाब में तालिबानी फौज ने पाकिस्तान सीमा पर हमला किया और पाकिस्तान के 19 फौजी मार डाले।

अंतरराष्ट्रीय सीमारेखा को नकारने का असर भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन की अंतरराष्ट्रीय सीमारेखा पर भी पड़ने वाला है। भारत सरकार इस घटनाक्रम पर सतर्क निगाह रख रही है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की फौज ने पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में सिलसिलेवार हमले कर कम से कम 19 पाकिस्तानी फौजी मार डाले। तालिबान ने यह हमला पाकिस्तान द्वारा 26 दिसंबर को अफगान सीमा पर की गई बमबारी के जवाब में किया है। पाकिस्तानी हमलों में

भारत-पाकिस्तान पर भी पड़ेगा सीमारेखा विवाद का असर

अफगानिस्तान के 46 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे। अफगानिस्तान तालिबान के प्रवक्ता ने कथित काल्पनिक सीमारेखा (डूरंड लाइन) पर हमले की बात कबूली है। काल्पनिक रेखा नाम का यह शब्द अफगानिस्तान के अधिकारियों द्वारा उस बॉर्डर से संबंधित है जिसका विवाद पाकिस्तान से चल रहा है।

▶10 पर

लश्कर आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की संदेहास्पद मौत

लाहौर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों की फेहरिस्त से एक और नाम हमेशा के लिए मिट गया। कुख्यात आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा का नायब अमीर (डिप्टी चीफ) अब्दुल रहमान मक्की की लाहौर में संदेहास्पद मौत हो गई। उसकी मौत रहस्यमय है, लेकिन पाकिस्तान कह रहा है कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई।

मक्की की मौत को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र द्वारा उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद पाकिस्तान ने उसे सार्वजनिक नजरों से छुपा दिया था। वह रहस्यमय तरीके से गायब कर दिया गया था, जबकि अफवाहें थीं कि कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने उसे उठा लिया। पाकिस्तान सरकार उसे लगातार एक जगह से दूसरी जगह छुपाकर रख रही थी। अब उसकी मौत का समय और परिस्थितियां सवाल खड़े कर रही हैं। क्योंकि अभी तक यही जानकारी आ रही है कि उसकी मौत अस्पताल में हुई है। मक्की ने भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों की योजना बनाई थी। 26/11 मुंबई हमले के अलावा 2000 में लाल किले पर हमला, 2008 में रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर

▶10 पर

राष्ट्रीय सम्मान के साथ हुआ पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार

डॉ. मनमोहन सिंह को पूरे देश ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ शनिवार को निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया, जहां पार्टी कार्यकर्ता व आम जनता ने उनके दर्शन किए।

निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को अंतिम सलामी दी गई। तीनों सेनाओं ने मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को सलामी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई वरिष्ठ नेता निगम बोध घाट पहुंचे। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निगम बोध घाट पहुंचे। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह को अंतिम बार निगम बोध घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी मुख्यालय पर कांग्रेस सासंद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई नेताओं ने पूर्व पीएम के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी के अलावा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि ने निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को दी अंतिम श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निगम बोध घाट पर देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

● मनमोहन सिंह के स्मारक पर सियासी गहमा-गहमी ●

भाजपा ने कांग्रेस की मंशा पर डाला पानी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की मांग पर कांग्रेस द्वारा शुरू की गई ओछी सियासत पर भाजपा ने मन भर पानी उड़ेल कर उसे ठंडा कर दिया है। केंद्र सरकार स्मारक बनाने पर राजी हो गई है। खुद गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को यह जानकारी देकर उन्हें राजनीति का स्तर समझा दिया। अमित शाह ने डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को भी केंद्र के फैसले के बारे में जानकारी दी। यह विवाद शांत होने पर अब कांग्रेस कोई दूसरा मसला तलाश रही होगी। केंद्र सरकार की तरफ से पहले ही साफ कर दिया गया था कि उन्हें स्मारक के लिए एक उचित स्थान खोजना पड़ेगा, जहां

केंद्र सरकार ने मनमोहन सिंह के स्मारक को दी मंजूरी

मेमोरियल का निर्माण होगा। लेकिन कांग्रेस और कुछ दूसरी पार्टियां चाहती थीं कि जहां अंतिम संस्कार होगा, वहीं पर स्मारक भी बनना चाहिए। पार्टी नेता जयराम रमेश ने तो यहां तक कह दिया था कि अगर सरकार ने यह मांग नहीं मानी तो यह देश के पहले सिख प्रधानमंत्री का अपमान होगा। जयराम रमेश पूर्व प्रधानमंत्री के निधन को शोक पर सियासत से नहीं चूके। उन्हीं के सुर में सुर मिलाते हुए अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल ने भी अपनी भड़ास निकाली। केंद्र ने तब भी कहा था कि इस मुद्दे पर किसी भी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पीएम मोदी के

▶10 पर

जेड प्लस सुरक्षा में रहेंगी मनमोहन सिंह की पत्नी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2019 में डॉ. मनमोहन सिंह का एसपीजी सिक्योरिटी कवर वापस ले लिया गया था। एसपीजी की जगह पर उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराई गई। अब उनकी पत्नी गुरुशरण कौर को भी सीआरपीएफ जेड प्लस सुरक्षा मिलेगी। इस सुरक्षा घेरे में उनके पास बुलेटप्रूफ वाहन भी होगा। उनके आवास पर करीब चार दर्जन जवान मौजूद रहेंगे। हाई क्लास बुलेटप्रूफ बीएमडब्लू कार की सुविधा भी जारी रहेगी।

विडंबना यह है कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भी राजनीति कर रही कांग्रेस ने तब यह मसला नहीं उठाया था, जब उनकी एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। तब विपक्ष की तरफ से कोई शोर शराबा नहीं हुआ था। कुछ माह बाद जब गांधी परिवार के सदस्यों की एसपीजी सुरक्षा हटाई गई तो विपक्ष ने चीख-पुकार शुरू कर दी और केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि

▶10 पर

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों की घिनौनी करतूत

बलात्कार के बाद हिंदू महिला को जहर देकर मारा

ढाका, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार में हिंदुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। बावजूद इसके अंतरिम सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। बांग्लादेश सरकार वैश्विक दबावों को दरकिनार करते हुए ये कह रही है कि सब कुछ नॉर्मल है। हिंदुओं पर टार्गेटेड अटैक नहीं किए जा रहे हैं। लेकिन, एक बार फिर से एक हिंदू महिला को टॉर्चर किया गया है। बसाना मलिक नाम की 46 वर्षीय हिंदू महिला का बलात्कार करने के बाद मुस्लिम कट्टरपंथियों ने उसे जबरन जहर खिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

यह वारदात बांग्लादेश के नरैल जिले की बताई जा रही है। बसाना मलिक यूनियन परिषद की सदस्य के तौर पर चुनी गई थीं। लेकिन, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। मलिक का रेप करने के बाद जहर खिलाकर उसकी हत्या कर दी गई। मलिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।लेकिन, मरने से पहले बसाना मलिक ने दरिंदों के

▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

एक शाम बालाजी के नाम कार्यक्रम सम्पन्न

राम दरबार, सालासर बालाजी एवं खाटूश्यामजी का मन मोहक दरबार सजाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एफटीएस युवा बेंगलूरु के तत्वावधान में बहुचर्चित एक दिवसीय भजन संध्या का कार्यक्रम एक शाम बालाजी के नाम 3.0 प्रिंसेज श्राइन, पैलेस ग्राउंड में शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें राम दरबार, सालासर बालाजी एवं खाटूश्यामजी का मन मोहक दरबार सजाया गया।

युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल ने बताया कि भजन संध्या का शुभारंभ सायं साढ़े पांच बजे महामंगल आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय बैद (एमडी गुरु पुनवानी ग्रुप), गेस्ट ऑफ ऑनर मुरारी लाल सराओगी (एमडी प्राइड ग्रुप) थे। भजन संध्या में पहले गायक विक्रम जैन जो बेंगलूरु के उभरते हुए संगीत कलाकार है, अपनी पूरी टीम के साथ अपनी सुंदर आवाज से अनेकों भजनों से श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया।

उसके बाद लगभग 7.30 बजे दो बहनों की जोड़ी अधिष्ठा एवं अनुष्का मंसौर मध्यप्रदेश ने अपने आठ लोगों की टीम के साथ भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। सुप्रसिद्ध भजन गायिका बहनों ने हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों को अपने मधुर और संगीतमय भजनों मेरा सालासर दरबार, राम सियाराम, सियाराम जय जय राम, दुनिया में लोग हजारो हैं, बजरंगबली का क्या कहना, मेरे श्याम का जादू है, सर चढ़ कर बोलेगा से झूमने और गाने पर विवश कर दिया।

युवा सचिव पवन राजीलीवाल ने बताया कि भजन संध्या में महाप्रसादी संयोजिका सरिता अशीष गुप्ता, पूर्णाहुति प्रसाद ईशा विक्रम अग्रवाल, 56 भोग शोभा सुरेश पारीक थे। कार्यक्रम में युवा टीम का उत्साहवर्धन के लिए एफटीएस के साउथ जोन चेयरमैन रमेश अग्रवाला, एफटीएस बेंगलूरु चैप्टर से अध्यक्ष हाथीमल बैद, बिमल सराओगी, सुरेश पारीक, मनोज पारीक, देवकिनन्दन डागा, अशोक हिसारिया, रतन लाल सिंघल, वैभव गुप्ता, बबीता अग्रवाल, बीना अग्रवाल, सीता गोयल, सबिता अग्रवाल आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। एफटीएस युवा साउथ जॉन कॉर्डिनेटर प्रितेश बुरड ने मंच से आह्वान किया कि ऐसे कार्यक्रमों में अपने बच्चों को जरूर लेकर आएं जिससे बच्चे अपने समाज, अपनी संस्कृति को समझ सकें। उनमें अच्छा सोच पैदा हो, देश के लिए कुछ कर गुजरने की जिज्ञासा पैदा हो। आज बच्चे पाश्चात्य संस्कृति की ओर जा रहे हैं, जिसे रोकने का पहला काम उनके माता पिता और एकल जैसी संस्था का है। इस कार्यकारिणी 2023-25 का यह अंतिम बड़ा कार्यक्रम था। पिछले दो साल की उपलब्धियों के लिए मैं सभी को बधाई देता हूं और कार्यों की सराहना करता हूं।

आशा है आने वाली नई कार्यकारिणी भी समाज और संस्था के लिए नए आयाम स्थापित करेंगी। कार्यक्रम में तीन हजार से ज्यादा लोगों ने शानदार भजनों का आनंद लिया। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की पूरी टीम ने अंकित मोदी की अगुआई में स्वयंसेवक की भूमिका निभाई। एफटीएस युवा टीम से विकास गुप्ता, साकेत गर्ग, आरती अग्रवाल, आशीष गुप्ता, अमित सिंह, गणपत माली, अनिल सारडा, गणपत माली, अंकुर जैन, मितेश खंडेलवाल, प्रवीण गहलोत, रचना डालमिया, अनिल मालवीय, अरुण शर्मा, प्रहलाद जोशी, प्रवीण गहलोत, आयुष अग्रवाला, उत्तम बागरेचा, डा. अभिषेक मोदी, रविकांत राठी, जयप्रकाश अग्रवाल, दीपक शर्मा एवं पूरी युवा टीम को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई। फ्रैंड्स आफ ट्राइबल सोसाइटी (एफटीएस) अपने उद्देश्यों के तहत सामाजिक कार्यों द्वारा एक ख्याति प्राप्त संस्था के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाता जा रहा है। ये संस्था देश के उन सुदूर बनवासी इलाकों में काम करती है। आज देश के सुदूर वनवासी ग्रामीण इलाकों में लगभग एक लाख एकल विद्यालय चल रहे हैं।

धनपतराज बोहरा अध्यक्ष, अभय कुमार बांठिया मंत्री नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसुर के चुनाव में धनपतराज बोहरा को अध्यक्ष, अभय कुमार बांठिया को मंत्री एवं दिलीप कुमार गादिया को कोषाध्यक्ष मनोनित किया गया है।

शुक्रवार रात को जैन भवन में आयोजित नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति की सभा में नवीन कुमार ओस्तवाल एवं गौतमचंद छाजेड़ को उपाध्यक्ष तथा धनपत राज तातेड़ व भभूत मल तालेड़ा को सह मंत्री मनोनीत किया गया। मनोनयन के पश्चात आयोजित सभा में आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी के होली चातुर्मास तथा महासति शशिप्रभा जी के 2025 में अलसूर चातुर्मास के लिए विनती करने का निर्णय लिया गया। नव मनोनीत अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने निवर्तमान कार्यकारिणी के कार्यों की प्रशंसा कर अनुमोदना की। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए धन्यवाद दिया। नेमीचंद चोरड़िया, उत्तमचंद तातेड़, धर्मीचंद बोहरा, जसवंत मकाना, उगमराज मुथा, प्रकाशचंद नाहटा, महेंद्र मकाना, तेजराज तातेड़, सुनील कावड़िया, मनोज गादिया, जयंतीलाल गादिया, राजेश बोरुंदिया एवं मोहनलाल मुथा कार्यकारिणी समिति के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए।

आज सजेगा बाबा गंगाराम का भव्य दरबार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को पैलेस ग्राउंड के प्रिन्सेस ग्रीन के हॉल में हर वर्ष की भाँति इस बार भी झुंझनु वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम भक्त शिरोमणि देवकीनंदन परम् आराधिका माता गायत्री का भव्य दिव्य दरबार सजेगा। इस अवसर पर दोपहर 2.15 बजे से 101 जोड़ों द्वारा सामुहिक मनोकामना पूर्ति अभिषेक किया जायेगा। तत्पश्चात सायं 4 बजे से मनोकामना पूर्ति महोत्सव होगा, जिसमें मुंबई के गायक राकेश बावलिया भजनों की प्रस्तुति देंगे। केशव मधुकर कोलकाता अपने साथी कलाकारों द्वारा पंचदेव मंदिर झुंझनु की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व बाबा गंगाराम के जीवन चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। महोत्सव की तैयारी के लिए कमेटी के सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सिविल ठेकेदार से जबरन वसूली करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महिला द्वारा रची गई धोखाधड़ी में 57 वर्षीय सिविल ठेकेदार से जबरन वसूली करने वाले तीन लोगों को ब्यादराहल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में जयराज, अजय और संतोष शामिल हैं। मुख्य आरोपी नयना और उसके तीन अन्य साथी अभी भी फरार हैं। उल्लाल के विनायक लेआउट की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। घटना 9 दिसंबर को मगदी रोड पर तुंगानगर में मुख्य आरोपी नयना के घर पर हुई। पीड़िता का परिचय नयना से उनके कॉमन फ्रेंड के जरिए हुआ था। उसने पीड़िता का भरोसा यह कहकर जीता कि वह सिंगल मदर है और उसके बच्चे को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं। इसके बाद उसने पीड़िता से उसके बच्चे के इलाज के लिए पैसे लेने शुरू कर दिए। बताया जाता है कि शिकायतकर्ता ने इलाज के लिए उसे कुल 15,000 रुपये दिए थे। मुख्य आरोपी ने पीड़िता को अपने घर चाय पर बुलाना शुरू कर दिया। 9 दिसंबर को जब वह मगदी रोड पर अपने दोपहिया वाहन से जा रही थी, तो वह उसके पास पहुंची और उसे अपने घर बुलाया।

धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमान महोत्सव समिति मैसूरु के तत्वावधान में 6वां हनुमान उत्सव मनाया गया। महल परिसर स्थित अंजनैया स्वामी मंदिर के आगे से हनुमान की मूर्ति रथ पर विराजमान कर सोमेश्वरनाथ स्वामी के सान्निध्य में विधिवत पूजा अर्चना की गई। शोभा यात्रा में सैकड़ों भक्तगण हाथों में केसरिया ध्वज थाम कर जय श्रीराम व पवन पुत्र हनुमान के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते गए। शोभायात्रा का अशोक मार्ग, इरविन मार्ग, सय्याजीराव मार्ग से प्रमुख मार्गो से होते हुए गन हाउस के समीप हनुमान मंदिर में समापन हुआ। बीच मार्ग में शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में अंजनैया स्वामी की मूर्ति, नंदीकांबा, विरागसे, कंसले आदि की झाँकियां सजाई गई। इस मौके पर सांसद यदुवीर श्रीकृष्णदत्त चामराजा वाडियार, विधायक जीटी. देवेगौड़ा, विधायक टीएस. श्रीवत्स, विधायक के.हरीश गौड़ा, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, पूर्व विधायक एल.नागेंद्र, पूर्व विधायक सारा महेश, पर्यावरण जाग्रती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित, हनुमान महोत्सव सेवा समिति मैसूरु के संजय, जीवन, रोहित जैन, किरण, राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष गणेशमल सुथार, युवा मंडल अध्यक्ष रतनाराम माली, मैसूरु जिला करणी सेना अध्यक्ष कृपाल सिंह महेचा, प्रशांत गौड़ा, प्रवीण हरण, समाजसेवी कांतिलाल माली सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

मनुष्य के कर्मों का हिसाब भगवान के पास : व्यासानंद महाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के छठे दिन महाराजा अग्रसेन भवन में दोपहर 3 बजे की कथा में पूज्य व्यासानंद महाराज ने बताया कि भगवान ने सब कुछ इस जीव को दिया है। लेकिन हम खोज नहीं पा रहे है। सब कुछ हमारे ही अंदर है। यह अज्ञानी जीव भागवत प्रदान प्रसाद को अपने अंदर नहीं ढूंढ पा रहा है। परन्तु 6 चीजें - लाभ, हानि, जीवन, मरण, यश और अपयश भगवान ने अपने अधीन ही रखा है। मनुष्य के कर्मों के हिसाब भगवान प्रदान कर देते हैं।

शरीर की गारंटी सिर्फ परमात्मा ही दे सकते हैं, मनुष्य का इस पर कोई अधिकार है। शरीर को किराया का मकान बताया जिसके मालिक परमात्म हैं। उनका जब मन चाहे इसे खाली कर सकते हैं। किरायेदार रूपी मनुष्य का इस पर कोई नियंत्रण नहीं। जिन्होंने इस शरीर को बनाया है वह परम पिता परमेश्वर ही इस शरीर को नियंत्रित कर सकते हैं।

जब धर्म कर्म की बात होती है तो मनुष्य बोलता है समय नहीं है। जब समय का चक्र चलेगा तब समय के पीछे भागना पड़ता है। भगवान कृष्ण की 16,108 रानियां थीं, एक बार देवर्षि नारद भगवान के पास पहुंचे और सभी रानियों से मिलने की इच्छा की जिससे वह जान सकें कि वो सभी को कैसे समय दे पाते हैं। देवर्षि नारद जिस भी रानी के पास गए वहीं कृष्ण नजर आए। जो सबके साथ रहें, जो सबको प्रसन्न रख सकें वही इस पृथ्वी को चलाने की ताकत रखते हैं। ऐसे परम पिता परमेश्वर को भूलकर हम कैसे अपना जीवन शांतिपूर्वक जी सकते हैं। जब तक भगवतीय शक्ति को कोई प्राप्त नहीं कर लेता तब तक कोई शांत नहीं रह सकता। इस भगवतीय शक्ति को प्राप्त करने का एक ही साधन है उन परम पिता परमेश्वर का प्रति। जो भागवत भजन में रहेंगे वही इस आनंद को प्राप्त कर पाएंगे। शरीर का संबंध संसार से हो आत्मा का संबंध परमात्मा से हो, अगर दोनों को संसार में लगा के रखा तो परमात्मा कहां से प्राप्त होंगे। वैदिक सनातन धर्म दिन में जितनी बार पूजा करने के बारे में बताता है उतनी बार पूजा ध्यान करें, उपासना करे, सत्संग करें और धर्म का मार्ग प्रशस्त करें। इसी में विश्व का कल्याण है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जय कर्नाटका रक्षण सेना द्वारा एवेन्यू रोड में महाकाली उत्सव एवं कर्नाटका राज्योत्सव का आयोजन किया गया। सेना के राज्य अध्यक्ष के राजपा ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। सेना के लिंग राजू एवं शिवकुमार ने मुणोत को सम्मानित किया।

आज सजेगा बाबा श्याम का दरबार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्याम दीवाने के तत्वावधान में होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के नजदीक बसेश्वरा सुगनाना कल्याण मंडप में रविवार को बाबा श्याम का भव्य दरबार सजेगा। दोपहर 3 बजे से जानेमाने भजन गायक रामकुमार लखा व राहुल गहरवाल कोलकाता मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। संगीत दिल्ली के महशूर संगीतकार नरेश पुनिया एंड पार्टी देंगे। इस भजन महोत्सव में भक्तों के बड़ी संख्या में आने की संभावना को देखते हुए संस्था द्वारा विशेष तैयारी की गई है। दोपहर 2 बजे पूजन होगा। तत्पश्चात अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। सभी भक्तों को अखंड ज्योत के दर्शन के लिए विशेष टीम तैयार की गई, जो सभी को आराम से भव्य दरबार व ज्योत के दर्शन कराने की व्यवस्था देखेगी।

विधायक मुनिरत्ना ने पराजित कांग्रेस नेता कुसुमा पर झूठा बलात्कार का मामला रचने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक मुनिरत्ना ने राजराजेश्वरी नगर से पराजित कांग्रेस उम्मीदवार कुसुमा हनुमंतरायप्पा पर उनके खिलाफ दर्ज कराए गए झूठे बलात्कार के मामले के पीछे हाथ होने का आरोप लगाया है।

यहां पत्रकारों से वार्ता में मुनिरत्ना ने कहा मेरे खिलाफ झूठा बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। मैं नियमित रूप से आदिचुंचनगिरी काल भैरव मंदिर जाता हूं।

कुसुमा को भी वहां आने दें। देवता के सामने उसे शपथ लेनी चाहिए कि उसका इस मामले को दर्ज कराने वाले व्यक्ति से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कुसुमा को चुनौती देते हुए कहा आप शिक्षित और बुद्धिमान हैं। निम्न स्तर की राजनीति पर मत उतरिए। निर्वाचन क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का समर्थन करें और झूठा प्रचार करने से बचें।

मुनिरत्ना ने विधायक को अपने निर्वाचन क्षेत्र में न जाने की सलाह देने वाली टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल किया यह पहली बार है जब कोई इस तरह से बोल रहा है। मामला अदालत में चल रहा है और हमें उस प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। यहां तक कि तिहाड़ जेल में बंद डीके शिवकुमार भी अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते रहे। यह कैसे उचित है कि मैं कहूं कि मुझे अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा नहीं करना चाहिए, क्योंकि मेरा मामला अदालत में है?

दुखद कार दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

पुत्तूर/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां पारलादका जंक्शन पर बाईपास रोड के पास एक कार के खाई में पलट जाने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान अन्नू नाइक, उनके बेटे चिदानंद और उनके पड़ोसी रमेश नाइक के रूप में हुई है, जो सुल्लिया के जट्टीपल्ला के निवासी हैं।

यह दुर्घटना पारलादका जंक्शन के पास बाईपास रोड पर हुई, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई और आवश्यक कदम उठा रही है।

माना जा रहा है कि यह घटना सुबह-सुबह हुई। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब वे सुबह-सुबह सुल्लिया से पुत्तूर के पुनाचा जा रहे थे। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह दुर्घटना नींद में गाड़ी चलाने के कारण हुई होगी। हालांकि आगे की जांच पड़ताल जारी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। होयसला कला कुसुम कन्नड़ा संघ द्वारा हंपी नगर में अन्नमा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक एम कृष्णप्पा और विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संघ के आनंद एवं प्रकाश ने अतिथियों को सम्मानित किया।

शहीद सैनिक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने के लिए मुख्यमंत्री से करेंगे चर्चा: यूटी खादर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्थानीय निवासियों और परिवार के सदस्यों ने लांस हवलदार अनूप पुजारी की पत्नी के लिए सरकारी नौकरी की मांग की है, जिनकी जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सैनिकों के वाहन के खाई में गिर जाने से मृत्यु हो गई थी। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने कहा कि वे इस मामले पर मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे।

खादर ने बीजाडी केलमने में अनूप पुजारी के घर जाकर उनके परिवार के सदस्यों को संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा हमारे गांव के एक युवा की असामयिक मृत्यु, जो देश की रक्षा कर रहा था, ने राज्य के लोगों में गहरा दुख पैदा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि इस त्रासदी में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाएं अनूप के परिवार को भी दी जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि शहीद के नाम पर स्मारक के निर्माण सहित किसी भी कार्यक्रम का निर्णय स्थानीय प्रशासन द्वारा लिया जाना चाहिए, लेकिन सरकार आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व मंत्री विनय कुमार सोरके ने बताया कि अनूप की पत्नी मंजूश्री, जिनके पास बीसीए की डिग्री है, ने नौकरी करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा स्पीकर के नेतृत्व में हम सामूहिक रूप से इसे साकार करने की दिशा में काम करेंगे। अनूप का परिवार शांतिपूर्ण जीवन जी सके, इसके लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। स्पीकर से बातचीत में अनूप की पत्नी मंजूश्री ने आंसू भरे स्वर में कहा वह हर दिन फोन करते थे। मंगलवार रात तक जब कोई फोन नहीं आया, तो मुझे चिंता हुई। विधायक यशपाल सुवर्णा ने अनूप पुजारी के परिवार से मुलाकात की और कहा कि अनूप की मौत से तटीय क्षेत्र के लोगों को गहरा दुख पहुंचा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अनूप पुजारी का सपना सेना में भर्ती होने वाले युवाओं को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देने के लिए एक अकादमी स्थापित करना था। जिला प्रतिनिधियों और प्रमुख हस्तियों ने उनके सपने को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया है। ज्ञातव्य है कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ में मंगलवार को सेना का वाहन खाई में गिर गया, जिसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। इनमें से तीन दयानंद थिरकन्नावरा, अनूप और महेश मेरीगोंडा कर्नाटक के थे। बुधवार को सीएम सिद्धरामैया ने एक्स पर एक संदेश में उनके निधन पर शोक जताया था। उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर के पुंछ के पास सेना के वाहन दुर्घटना में कन्नड़ सैनिकों दयानंद थिरकन्नावरा, अनूप और महेश मेरीगोंडा की शहादत की खबर सुनकर मुझे दुख हुआ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि मृतक सैनिकों की आत्मा को शांति मिले और उनके परिवारों को इस दर्द को सहने की शक्ति मिले। सिद्धरामैया ने आगे कहा राष्ट्र हमेशा इन शहीदों के बलिदान और बहादुरी को याद रखेगा जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। सैनिक एक सैन्य वाहन में यात्रा कर रहे थे, जब किसी कारण से यह संकरी, जोखिम भरी सड़क से भटक गया, जिसकी अभी भी जांच चल रही है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 11 मराठा लाइट इन्फेंट्री का एक सैन्य वाहन, जो नीलम मुख्यालय से एलओसी के पास बलनोई घोरा पोस्ट की ओर जा रहा था, घोरा पोस्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारी ने कहा कि वाहन लगभग 150 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक सहित 10 सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

सड़क के मोड़ पर नियंत्रण खो दिया

11 मराठा लाइट इन्फेंट्री का एक त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और मनकोट से एक पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है, लेकिन संभवतः चालक ने सड़क के मोड़ पर नियंत्रण खो दिया। यह दुर्घटना घरोआ क्षेत्र में हुई जब छह वाहनों का एक काफिला नीलम मुख्यालय से बलनोई घोरा पोस्ट की ओर जा रहा था। अधिकारियों ने कहा कि बचाव दल ने 300-350 फीट गहरी खाई से पांच शव बरामद किए हैं। घायल सैनिकों को पुंछ के फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनमें से एक की हालत गंभीर है। दुर्घटना में पांच सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

कन्नड़ टीवी अभिनेता सह-अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने कन्नड़ टीवी सीरियल अभिनेता चरित बलप्पा को शुक्रवार को एक युवा अभिनेत्री के निजी वीडियो को लेकर यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया। राजराजेश्वरी नगर पुलिस ने 29 वर्षीय अभिनेत्री द्वारा उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद अभिनेता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तहत एफआईआर दर्ज की है। डीसीपी (पश्चिम) एस गिरीश ने शुक्रवार को बताया कि अपराध 2023 और 2024 के बीच हुआ और पीड़िता ने 13 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा शिकायतकर्ता, जो 2017 से कन्नड़ और तेलुगु धारावाहिकों में अभिनय कर रही है, 2023 में आरोपी से परिचित हुई। आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ रोमांटिक संबंध बनाने पर जोर दिया और उसे मानसिक उत्पीड़न, मौत की धमकी और हत्या की धमकियाँ दीं। डीसीपी ने बताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता से शारीरिक अंतरंगता की मांग की, इस तथ्य का फायदा उठाते हुए कि वह अकेली रहती थी। डीसीपी ने आगे कहा कि आरोपी, अपने सहयोगियों के साथ, अक्सर शिकायतकर्ता के घर के पास उपद्रव करता था, उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता था। आरोपी ने आगे धमकी दी कि अगर उसने उसकी वित्तीय माँगों का पालन नहीं किया, तो वह सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और व्हाट्सऐप ग्रुपों में यौन क्रियाओं में लिप्त होने के उसके स्पष्ट वीडियो और तस्वीरें साझा करेगा, जिसमें अभिनेता और अभिनेत्रियाँ शामिल हैं। डीसीपी गिरीश ने बताया कि शिकायतकर्ता ने इन आरोपों और संबंधित धमकियों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी चरित बलप्पा ने अपने परिचित का अनुचित फायदा उठाते हुए उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अगर वह उसकी मांगें पूरी नहीं करती है तो वह उसे ब्लैकमेल कर बदनाम कर देगा। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने राजनेताओं और गुंडों सहित शक्तिशाली लोगों के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल किया और धमकी दी कि वह जब चाहे उसे सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने आगे आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और कहा कि वह उसे खत्म कर सकता है।

पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे कुख्यात अंतराज्यीय लुटेरे के पैरों में मारी गोली

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
हुब्बल्ली पुलिस ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के कुख्यात अंतरराज्यीय अपराधी पाला वेंकटेश्वर राव उर्फ कल्याणकुमार को दोनों पैरों में उस वक्त गोली मार दी, जब वह उसे गिरफ्तार करने आए पुलिसकर्मियों पर हमला करके भागने का प्रयास कर रहा था। अपराधी के हमले में पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद और पुलिस कांस्टेबल आनंद बदीगर घायल हो गए हैं। आरोपी और घायल पुलिसकर्मियों का हुब्बल्ली के केएमसीआरआई अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस कर्मियों और घायल अपराधी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के बाद प्रेस वालों को जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने कहा कि कुख्यात अपराधी को पुलिस ने उस समय पकड़ा, जब वह अपने साथियों के साथ धारवाड़ के पास नवलूर के बाहरी इलाके में स्थित विकासकुमार के घर में डकैती डालने की कोशिश कर रहा था। गिरोह के सदस्य पीढ़ियों से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त थे और जून के महीने में धारवाड़ के विद्यागिरी थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपति पर हमला कर लूटपाट की थी।

शशिकुमार ने बताया कि कुल मिलाकर आरोपी चार दक्षिणी राज्यों में 50 से अधिक मामलों में वांछित है। उन्होंने बताया कि शनिवार को तड़के उन्होंने नवलूर में डकैती करने का प्रयास किया, लेकिन कैदियों के जाग जाने के कारण यह प्रयास विफल हो गया और उन्होंने पड़ोसियों और पुलिस को भी इसकी सूचना दे दी। पुलिस ने तत्काल तलाशी अभियान शुरू करते हुए पाला वेंकटेश्वर राव को पकड़ने में सफलता प्राप्त की, जो आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के कुख्यात चड्डी गैंग का सदस्य है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आरोपियों ने सूचना दी थी कि उनके गिरोह के सदस्य शनिवार की सुबह औद्योगिक क्षेत्र में एक खास जगह पर एकत्र हो रहे हैं। जब वे आरोपी को मौके पर ले गए, तो उसने पुलिसकर्मियों पर हमला करके उन्हें घायल करके भागने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि उस समय पीएसआई प्रमोद ने पहले हवा में गोली चलाई और फिर दो गोलियां चलाईं, जिससे वह दोनों पैरों में घायल हो गया। अभी तीनों का केएमसीआरआई अस्पताल में इलाज चल रहा है। शशिकुमार ने कहा कि पाला वेंकटेश्वर राव और उसके गिरोह के सदस्य डकैती करते समय पीड़ितों के साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की आपराधिक गतिविधियों में उनका इतिहास रहा है और वे अपने पीड़ितों के साथ अमानवीय व्यवहार करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अन्य आरोपियों के बारे में भी जानकारी मिली है और उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

नए साल के स्वागत के लिए बेंगलूरु तैयार

11,830 से अधिक पुलिस कर्मी सुरक्षा के लिए तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नए साल के जश्न के दौरान जनता, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता मानते हुए, शहर भर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अधिकारियों सहित 11,830 से अधिक पुलिस कर्मियों को सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है। दिन और रात की सुरक्षा के लिए शहर भर में 112 केएसआरपी-सीएआर दस्ते तैनात किए गए हैं। साथ ही शहर में पहले से लगे सीसीटीवी के अलावा महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त 817 सीसी कैमरे लगाए गए हैं। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सरकार की ओर से सार्वजनिक रूप से नए साल का जश्न मनाने की अनुमति है और नए साल के कार्यक्रम केवल रात 1 बजे तक आयोजित करने की अनुमति है। इसके अलावा, ड्रोन कैमरा, वॉच टॉवर, महिला सुरक्षा द्वीप और स्वास्थ्य केंद्र खोले गए हैं।

एमजी रोड-ब्रिगेड रोड, रेजीडेंसी रोड, सेंट मार्क्स रोड, कब्बन पार्क, ट्रिनिटी सर्कल, फीनिक्स मॉल, कोरमंगला, इंदिरानगर 100 फीट रोड, प्रमुख सितारा होटल, पब, क्लब जैसे महत्वपूर्ण नए साल के जश्न के स्थानों पर भीड़ नियंत्रण के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए गए हैं। सेंट्रल डिवीजन, ब्रिगेड रोड, एमजी रोड, ओपेरा जंक्शन, रिचंड रोड, रेजीडेंसी रोड में 5 डीसीपी, 18 एसीपी, 41 पुलिस इंस्पेक्टर सहित कुल 2572 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच टीमों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा।

हाल ही में पुलिस आयुक्त कार्यालय में नए साल के जश्न के संबंध में बीबीएमपी, स्वास्थ्य विभाग, उत्पाद शुल्क विभाग, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अग्निशमन विभाग, बीईएससीओएम, बीएमआरसीएल और अन्य विभागों/संगठनों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। एहतियाती कदम उठाने के लिए पहले ही निर्देश दे दिए गए हैं। कमिश्नर ने स्पष्ट किया है कि इस साल 31 दिसंबर को रात 11 बजे से 2 बजे तक यात्रियों को एमजी रोड मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि जब लोग वापस लौटेंगे तो एमजी रोड मेट्रो स्टेशन पर काफी भीड़ हो जाएगी। इसके बजाय, जनता से ट्रिनिटी सर्कल और कब्बन पार्क मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने का अनुरोध किया है। शहर के अन्य हिस्सों जैसे फीनिक्स मॉल, ओरायन मॉल और शहर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर नए साल के जश्न के प्रमुख स्थानों पर आवश्यक सावधानियां और उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोरमंगला, इंदिरानगर, मराठहल्ली, एचआरबीआर लेआउट, एयरपोर्ट रोड, व्हाइटफील्ड क्षेत्रों में नए साल की सुरक्षा ड्यूटी के लिए 4-डीसीपी, 6-एसीपी, 18-पुलिस निरीक्षकों सहित 2414 अधिकारियों और कर्मियों को तैनात किया गया है। नये साल का जश्न शांतिपूर्वक मनाना चाहिए। जनता से अनुरोध है कि वे कानून का पालन करते हुए, नियमित रूप से वाहन चलाते हुए तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों का सहयोग करें। आपातकालीन स्थिति में 112 या निकटतम पुलिस स्टेशन/पुलिस कियोस्क पर संपर्क करें, जनता अपनी गतिविधियों के बारे में परिवार को सूचित करती रहे। अन्य धर्मों के लोगों को ठेस पहुंचाए बिना नववर्ष मनाएं।

पुलिस, होम गार्ड जैसे सुरक्षा कर्मियों के साथ सहयोग करें, ऑटो और कैब में यात्रा करते समय यह सुनिश्चित करें कि वे अधिकृत हैं और केवल पुलिस द्वारा सूचित सड़कों पर यात्रा करें। कमिश्नर ने कहा कि शराब व नशीली दवाओं का सेवन कर वाहन न चलाएं, यह गैरकानूनी है और इससे जानमाल का नुकसान हो सकता है।

आयुक्त ने कहा, क्लबों, पबों और रेस्तरांओं को निर्देश दिया गया है कि वे सदस्यों और मेहमानों को नए साल के जश्न पर भोज और कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देते समय निर्धारित सीमा से अधिक के पास जारी न करें। नए साल के जश्न के दौरान होने वाली ड्रग रेव पार्टियों (ड्रग सप्लाई) पर लगाम लगाने के लिए शहर के सभी डीसीपी और सीसीबी अधिकारियों ने एक विशेष अभियान चलाया है। इस महीने में 3 विदेशी ड्रग तस्करों सहित 73 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 25,20, 65,000 की वसूली की गई। उन्होंने कहा कि 220.501 किलोग्राम की दवाएं जब्त की गईं और 54 मामले दर्ज किए गए।

साइबर धोखाधड़ी होने पर जनता 1039 पर करे कॉल: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिटी पुलिस कमिश्नर दयानंद ने सुझाव दिया है कि अगर कोई साइबर धोखाधड़ी में फंस जाता है और तुरंत 1039 पर शिकायत करता है, तो कॉल कहां से आई और किसने की उसकी जांच हो सकती है और आप खुद को साइबर धोखाधड़ी से बचा सकते हैं। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई डिजिटल अरेस्ट या होम अरेस्ट के लिए कॉल करता है तो उन्हें तुरंत कॉल बंद कर देना चाहिए और स्थानीय पुलिस और साइबर पुलिस को सूचित करना चाहिए। उन्होंने कहा अगर आपके पास ऐसी कोई कॉल आई है और आपने जालसाज के खाते में पैसे जमा किए हैं, तो तुरंत 1039 पर कॉल करें और उन्हें सूचित करें, खाता निलंबित कर दिया जाएगा। साइबर अपराध की रिपोर्ट करने के लिए एकमात्र राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 है। आयुक्त ने जनता से किसी भी साइबर अपराध की रिपोर्ट के लिए उसी नंबर पर संपर्क करने का अनुरोध किया।

चाहे वो कोई भी पुलिस हो, सीबीआई हो, सीआईडी हो, ईडी हो। हालांकि यह पहले ही कई बार स्पष्ट किया जा चुका है कि अधिकारी आपको फोन करके नहीं बताएंगे कि उन्होंने डिजिटल गिरफ्तारी की है, लेकिन कुछ लोग साइबर जाल में फंस जाते हैं और करोड़ों रुपये गवा देते हैं। उन्होंने कहा कि जनता को इस बारे में जागरूक होना चाहिए। यदि कोई अनजान व्यक्ति कॉल करके आपकी निजी जानकारी मांगता है तो उसे साझा न करें, धोखाधड़ी के जाल में फंसने की कोशिश करने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सचेत करें। उन्होंने साइबर जालसाजों के जाल में नहीं फंसने की सलाह दी। उन्होंने साफ किया कि अगर आपके खिलाफ कोई शिकायत आती है तो पुलिस आपको नोटिस देगी, थाने बुलाएगी और पूछताछ करेगी। लेकिन हमारे पास डिजिटल अरेस्ट और होम अरेस्ट जैसे कानून नहीं हैं। शहर में कुल 9 साइबर थाने हैं। साइबर धोखाधड़ी की तुरंत सूचना इस थाने या स्थानीय थाने को देने से जांच में मदद मिलेगी। आयुक्त ने व्यक्तिगत बैंक विवरण किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी।

रात में समुद्र तटों को खुला रखने को लेकर किया जा रहा विचार: डीसी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन पर्यटकों और आम लोगों के लिए रात में समुद्र तटों को खुला रखने पर विचार कर रहा है। यहां बातचीत के दौरान डीसी मुल्लई मुगिलन ने कहा समुद्र तटों पर तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाइफगार्ड की तैनाती और स्ट्रीट लाइट लगाना शामिल है। यह पहल सबसे पहले पनाम्बुर बीच पर लागू की जाएगी। आवश्यक कार्य अभी भी चल रहे हैं। तन्नीरुभवी बीच पर ब्लू फ्लैग बीच मान्यता के लिए प्रयास जारी हैं। जिला प्रशासन समुद्र तटों को रात 1 बजे तक खुला रखने पर विचार कर रहा है। शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा रात के समय समुद्र तट तक पहुंच की अनुमति केवल तभी दी जाएगी जब पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा और सुरक्षा उपाय लागू हो जाएँगे। हालाँकि, पब, बार और रेस्तराँ के लिए रात 1 बजे तक के समय को बढ़ाना इस समय लागू नहीं किया जाएगा।

भाजपा नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

पूर्व पार्षद कपनूर के खिलाफ कथित साजिश का मामला दर्ज करवाया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। भालकी में ठेकेदार सचिन पंचाल की मौत के मामले में शुक्रवार रात को नया मोड़ आया, जब भाजपा नेताओं ने शुक्रवार रात कलबुर्गी पुलिस स्टेशन के सामने हंगामा किया और पूर्व पार्षद राजकुमार कपनूर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की, जिन पर एक संत और तीन भाजपा नेताओं की हत्या की साजिश का आरोप है। आखिरकार तीन घंटे बाद पुलिस ने नरम रुख अपनाया और कपनूर और उनके साथियों के खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध के तहत एफआईआर दर्ज की। लेकिन, शुक्रवार रात कलबुर्गी के स्टेशन बाजार पुलिस स्टेशन के सामने काफी हंगामा हुआ, जब पुलिस अधिकारियों ने ठेकेदार सचिन पंचाल के कथित डेथ नोट के आधार पर भाजपा नेता की एफआईआर दर्ज करने की मांग को अस्वीकार कर दिया, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कि कपनूर एक धार्मिक प्रमुख और एक विधायक सहित तीन भाजपा नेताओं की हत्या की साजिश रच रहे थे। शुक्रवार रात को विधायक बसवराज मट्टीमोड़, भाजपा शहरी जिला इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत

पाटिल, भाजपा ग्रामीण इकाई के अध्यक्ष शिवराज पाटिल रड्डेवाडागी, पूर्व विधायक राजकुमार पाटिल तेलकुर, पूर्व एमएलसी अमरनाथ पाटिल समेत भाजपा नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ स्टेशन बाजार थाने में तब हंगामा किया, जब पुलिस अधिकारी ने कपनूर और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। जब विधायक मट्टीमोड़ ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार करने का कारण पूछा और लिखित में देने की मांग की, तो विधायक मट्टीमोड़ और पुलिस उपनिरीक्षक शकील अंगड़ी के बीच तीखी बहस हो गई।

पुलिस अधिकारियों पर अपराधियों का पक्ष लेने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि वे न्यायिक मजिस्ट्रेट से संपर्क करेंगे और शिकायत दर्ज कराएंगे।

भाजपा नेताओं और पुलिस के बीच तीन घंटे तक चली बहस के बाद सहायक पुलिस आयुक्त (उत्तरी उप-मंडल) जी. चंद्रशेखर ने मामले के संबंध में जानकारी जुटाने के लिए पुलिस स्टेशन का दौरा किया, थोड़ा नरम पड़े और अंततः कपनूर और उनके सहयोगियों के खिलाफ गैर-संज्ञेय (एनसी) अपराध की शिकायत दर्ज की। आत्महत्या से पहले छोड़े गए नोट में ठेकेदार सचिन पंचाल ने आरोप लगाया है कि पूर्व पार्षद और कांग्रेस नेता राजकुमार कपनूर, ब्लॉक कांग्रेस (प्रचार) समिति के जिला अध्यक्ष नंदकुमार नागभुजंगे, अलंद तालुक के गोरखनाथ सज्जन, महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के अक्कुल के एक उपद्रवी प्रताप पाटिल, सोलापुर के शिवसेना जिला अध्यक्ष मनोज सेजेवाल, बेंगलूरु के यूनिटी इंफ्राबिल्ड के प्रबंध निदेशक एचएम विकास, यूनिटी इंफ्राबिल्ड में परियोजना प्रबंधक पी. विनय और यादगीर जिले के सुरपुर तालुक के प्रथम श्रेणी के ठेकेदार रामनगौड़ा पाटिल उन्हें परेशान कर रहे थे और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देकर उनसे 1 करोड़ की फिरौती मांग रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि राजकुमार कपनूर नंदकुमार, गोरखनाथ सज्जन, रामनगौड़ा, प्रताप पाटिल और मनोज सेजेवाल के साथ मिलकर श्री राम सेना के राष्ट्रीय मानद अध्यक्ष सिद्धलिंगा स्वामी, भाजपा विधायक बसवराज मट्टीमोद, भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल और मणिकांत राठौड़ को प्रियांक खड़गे के इशारे पर मारने की साजिश रच रहे हैं।

मृतक ठेकेदार ने अपने मृत्यु नोट में यह भी दावा किया कि प्रियांक खड़गे ने कपनूर को कलबुर्गी जिले से निर्वासित करने की सजा को रोकने के लिए अपने अनुचित प्रभाव का इस्तेमाल किया। मृत्यु नोट में कहा गया है कि हाल ही में कपनूर और उनके सहयोगियों ने दलित सेना के राज्य अध्यक्ष हनुमंत येलसंघी को हनी ट्रैप मामले में फंसाने की साजिश रची और उन्हें जेल की सजा सुनाई।

आरएसएस-भाजपा की बैठक के जवाब में प्रगतिशील नेताओं ने रैली की बनाई योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी एक वैचारिक गतिरोध का केंद्र बनने की कगार पर है, जो कर्नाटक के राजनीतिक परिदृश्य पर गहरा प्रभाव डालने का वादा करता है। पूर्व आरएसएस-भाजपा नेता केएन गोविंदाचार्य और भारत विकास संगम के पूर्व सांसद बसवराज पाटिल सेदम के नेतृत्व में दक्षिणपंथी समूह 29 जनवरी से 6 फरवरी के बीच निर्धारित एक बड़े कार्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं। वहीं प्रगतिशील नेताओं के एक गठबंधन ने 17 जनवरी से अपना खुद का जमावड़ा सौहार्द भारत उत्सव शुरू करने की योजना बनाई है। लेकिन यह कोई साधारण विरोध-प्रदर्शन नहीं है। लिंगायत विद्वान प्रोफेसर मीनाक्षी बाली के अनुसार हम उन्हें रोकना नहीं चाहते हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यदि कोई संभावित सांप्रदायिकता है, तो हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि दक्षिणपंथी रैली निष्फल हो जाए और इसका मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाए। बाली ने बताया कि 19 दिसंबर

को बेंगलूरु में महत्वपूर्ण तैयारी बैठकें हो चुकी हैं और उसके बाद दावणगेरे, विजयपुरा और अन्य शहरों में रणनीति सत्र आयोजित किए गए। फिर भी, प्रगतिशील आंदोलन को धन जुटाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। जबकि रिपोर्टों में दावा किया गया है कि दक्षिणपंथी उनके आयोजन में भारी मात्रा में धन डाल रहे हैं, प्रगतिशील नेता अपने आयोजन को वास्तविकता बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बाली ने दुख जताते हुए कहा हमारे पास जो थोड़ा बहुत है, हम उसे एक साथ जोड़ रहे हैं। दांव इससे ज्यादा नहीं हो सकता। कांग्रेस के समर्थन के बारे में पूछे जाने पर बाली ने कहा कांग्रेस के पास कोई रणनीति नहीं है। वे नहीं समझते कि यहां क्या दांव पर लगा है। उन्होंने पार्टी पर एकीकृत प्रगतिशील प्रतिक्रिया की सख्त जरूरत को पहचानने में विफल रहने का आरोप लगाया। इस बीच, 29 जनवरी के आयोजन के पीछे प्रमुख व्यक्ति सांसद बसवराज पाटिल सेदम ने विपक्ष को महज दिखावा करार दिया। सेदम ने कहा यह गोविंदाचार्य द्वारा भारत विकास संगम के माध्यम से आयोजित एक प्रमुख आयोजन है। यह हर तीन साल में आयोजित होने वाली सभाओं की श्रृंखला में सातवां है। पिछले आयोजनों में भारी भीड़ उमड़ी थी। कलबुर्गी में हमें 25 लाख प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है। विरोध रैली के बारे में उन्होंने कहा हम उन पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हमें उनके विरोध की परवाह नहीं है। लेकिन प्रगतिशील विरोध के आयोजकों में से एक लेक्चरर प्रोफेसर आरके हुडुगी ने आरोप लगाया कि यह आयोजन किसी बड़ी घटना का अग्रदूत है। उन्होंने कहा अगले साल आरएसएस अपनी शताब्दी मनाएगा। यह कार्यक्रम उनके मेगा शताब्दी समारोह की तैयारी का कार्यक्रम है।

रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट में घायल दो महिलाओं की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के ताड़ंबईल वेंकटरमण कॉलोनी में रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुई दो महिलाओं की मौत हो गई है। वामन की पत्नी वसंती ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। इससे पहले, मकान मालिक वामन की बहन पुष्पा का गुरुवार को निधन हो गया था। दुखद घटना के बाद से दोनों का एक निजी अस्पताल में गहन चिकित्सा उपचार चल रहा था।

विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में नियुक्त होकर ट्रांसजेंडर ने रचा इतिहास

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय में नियुक्ति के साथ, 27 वर्षीय के एन रेणुका पुजार कर्नाटक के किसी विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में नियुक्त होने वाली पहली ट्रांसजेंडर व्यक्ति बन गई हैं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय में कन्नड़ में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने वाली पुजार इस महीने की शुरुआत में अतिथि व्याख्याता के रूप में नंदीहल्ली परिसर (पीजी केंद्र) में कन्नड़ विभाग में शामिल हुईं। बल्लारी जिले के कुरुगोडु की निवासी पुजार ने बताया, मैं बहुत खुश हूं।

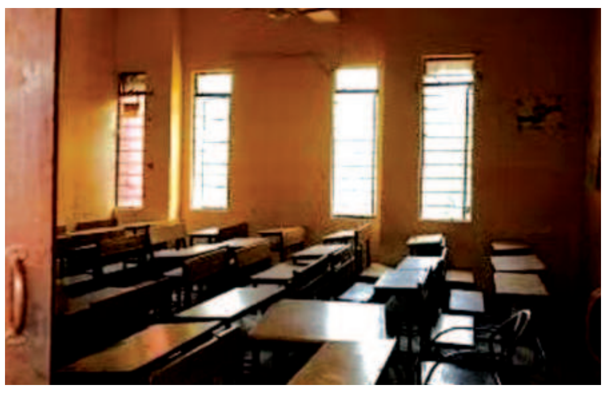

काफी संघर्ष के बाद मैं इस मुकाम पर पहुंची हूं। विश्वविद्यालय ने मेरी बहुत मदद की है। मैंने 2018 में अपनी डिग्री पूरी की और 2017 में ट्रांसजेंडर बन गई, जब मैं अपने दूसरे वर्ष में थी। मैंने 2022 में एमए पूरा किया और अतिथि व्याख्याता के रूप में काम कर रही हूं। पुजार ने कहा कि उन्हें अपने माता-पिता से समर्थन मिला, जिससे उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में मदद मिली। उनका परिवार कृषि पृष्ठभूमि से है और उनके माता-पिता ने उन्हें जीवन में सफल होने के लिए शिक्षित किया। पुजार ने कहा जब मैं दाखिला लेकर एमए की पढ़ाई कर रही थी, तब विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी मेरा साथ दिया। मुझे पढ़ाना पसंद है और मैं पीएचडी करना चाहती हूं और प्रोफेसर बनना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि ट्रांसजेंडर भी शिक्षा प्राप्त करें। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार पद के लिए आवेदन करने वाले तीस उम्मीदवारों में से उसके पास आवश्यक योग्यताएं और अच्छे अंक थे, और उसने व्याख्यान में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसके कारण समिति ने उनका चयन किया। उन्होंने कहा कि यह राज्य के किसी विश्वविद्यालय में इस तरह की पहली नियुक्ति है, जिसमें पुजार अधिक ट्रांस व्यक्तियों को शिक्षित होने और समाज में प्रमुख पदों तक पहुंचने के लिए प्रेरणा के रूप में काम कर रही हैं।

एक टेक्नोक्रेट और क्रांतिकारी प्रधानमंत्री थे मनमोहन सिंह: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को क्रांतिकारी टेक्नोक्रेट बताया, जिन्होंने समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा की। सीपीईडी मैदान में आयोजित शोक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मैं उच्च शिक्षा मंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे बेंगलूरु विश्वविद्यालय में आर्थिक शोध अध्ययन केंद्र स्थापित करें। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब आर्थिक सुधारों में उनके योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा उनके निधन पर शोक मनाने के बजाय उनके बताए मार्ग पर चलना अच्छी श्रद्धांजलि होगी। देश के विभिन्न हिस्सों से नेता गांधी के इतिहास को याद करने के लिए यहां आए थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने कहा हमने सोनिया गांधी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक साझा किया था, ताकि वे गांधी भारत कार्यक्रम का हिस्सा बन सकें। हम चाहते थे कि मनमोहन सिंह भी इस कार्यक्रम को देखें। जब हमने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, तो हमें बताया गया कि वे अस्वस्थ हैं और उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है। हमें पूरा विश्वास था कि वे ठीक हो जाएंगे, लेकिन वे आज हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा हम गांधी भारत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन हम यहां मनमोहन सिंह के लिए शोक सभा आयोजित कर रहे हैं। नियति ऐसी ही होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में उनके योगदान को याद करते हुए डीसीएम ने कहा शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार और खाद्य सुरक्षा के अधिकार ने भारत की सूरत बदल दी। स्वास्थ्य क्षेत्र में आशा कार्यकर्ताओं के विचार को उन्होंने ही सामने रखा था। उन्होंने सुनिश्चित किया कि किसानों को उनके हिस्से का पैसा मिले और वे विकास कार्यों के लिए अपनी जमीन दे सकें। 2010 में बल्लारी पदयात्रा के दौरान हमने महिलाओं को दूसरे खेतों में काम करते देखा। उनके साथ मेरी बातचीत ने मनरेगा के विचार को जन्म दिया। बाद में जब हम सोनिया गांधी से मिले तो हमने उनसे अपनी कई सीख साझा कीं। ध्रुव नारायण और मैंने एक प्रतिनिधिमंडल बनाया और मनरेगा में कुछ बदलावों का सुझाव दिया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसान अपने खेतों में भी मनरेगा का काम करवा सकें। उन्होंने कहा यह मनमोहन सिंह का खाद्य सुरक्षा का अधिकार ही था, जिसके कारण सिद्धरामैया ने 2013 में अन्न भाग्य की शुरुआत की। उन्होंने वन भूमि का अधिकार भी पेश किया, ताकि वनों के पास की जमीन पर खेती करने वाले किसानों, अनुसूचित जातियों/जनजातियों की मदद की जा सके। मनमोहन सिंह ने पहली बार किसानों के ऋण माफ किए। उन्होंने किसानों के 70,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए, जबकि पहले केवल बड़े उद्योगपतियों के ऋण माफ किए गए थे। वे भले ही अब हमें छोड़कर चले गए हों, लेकिन उनका काम और विरासत हमेशा हमारे बीच रहेगी। हमें उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए।

सरकारी बस किराये में 15 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश

सरकार ने परिवहन विभाग को दफनाने की स्थिति में ला दिया: पी. राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने कहा कि इस सरकार ने परिवहन विभाग को दफनाने की स्थिति में ला दिया है। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के कर्मचारियों ने रविवार से विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। भाजपा परिवहन विभाग के कर्मचारियों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह दुखद है कि परिवहन मंत्री अपने विभाग की वित्तीय स्थिति को नहीं समझते हैं। मंत्री रामलिंगारेड्डी का कहना है कि विभाग फायदे में है। जब मंत्री ही इतने अज्ञानी हैं तो आम जनता का क्या होगा? उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह राज्य का दुर्भाग्य है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी उपेन्द्र त्रिपाठी बीएमटीसी के एमडी हैं। उन्होंने कंपनी को घाटे से मुनाफे में ला दिया और काफी संपत्ति विभाग को दी है। उन्होंने 700 करोड़ की रकम जमा की है। सरकार पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है। यह सरकार ईमानदार अधिकारियों द्वारा जमा की गयी संपत्ति को बेचने जा रही है। उन्होंने विश्लेषण किया कि इसका कारण यह है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया जा सका। इस सरकार को दिसंबर के अंत तक परिवहन विभाग को 7,401 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। भविष्य निधि बोर्ड ऑफ

ट्रस्टीज को 2,500 करोड़, सेवानिवृत्त कर्मचारियों का 362 करोड़ बकाया, कर्मचारियों के बकाया भुगतान, आपूर्तिकर्ता बिल भुगतान, ईंधन बकाया, एमवीसी दावे, अन्य बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के संशोधित उप-अनुदान, अवकाश नकदीकरण सहित अन्य बिलों का भुगतान करना है। शक्ति योजना के तहत वर्ष 2023-24 का शेष 1180 करोड़ है। 2024-25 में 607 करोड़ बकाया- यानी 1787 करोड़ बकाया है। हालाँकि, सिद्धरामैया ने मेले आयोजित करना जारी रखा है। उनका कहना है कि वे ये योजना लेकर आये हैं। उन्होंने सवाल किया कि इसमें कौन सी मर्दानगी है।

उन्होंने कहा कि यह इस राज्य के लिए त्रासदी है कि ऐसे मुख्यमंत्री ने सारी संपत्ति बेच दी, विभाग खत्म कर दिया और दावा किया कि हमने यह हासिल कर लिया है। मुख्य सचिव शालिनी रजनीश की अध्यक्षता में हुई बैठक में परिवहन विभाग के मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ाते हुए कहा कि अधिकारियों ने खुद माना है कि 3650 करोड़ का बोझ है। उन्होंने बताया कि बैठक में 15 फीसदी किराया बढ़ाने का निर्णय लिया गया और इसके अनुरूप प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया। उन्होंने दूध, तेल और वाहन करों में बढ़ोतरी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि बैठक में पाया गया कि किराये में संशोधन के बाद भी निगम को 1800 करोड़ रुपये का घाटा होगा। निगम में 200 एकड़ जमीन उपलब्ध है और मुख्य सचिव ने इसका उपयोग राजस्व सुदृढ़ीकरण में करने की सलाह दी है। उन्होंने विश्लेषण किया कि इसका मतलब सरकार के सामने मांग न करना है। यह सरकार ढाई साल चलेगी। अगर वह निगम की संपत्ति बेच देगी और उसे नष्ट कर देगी तो क्या कर्नाटक का अस्तित्व बचेगा? क्या राज्य में यात्री और विद्यार्थी नहीं हैं? ढाई साल बाद इस राज्य के परिवहन विभाग की क्या स्थिति होगी? उन्होंने सार्वजनिक परिवहन की स्थिति पर चिंता जताई। यह सरकार पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार कर्ज में डूबी है। उन्होंने बताया कि बोम्मई सरकार में इन निगमों को समय पर भविष्य निधि दी जाती थी।

मेंगलूरु में अवैध बैनरों से परेशान लोग, अधिकारियों से कार्रवाई की मांग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु के एक प्रमुख क्षेत्र में एक अवैध बैनर लगाया गया है, जिससे स्थानीय अधिकारियों और निवासियों में चिंता बढ़ गई है। पूरे शहर में ऐसे बैनरों की मौजूदगी एक उपद्रव बन गई है, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है और कई ट्रैफिक सर्किलों पर दृश्य अवरुद्ध हो रहा है, जिससे ड्राइवरों और सवारों के लिए आने वाले वाहनों को देखना मुश्किल हो रहा है। 2023 में, मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) ने अवैध बैनर हटाने के लिए एक अभियान शुरू किया, लेकिन कई कार्यकर्ता शहर भर में इन सामग्रियों के लगातार प्रदर्शन से नाखुश हैं। पंपवेल, केपीटी, स्टेट बैंक और सर्किट हाउस जैसे स्थान विशेष रूप से इन बैनरों से भरे हुए हैं। सर्किट हाउस के गेट के आस-पास का क्षेत्र, जहाँ कई प्रतिनिधि, अधिकारी और राजनेता अक्सर थोड़े समय के लिए आते हैं, गेट के दोनों ओर बैनरों से विशेष रूप से भरा हुआ है, जिससे एक अप्रिय दृश्य बन जाता है। जन प्रतिनिधियों ने बार-बार अवैध बैनर और फ्लेक्स डिस्प्ले की निंदा करते हुए बयान जारी किए हैं। हालांकि, शहर में ऐसी सामग्री अब भी लगी हुई है, जिसे ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों या उनके समर्थकों द्वारा लगाया जाता है। हाल ही में लोकायुक्त के दौरे के दौरान, अवैध बैनर और फ्लेक्स डिस्प्ले के बारे में जनता की शिकायतों की बाढ़ सी आ गई, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, न ही उन्हें हटाने के लिए कोई अभियान चलाया गया।

भारतीय नौसेना ने मैदान में उतारे 9 खूंखार शिकारी

एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ हुए ऑपरेशनल

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे जा रहे खूंखार शिकारी 24 एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ को ऑपरेशनल कर दिया है। इन बहु भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत किया है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी।

भारतीय नौसेना ने इसी साल 06 मार्च को पारंपरिक वॉटर कैनन सलामी के साथ कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्काड्रन को औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था। इस सीहॉक्स स्काड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करेगा। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी-मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर हमारी समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा।

भारतीय नौसेना ने अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीदे हैं, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुआ था। इस सौदे के तहत अब तक नौ एमएच-60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सीहॉक की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मजबूत करेगी। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं।

अमेरिकी नौसेना के साथ हुए अनुबंध के तहत सभी 24 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति 2025 तक पूरी हो जाएगी। अत्याधुनिक मिशन सक्षम प्लेटफार्मों को शामिल करने से भारतीय नौसेना की विभिन्न एएसडब्ल्यू क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। सभी हेलीकॉप्टर मिलने के बाद भारत को सतह-विरोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मिलेगी। साथ ही भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत अपनी बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग क्षेत्रीय खतरों से निपटने और अपनी मातृभूमि की रक्षा को मजबूत करने के लिए करेगा। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ावा देने के साथ समुद्री डोमेन में निरंतर नौसैनिक संचालन का समर्थन करेगा।

बहुउद्देश्यीय अमेरिकी समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच-60आर को पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध, खोज और बचाव, चिकित्सा निकासी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस हेलीकॉप्टर में नाइट विजन उपकरण, हेलिफायर मिसाइलें, एमके-54 टॉरपीडो और रॉकेट लगे हैं।

रोमियो हेलीकॉप्टर में लगे राडार और सेंसर न केवल पानी के अंदर, बल्कि पनडुब्बियों की पहचान करके समय रहते उनका शिकार भी कर सकेंगे। इस खूंखार शिकारी से हरेक पनडुब्बी का कैप्टन डरता है। यह हेलीकॉप्टर कई अलग-अलग तरह के हथियारों से लैस हो सकता है, क्योंकि इसमें हथियारों को लगाने के लिए चार प्वाइंट्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए इसमें 7.62 एमएम की मशीन गन को भी लगाया जा सकता है।

मुस्लिमों ने अयोध्या, काशी, मथुरा नहीं सौंपे, इसलिए हिंदू नाराज: विहिप

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) महासचिव मिलिंद परांडे ने हिंदू समाज में मुस्लिम स्मारकों पर अधिकार के दावों और अदालतों में दाखिल याचिकाओं पर कहा कि मुस्लिम समुदाय द्वारा अयोध्या, काशी और मथुरा के विवादित स्थलों को हिंदुओं को स्वेच्छा से नहीं सौंपने से हिंदू समाज में नाराजगी है।

मिलिंद परांडे ने 1984 में आयोजित धर्म संसद का जिक्र करते हुए कहा, तब यह प्रस्ताव रखा गया था कि अयोध्या, काशी और मथुरा हमें दे दिए जाएं, और इसके बाद अन्य मुद्दों पर कोई हलचल नहीं होगी। लेकिन 2025 आने को है और यह प्रस्ताव अब तक लागू नहीं हो सका। इसी कारण समाज में जो नाराजगी दिख रही है, वह स्वाभाविक है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान को लेकर परांडे ने कहा, भागवत जी ने काशी और मथुरा के संदर्भ में जो बात कही, उसे समझने की जरूरत है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर को हिंदुओं के विश्वास का प्रतीक बताया था और कहा था कि रोजाना नए मुद्दे उठाना नफरत और द्वेष पैदा कर सकता है। हालांकि, कुछ हिंदू संतों द्वारा उनके बयान के विरोध करने के सवाल पर उन्होंने कहा, हम संतों के विरुद्ध टिप्पणी नहीं करते।

परांडे ने मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के मुद्दे पर कहा कि विहिप 5 जनवरी 2025 से देशव्यापी जन जागरूकता अभियान शुरू करेगी। यह अभियान विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित होने वाली हैंदव शंखावरम नाम की विशेष सभा से शुरू होगा। विहिप ने मंदिर प्रबंधन को समाज को सौंपने के लिए एक मसौदा कानून भी तैयार किया है, जिसे हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सौंपा गया।

विहिप ने मंदिरों को समाज को सौंपने से पहले कुछ प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें शामिल हैं मंदिरों और एंडोमेंट विभागों से सभी गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाना। पूजा और सेवा के कार्यों में केवल धर्म का पालन करने वाले हिंदुओं को नियुक्त करना। मंदिर प्रबंधन और ट्रस्ट बोर्ड में राजनीतिक दलों से जुड़े व्यक्तियों की नियुक्ति पर प्रतिबंध। मंदिर परिसर में दुकानों के संचालन की अनुमति केवल हिंदुओं को देना। मंदिरों की भूमि पर गैर-हिंदुओं द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाना।

विहिप का कहना है कि उनकी यह पहल हिंदू समाज को मंदिरों के संरक्षण और प्रबंधन में सशक्त बनाने के लिए है। उनका मानना है कि मंदिर हिंदू संस्कृति और परंपरा का आधार हैं और इनका सही प्रबंधन जरूरी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हिंदू-मुस्लिम विवादित स्थलों पर चर्चा और मंदिर निर्माण की मांग तेज हो रही है। विहिप ने स्पष्ट किया कि उनका अभियान सांप्रदायिकता फैलाने के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकार सुनिश्चित करने के लिए है।

गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब का मार्ग

जोरावर सिंह और फतेह सिंह के नाम से जाना जाएगा

देहरादून, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने उत्तराखंड सरकार का आभार प्रकट किया है कि गोविंद घाट से घांघरिया और श्री हेमकुंड साहिब तक का मार्ग का नाम दशम गुरु गोबिंद सिंह के शहीद साहिबजादों के नाम पर रखा है। गुरुद्वारा प्रबंधन ने कहा, हम उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने गोविंदघाट घाघरिया मार्ग का नाम साहिबज़ादा जोरावर सिंह मार्ग और बिदौरा छवीं पातशाही गेट से धूमखेड़ा को साहिबज़ादा फतेह सिंह रोड के रूप में रखा। यह श्रद्धांजलि वीर बाल दिवस के अवसर पर दी गई, जो इन दो साहसी युवा शहीदों की अविस्मरणीय विरासत का प्रतीक है, जिन्होंने अपने धर्म और सिद्धांतों के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह, गुरु गोबिंद सिंह के पुत्र, ने बहुत कम उम्र में असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया, जिससे अनगिनत लोगों को अपने विश्वासों और मूल्यों के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने उनकी बहादुरी को याद करके यह सुनिश्चित किया है कि उनकी कहानी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। प्रबंधन ने कहा, एक बार फिर, हम मुख्यमंत्री का इस सोची समझी पहल के लिए आभार व्यक्त करते हैं, जो न केवल साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह की यादों को सम्मानित करती है, बल्कि उनके द्वारा प्रतिबिंबित साहस, दृढ़ संकल्प और बलिदान के मूल्यों को भी मजबूत करती है। गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट एवं हेमकुंट साहिब के दर्शनों के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की और से मुख्यमंत्री का साधुवाद करते हैं।

तमिलनाडु पुलिस पर बिफरा मद्रास हाईकोर्ट

ऐसा रवैया रहेगा तो पुलिस के पास जाने से लोग डरेंगे

चेन्नई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को चेन्नई पुलिस को उस 19 वर्षीय छात्रा की पहचान का विवरण लीक करने के लिए फटकार लगाई, जिसका इस सप्ताह के शुरू में अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न किया गया था। जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण की अवकाश पीठ ने पूछा कि मामले की एफआईआर पुलिस द्वारा कैसे लीक की गई।

हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में पुलिस से पूछा कि पीड़ित परिवार के लिए कौन जिम्मेदार है और वे किन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं? कोर्ट ने कहा कि पुलिस के इस तरह के रवैये से अन्य लोग पुलिस के पाए जाने से कतराएंगे। कोर्ट ने कहा कि अब सभी छात्रों के माता-पिता पुलिस के पास जाने से डरेंगे। हम भी इस बारे में चिंतित हैं और हम सभी छात्रों से अनुरोध करना चाहते हैं कि वे आगे आएं और हमें बताएं कि क्या उन्हें कुछ और पता है।

पीठ ने सुनवाई शनिवार तक स्थगित करते हुए कहा कि आप एफआईआर अपलोड कर सकते हैं, लेकिन आपको पहचान संबंधी विवरण को संशोधित करना होगा। आप हमें जवाब दीजिए। पीड़िता और उसके परिवार को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आप नहीं कर सकते। कल सुबह तक हमें बताइए।

कोर्ट मामले की जांच से संबंधित निर्देश मांगने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ताओं में से एक वकील जयप्रकाश हैं, जो अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के सदस्य भी हैं। कोर्ट ने सुबह तमिलनाडु सरकार को आज दोपहर 2.15 बजे तक मामले पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

25 दिसंबर को चेन्नई पुलिस ने सड़क किनारे बिरयानी बेचने वाले एक शख्स को अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया। शिकायत के अनुसार, यह घटना इसी साल 23 दिसंबर को हुई थी। शिकायतकर्ता ने बाद में पुलिस से संपर्क किया और यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति में भी शिकायत दर्ज कराई।

आज दोपहर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल किया कि पुलिस आयुक्त ने कैसे दावा किया कि मामले में केवल एक ही आरोपी शामिल था, जबकि जांच अभी भी जारी है। याचिका में पूछा गया कि आयुक्त ने कैसे प्रेस कॉन्फ्रेंस की और यह बयान दिया कि केवल एक आरोपी ही इसमें शामिल है? आपके सेवा नियम कहां हैं और वे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के बारे में क्या कहते हैं?

इसमें आरोपी के खिलाफ हिरासत में यातना के आरोपों के बारे में भी पूछा गया। इसमें कहा गया कि आरोपी के हाथ और पैरों पर पट्टियां क्यों थीं? राज्य ने जवाब में कहा कि आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था। बेंच ने अन्ना यूनिवर्सिटी की खामियों की ओर भी इशारा किया और अन्ना यूनिवर्सिटी की ओर से की गई खामियों के बारे में क्या? आपके कैंपस के अंदर कुछ हुआयहां तक कि पुलिस को भी आपके कैंपस में घुसने के लिए आपकी अनुमति की जरूरत थी, लेकिन एक बदमाश को आपके कैंपस में खुलेआम घूमने की इजाजत दी गई।

अधिवक्ता जयप्रकाश ने दलील दी कि आपराधिक रिकॉर्ड होने के बावजूद आरोपी पर पुलिस द्वारा निगरानी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस जाकर पीड़िता का विवरण बताती है। अब हर कोई उसका फोन नंबर, उसका घर जानता है। उसे और उसके माता-पिता को बहुत कुछ झेलना पड़ रहा है। इसलिए उन्होंने एक सिंगल जज की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच की मांग की।

हालांकि, कोर्ट ने कहा, जज जांच में विशेषज्ञ नहीं हैं। एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील जीएस मणि ने दलील दी कि हिरासत के दौरान पुलिस ने आरोपी की पिटाई की थी। उन्होंने पूछा कि क्या यह आरोपी को चुप कराने और किसी अन्य को बचाने के लिए किया गया? मणि ने यह भी कहा कि आरोपियों के खिलाफ लगभग 20 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 16 में दोषसिद्धि हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने यह भी कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय में 70 सीसीटीवी कैमरे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि 56 काम नहीं कर रहे हैं। जवाब में, महाधिवक्ता (एजी) पीएस रमन ने इस दलील पर आपत्ति जताई कि आरोपी का संबंध द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से है।

रमन ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ 20 मामले 2010 से 2018 के बीच दर्ज किए गए थे, जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी। रमन ने कहा कि आरोपी को अपराध के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारी सराहना करने के बजाय वे सिर्फ तीन दिनों में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कोर्ट ने इस बयान पर आपत्ति जताई। पीठ ने कहा, किस बात की सराहना और प्रशंसा? संवैधानिक रूप से राज्य अपराधों को रोकने के लिए बाध्य है। कोई अपराध होता है और पुलिस किसी को गिरफ्तार कर लेती है और हमसे इसकी सराहना करने की उम्मीद की जाती है? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी कहा कि इस तरह के अपराधों का एक प्रमुख कारण समाज में नशीली दवाओं का खतरा है।

इसमें कहा गया कि आपको (राज्य को) भी इस बारे में कुछ करना चाहिए। हमें ऐसी घटनाओं का बचाव करने के बजाय सक्रिय होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस घटना के कारण लोगों को महिलाओं के बारे में बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अब किसी को भी महिलाओं की स्वतंत्रता तथा लड़कियों के लड़कों के साथ घूमने-फिरने या बात करने के बारे में बेतुके बयान नहीं देने चाहिए। अटॉर्नी जनरल ने जवाब में कहा, राज्य कभी भी ऐसा कुछ नहीं कहेगा।

मुस्लिम जजों तक को नहीं थी मंदिर से समस्या : जस्टिस कैत ने तोड़वाया हनुमान मंदिर

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने अपने आधिकारिक आवास के भीतर बने हनुमान मंदिर को ध्वस्त करा दिया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिख कर शिकायत की है और कार्रवाई करने की मांग की है। बार एसोसिएशन ने कहा कि इससे पहले कई मुस्लिम चीफ जस्टिस तक उस बंगले में रहे हैं लेकिन उन्होंने मंदिर बना रहने दिया और यहां तक कि उसका जीर्णोद्धार भी करवाया। जस्टिस कैत बौद्ध धर्म के अनुयायी बताए गए हैं।

बार एसोसिएशन के पत्र के अनुसार, जबलपुर के पचपेड़ी में बने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के बंगले में एक पुराना हनुमान मंदिर था। एसोसिएशन ने कहा है कि इस मंदिर में जस्टिस बोबडे, जस्टिस खानविलकर समेत बाकी पूर्व चीफ जस्टिस पूजा किया करते थे।

एसोसिएशन ने कहा है कि इस मंदिर में उनके स्टाफ भी पूजा करते थे जिससे किसी को कोई परेशानी नहीं थी। पत्र में कहा गया है कि यहां जस्टिस रफत आलम और जस्टिस रफीक अहमद भी अपने कार्यकाल के दौरान रहे हैं, उन्होंने भी कभी इस मंदिर पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

एसोसिएशन की शिकायत में कहा गया है कि यह मंदिर सरकारी था और इसकी समय-समय पर मरम्मत भी सरकारी पैसे से करवाई जाती रही है। शिकायत के अनुसार, जस्टिस सुरेश कुमार कैत के यहां आने के बाद इस मंदिर को तोड़ दिया गया और मूर्तियां हटा दी गईं। यह कार्रवाई बिना किसी सरकारी या न्यायिक आदेश के की गई। पत्र में कहा गया है कि इस कृत्य से हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों की भावनाओं का अपमान हुआ है तथा सरकारी सम्पत्ति का भी नुकसान हुआ है। एसोसिएशन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना से मांग की है कि वह दोषियों पर कार्रवाई करें। अभी जस्टिस कैत का पक्ष सामने नहीं आया है।

इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट धन्य कुमार जैन ने कहा, यह मंदिर यहां चीफ जस्टिस का बंगला बनने से पहले से था। यह एक नीम के पेड़ के पास बना था। बाद में यह बंगले में शामिल हो गया। इसमें समय के साथ छोटा-मोटा निर्माण भी करवाया गया। मंदिर लगभग 506 फीट के साइज का था, इसमें हनुमान जी और शिवलिंग स्थापित थे। यहां पूर्व में रहे चीफ जस्टिस पूजा करते थे, उनके स्टाफ भी यहां पूजा करते थे।

सीनियर एडवोकेट जैन ने बताया, यहां तक कि जस्टिस पटनायक यहां रोज सुबह धोती पहन कर पूजा करने आते थे चीफ जस्टिस रहे रफत आलम साहब ने इसका जीर्णोद्धार तक करवाया था। वह इसके सामने चप्पल उतार देते थे। किसी को इससे आपत्ति नहीं थी। लेकिन तीन महीने पहले यहां जस्टिस कैत आए और इसके बाद इस मंदिर को तोड़ दिया गया। अब कहा जा रहा है कि यहां कुछ था ही नहीं। संविधान में सभी धर्मों को आजादी दी गई है, लेकिन जब न्यायपालिका से जुड़े लोग मंदिर हटवा देंगे तो संवैधानिक अधिकारों की रक्षा कौन करेगा।

उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि यदि संभव हो तो सुप्रीम कोर्ट जस्टिस कैत का ट्रांसफर किसी दूसरे हाईकोर्ट में करें। एडवोकेट जैन ने कहा, जस्टिस कैत बौद्ध धर्म को मानते हैं। हमें उससे कोई समस्या नहीं है, यह इसी धरती से जन्मा हुआ धर्म है। लेकिन इसके चलते मंदिर तोड़ा जाना ठीक नहीं है। इसका दोबारा निर्माण करवाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को एक वकील रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी की तरफ से शिकायत मिली थी। वकील त्रिपाठी ने इसी के साथ उस पीआईएल की सुनवाई से भी जस्टिस कैत को अलग करने की मांग की है, जिसमें मध्य प्रदेश के पुलिस थानों के भीतर मंदिर बनाने का विरोध किया गया है। इस पीआईएल में अनुरोध किया गया है कि थानों में बने मंदिर संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं और इन्हें हटाया जाना चाहिए। वकील त्रिपाठी ने मांग की है कि जस्टिस कैत के खिलाफ आरोप सिद्ध होने पर आपराधिक कार्रवाई भी चालू की जाए।

जस्टिस सुरेश कुमार कैत मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं। वह इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट और तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में जज रह चुके हैं। सितंबर 2024 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया था।

संभल में बावड़ी में अब नजर आए चार दरवाजे, सीमेंट के खंभे भी मिले

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के चंदौसी में बावड़ी की खुदाई आठवें दिन भी जारी रही। अब तक खुदोई में 14 से अधिक सीढ़ियां और सीमेंट के बने खंभे मिले हैं। मौके पर एएसआई की टीम लगातार सर्वे कर रही है। इमारत की सुरक्षा को देखते हुए मशीन से काम बंद करवा दिया गया था। इसके बाद नगर पालिका की लगभग 50 मजदूर बावड़ी की साफ सफाई में लगे हैं।

इससे पहले, शुक्रवार को लक्ष्मणगंज में मिली बावड़ी का सिरा और कुएं की तलाश के लिए एएसआई टीम की मौजूदगी में सड़क तक की खोदाई की गई। सड़क से इंटरलॉकिंग टाइल्स हटाए गए तो चार दरवाजों का एक हिस्सा दिखाई दिया है। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां पर बावड़ी का कुआं है। बावड़ी के तीन ओर के मकान अतिक्रमण माने जा सकते हैं। प्रशासन बावड़ी का पूरा दायरा जानने के लिए आसपास से अतिक्रमण भी हटाएगा। शुक्रवार की सुबह करीब 8:30 बजे एएसआई की टीम के राजेश कुमार बावड़ी स्थल पर पहुंचे।

नगर पालिका के ईओ कृष्ण कुमार सोनकर व सेनेटरी इंस्पेक्टर प्रियंका सिंह से बावड़ी का सिरा और कुआं तलाशने के लिए कहा।

इसके बाद पालिका की एक टीम ऊपरी मंजिल के गलियारों से मिट्टी निकालने में जुट गई तो वहीं दूसरी टीम सड़क की ओर के हिस्से में कुआं और बावड़ी के सिरे की तलाश में खुदाई के लिए जुट गई। मजदूरों ने सड़क पर खुदाई की तो अंदर गड्ढा नजर आया। ऊपर की मिट्टी हटाई तो दीवारें नजर आने लगीं। सड़क के टाइल्स उखाड़ कर आगे खोदाई कराई तो एक कमरा नजर आया। जिसकी चारों दीवारों पर गेट बने दिखाई दे रहे थे। माना जा रहा है कि यहीं पर बावड़ी का कुआं है। शाम पांच बजे के आसपास खुदाई रोक दी गई।

माना जा रहा है कि भूमिगत बावड़ी इंटरलॉकिंग की सड़क पार तक है। वहीं बावड़ी का गेट दूसरी ओर है। जहां दोनों साइड में दो मकान बने हैं। बावड़ी को अस्तित्व में लाने के लिए मकान प्रभावित हो सकते हैं। ईओ कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि बावड़ी के ऊपर किया गया अतिक्रमण हटाया जाएगा। ऐसे में तीन मकानों पर भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई हो सकती है।

बावड़ी की पहली मंजिल के गलियारे में भरी मिट्टी को निकालने के लिए शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक 20 से अधिक मजदूर लगे रहे और खोदाई से निकली मिट्टी ट्रैक्टर-ट्रॉली तक पहुंचाते रहे। बावड़ी की पहली मंजिल की दाईं ओर का गलियारा पूरी तरह से साफ कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर गलियारे में मिट्टी पूरी तरह से नहीं निकाली जा सकी है।

पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह का कहना है कि चंदौसी में मिली बावड़ी सहसपुर स्टेट यानी उनके परिवार की संपत्ति है। उन्होंने कहा कि यह बावड़ी तीन मंजिल की है, जो अनोखी चीज है। उत्तरी भारत में बहुत कम बावड़ी हैं। बावड़ी राजस्थान और गुजरात आदि में ज्यादा मिलती हैं। शुक्रवार को पूर्व सांसद ने बिलारी में राजा का सहसपुर स्थित अपने महल में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बावड़ी को अपनी बता रहे हैं। जो लोग ये कह रहे हैं वह उनसे परिचित नहीं हैं।

जबकि सच्चाई ये है कि बावड़ी हमारे परिवार की बनवाई हुई है। हमारे परिवार की मिल्कियत है। परिवार में दो लोग हैं। एक मैं और मेरी छोटी बहन। ये बात स्पष्ट करनी थी।

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि पुरातत्व विभाग इसे अपनी सुपुर्दगी में ले और उसका जीर्णोद्धार करे, ताकि यह चंदौसी वासियों के लिए एक अच्छा पर्यटन स्थल बने। उन्होंने बताया कि बावड़ी के पास कृष्ण निवास नाम से कोठी थी। वह हमारे बुजुर्ग राजा कृष्ण कुमार सिंह साहब ने बनवाई थी। वहां एक पत्थर भी लगा है। जिस पर कृष्ण निवास लिखा है। उसी कोठी परिसर में ये बावड़ी बनी है। प्रशासन पुराने रिकार्ड खंगाले तो सच सामने आ जाएगा।

मथुरा के हिंदू मंदिर पर हमला

मूर्तियां खंडित कर फेंकी

मथुरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में एक स्थानीय मंदिर में कुछ युवकों ने हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडित कर दी। उन्हें तोड़ कर मंदिर के बाहर फेंक दिया गया। मंदिर में लगे भगवान के फोटो भी इन युवकों ने जला दिए। इसके बाद मंदिर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की फोटो स्थापित करने की कोशिश की गई। मंदिर पर हमला करने का आरोप अनुसूचित जाति से जुड़े युवकों पर लगा है। वहीं वाराणसी में कुछ छात्रों ने मनुस्मृति जलाने का प्रयास किया और मारपीट भी की। दोनों घटनाओं में पुलिस ने कार्रवाई की है।

मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र के उदियागढ़ी गांव में बने मंदिर पर पिछले दिनों कुछ युवकों ने हमला कर कलश, त्रिशूल और सर्प को तोड़ डाला। उन्होंने मंदिर में स्थापित मूर्तियां भी तोड़ दीं और उन्हें फेंक दिया। इसके अलावा मंदिर में जितने भी भगवानों के चित्र लगे हुए थे, उनमें आग लगा दी। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर का एक फोटो मंदिर में स्थापित करने का प्रयास किया।

इसी बीच गांव के लोगों ने इस करतूत को देख लिया और यहां पहुंच गए। इसके बाद यह सभी युवक भाग गए। गांव वालों ने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। मंदिर में मूर्तियां खंडित करने के आरोपित युवक अनुसूचित जाति से जुड़े बताए जा रहे हैं। गांववालों ने इस संबंध में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने लोगों को शांत करने के साथ ही मंदिर में मरम्मत भी करवा दी है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। मामले में शिकायत भी दर्ज करवाई गई है। घटना के बाद का एक वीडियो भी वायरल है।

मथुरा के अलावा वाराणसी में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों ने हंगामा किया। यह यहां के एक व्यस्त चौराहे पर इकट्ठा होकर मनुस्मृति जलाने जा रहे थे और नारेबाजी कर रहे थे। इन छात्र-छात्राओं ने यहां मारपीट और धार्मिक उन्माद फैलाने का प्रयास भी किया। पुलिस ने इस मामले में 13 छात्र-छात्रों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 3 छात्राएं हैं। यह सभी इक्‍ष में अलग-अलग विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं। इनके भगत सिंह मोर्चा नाम के एक संगठन से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। इन्हें जेल भेज दिया गया है। उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार के सीतामढ़ी में भी एक व्यक्ति के मनुस्मृति जलाने की बात सामने आई है। इस संबंध में पुलिस से लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। सीतामढ़ी पुलिस ने यह जानकारी दी है।

बिजली के निजीकरण के खिलाफ आंदोलन तेज

एक जनवरी को पूरे प्रदेश में मनाएंगे काला दिवस

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में बिजली के निजीकरण को लेकर चल रहा संघर्ष और तेज हो गया है। बिजली कर्मियों ने गोरखपुर में हुई बिजली पंचायत में तय किया है कि एक जनवरी को काला दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश में निजीकरण के विरोध में अभियंताओं और कार्मिकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को गोरखपुर में हुई पंचायत में निजीकरण का प्रस्ताव खारिज होने की घोषणा तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया गया। बिजली कर्मियों ने यह भी ऐलान किया कि एक जनवरी को पूरे प्रदेश में काली पट्टी बांध कर कार्य किया जाएगा। इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। हालांकि बिजली व्यवस्था पर इसका कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी अपना काम करते रहेंगे।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि पावर कारप-ोरेशन प्रबंधन निजीकरण की एकतरफा कार्रवाई करके अनावश्यक तौर पर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वाता-वरण बना रहा है। संघर्ष समिति के शैलेन्द्र दुबे, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, महेन्द्र राय आदि ने ऐलान किया कि 29 दिसंबर को झांसी में होने वाली बिजली पंचायत भी ऐतिहासिक होगी। इसकी तैयारी की जा चुकी है। इसके बाद पांच जनवरी को प्रयागराज में भी बिजली पंचायत होगी।

हर डिस्कॉम में चार अधिशासी अभियंताओं को निलंबित करने के आदेश पर पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने और पूरे मामले में कमेटी बनाकर जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि निगमों के प्रबंध निदेशकों की भाषा शैली पर कारपोरेशन प्रबंधन तत्काल कार्रवाई करे। मुफ्त समाधान योजना की समीक्षा के नाम पर अभियंताओं को लक्ष्य बनाकर की जा रही कार्रवाई से निगमों में औद्योगिक अशांति पैदा होगी। एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, आरपी केन, बिंदा प्रसाद, सुशील कुमार वर्मा, एके प्रभाकर आदि ने कहा कि पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक मुफ्त समाधान योजना की 10 दिन के अंदर समीक्षा के आधार पर अभियंताओं को टारगेट किया जा रहा है, जिससे सिद्ध होता है कि बिजली कंपनियों का प्रबंधन पीपीपी मॉडल को लागू न कर पाने से बौखला गया है।

प्रार्थना सभा की आड़ में मिशनरी करा रहे धर्मांतरण

उन्नाव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर में धर्मांतरण के खिलाफ की जा रही गतिविधियों ने चार प्रमुख घटनाओं को उजागर किया है। इन घटनाओं में अब तक कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है, तो पादरी समेत कम से कम 9 को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कई अन्य लोगों से पूछताछ जारी है। कार्रवाई में पादरियों सहित अन्य आरोपित शामिल हैं।

उन्नाव जिले के बिहार थानाक्षेत्र के खेसुआ गांव में बुधवार (25 दिसंबर 2024) को क्रिसमस प्रार्थना सभा के दौरान धर्मांतरण कराने की शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों पर केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि प्रार्थना सभा का आयोजन शारदा नाम की महिला ने किया था, जो स्थानीय जमीन पर कब्जा कर वहां धर्मांतरण गतिविधियां चला रही थी। ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो मारपीट की गई।

बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर सभा बंद कराई और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शारदा, उसके बेटों राहुल, अजय, विजय, आशीष और मनीष के साथ दो अन्य सहयोगियों रमेश और राजेश को गिरफ्तार किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के कटसरैया गांव में धर्मांतरण कराने के आरोप में पादरी एल्गिन सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन्हें गुरुवार (26 दिसंबर 2024) सुबह मनवा तिराहा से पकड़ा। पादरी पर उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन अधिनियम 2021 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि एल्गिन सिंह कई स्थानीय लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित कर रहा था। इस मामले में अन्य संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पादरी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

बालासोर जिले के गोबरधनपुर गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने तीन लोगों को धर्मांतरण के प्रयास के आरोप में पकड़कर पेड़ों से बांध दिया। आरोपों के मुताबिक, छनाखानपुर गांव के गोबिंद सिंह, मित्रपुर मखापड़ा गांव के सुबासिनी सिंह और मुखुरा पंचायत और रेमुना पुलिस सीमा के रेमुना मुखुरा के सुकांति सिंह ने कथित तौर पर आदिवासी परिवारों को धर्मांतरण के लिए तैयार किया था।

देबसेना की नीलगिरि शाखा के अध्यक्ष बादल कुमार पांडा ने कहा कि गोबिंद सिंह के घर पर भोजन की व्यवस्था थी, जिसमें मांस और चावल शामिल थे।

मेरी क्रिसमस वाक्यांश से सजा एक केक भी मिला, जिससे संदेह पैदा हुआ कि धर्मांतरण समारोह चल रहा था। ग्रामीणों को संदेह था कि आरोपित परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें पेड़ों से बाँध दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है।

सहारनपुर के नानौता क्षेत्र के ओलरी गांव में एक घर के अंदर धर्मांतरण गतिविधियों की सूचना पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने हंगामा किया। आरोप है कि मकान मालिक अपने बेटे के साथ मिलकर प्रलोभन देकर धर्मांतरण करवा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष दिग्विजय त्यागी ने आरोप लगाया कि एक घर में काफी संख्या में लोगों को एकत्रित कर प्रलोभन देते हुए धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहीं, थाना पुलिस ने बताया कि धर्मांतरण का मामला नहीं है। निजी कार्यक्रम था। आयोजकों को भविष्य में अनुमति लेकर कार्यक्रम करने की हिदायत दी गई है।

गौरतलब है कि देशभर में धर्मांतरण को लेकर बढ़ती घटनाएं प्रशासन और जनता के बीच गंभीर चर्चा का विषय बन गई हैं। स्थानीय संगठनों और पुलिस की सक्रियता से ऐसे मामलों में कार्रवाई हो रही है, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी जारी है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सतर्कता और पारदर्शिता जरूरी है, ताकि कानून का पालन सुनिश्चित हो और सामुदायिक तनाव न बढ़े। ऐसे में स्थानीय प्रशासन को भी चाहिए कि वो धर्मांतरण की गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान कर उनपर सख्त कार्रवाई करे।

संभल में जामा मस्जिद के सामने पुलिस चौकी का निर्माण

भूमि पूजन हुआ, सत्यव्रत चौकी होगा नाम

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल से सतर्क पुलिस-प्रशासन जामा मस्जिद के नजदीक पुलिस चौकी बनाने जा रहा है। पुलिस चौकी निर्माण के लिए आज भूमि पूजन हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचंद्र की मौजूदगी में पंडित शोभित शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन संपन्न कराया।

संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट है। अब जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण शुरू हो गया है। शुक्रवार को मस्जिद के पास खाली मैदान पर खुदाई करवाई गई। अब शनिवार सुबह में निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन कराया गया है। 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल से सतर्क हुए पुलिस-प्रशासन ने जामा मस्जिद के नजदीक पुलिस चौकी बनाने का निर्णय लिया।

यह पुलिस चौकी जामा मस्जिद के सामने स्थित मैदान में बनाई जा रही है। शुक्रवार को एएसपी के नेतृत्व में पुलिस चौकी के लिए जमीन की पैमाइश की गई। नगर पालिका की टीम ने नींव खुदाई शुरू की। संभल के जामा मस्जिद के पास निर्माणाधीन पुलिस चौकी का नाम सत्यव्रत पुलिस चौकी रखा जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि संभल के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यह नाम प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह चौकी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बनाई जा रही है। सत्यव्रत नाम संभल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के सम्मान को दर्शाता है।

हाल के दिनों में क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी के तहत यह चौकी भी तैयार की जा रही है।

इसी दौरान कुछ लोगों ने पहुंचकर अपनी पुश्तैनी जमीन होने का दावा किया। एसडीएम ने दावे को खारिज कर दिया है। जिस जमीन पर पुलिस चौकी का निर्माण हो रहा है वो जामा मस्जिद के नाम वक्फ जमीन में बनाया जाना है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से पुलिस चौकी का निर्माण कराया जा रहा है। एहतियाती तौर पर सुरक्षा 24 नवंबर से जामा मस्जिद के नजदीक है। इसी क्रम में अब पुलिस चौकी बनाई जा रही है।

24 नवंबर को हुए बवाल के बाद एहतियाती तौर पर चौकसी लगातार बरती जा रही है। इसी क्रम में अब शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। जिससे पूरे शहर में निगरानी की जा सके। डीएम ने बताया कि पालिका की ओर से सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके लिए अलग अलग स्थानों पर कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं। उधर, शुक्रवार को पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह ने बिलारी के राजा का सहसपुर स्थित अपने महल में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि लोग कह रहे थे कि चंदौसी में एक बावड़ी मिली है। बावड़ी तीन मंजिल की है, जो अनोखी चीज है। उत्तरी भारत में बहुत कम बावड़ी हैं। बावड़ी का ज्यादा रिवाज राजस्थान और गुजरात आदि में होता है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बावड़ी को अपनी बता रहे हैं। जो लोग ये कह रहे हैं उनसे वह परिचित नहीं हैं। जबकि सच्चाई ये है कि हमारे परिवार की बनाई हुई है। हमारे परिवार की मिल्कियत है। परिवार में दो लोग हैं। एक मैं और मेरी छोटी बहन। ये बात स्पष्ट करनी थी। राजा चंद्रविजय सिंह ने कहा कि हम ये चाहते हैं कि पुरातत्व विभाग इसे अपनी सुपुर्दगी में ले और उसका जीर्णोद्धार करे, ताकि यह चंदौसी वासियों के लिए एक अच्छा पर्यटन स्थल बने।

उन्होंने बताया कि बावड़ी के बारे में उन्होंने सुना था लेकिन ये नहीं मालूम था कि यहां दबी है। वहां जो कृष्ण निवास करके कोठी थी। वह हमारे बुजुर्ग राजा कृष्ण कुमार सिंह साहब ने बनवाई थी। वहां एक पत्थर भी लगा है। जिस पर कृष्ण निवास लिखा है। उसी कोठी परिसर में ये बावड़ी बनी है। प्रशासन पुराने रिकार्ड खंगाले तो सच सामने आ जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख कौशल किशोर वंदेमातरम् आदि भी थे।

संभल हिंसा में निकला बाटला हाउस कनेक्शन

बाटला हाउस से अदनान और रिहान गिरफ्तार

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में दिल्ली का कनेक्शन सामने आया है। पुलिस ने संभल हिंसा मामले में दिल्ली के बाटला हाउस से आरोपित अदनान और उसके साथी रिहान को गिरफ्तार किया है। आशंका है कि पुलिस से बचने के लिए कई दंगाई भागकर दिल्ली में आ छिपे हैं। पुलिस की दिल्ली के जामिया, ओखला, जफराबाद, सीलमपुर इलाकों पर विशेष नजर है।

अदनान का घर सपा सांसद जियाउर्रहमान के घर से 100 मीटर की दूरी पर है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अदनान को गिरफ्तार किया। अदनान पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ पुलिस पर पथराव और आगजनी की थी। उसके साथ ही रिहार को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि शरण देने वाले लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक, अदनान हिंसा के बाद दिल्ली के जामिया इलाके में अपने दोस्तों के साथ छिपा था। जांच में यह भी सामने आया कि हिंसा के बाद कई और दंगाई दिल्ली में छिपे हो सकते हैं, जिसके बाद पुलिस ने दिल्ली के ओखला, जफराबाद और सीलमपुर इलाकों में छापेमारी शुरू कर दी है। संभल हिंसा में दंगाइयों ने पुलिस पर पथराव किया और गाड़ियों में आग लगा दी थी। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए बल प्रयोग किया था। इस दौरान हिंसा में 5 लोगों की जान गई थी, तो वरिष्ठ अधिकारियों समेत कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे।

क्या आप जानते हैं?

- कागज का आविष्कार चीन के ली यैंग में रहने वाले साई लुन ने 105 ई. में पुराने काटे गए मछली पकड़ने वाले जालों से किया।
- मिस्र की नील नदी के किनारे बहुतायत में उगने वाले 'पपायरस' नामक पौधे के नाम पर 'पेपर' शब्द बना।
- 1690 में जर्मनी स्थित पेनसिल्वेनिया शहर में विलियम रिटेनहाऊस ने पहली पेपर मिल का निर्माण किया।
- पेड़ों की लकड़ी के गुद्दे से निकलने वाले सैलुलोस फाइबर से कागज बनाया जाता है।
- 793 ईस्वी में अन्य देशों को कागजा के बारे में पता चला।

मैथ्स की जानकार

आमतौर पर मधुमक्खियों को मेहनती होने के कारण जाना जाता है, लेकिन ये गणित में भी होशियार होती हैं। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पता लगाया है कि मधुमक्खियां एक ही नजर में नंबरों को पहचान सकती हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि मधुमक्खियां दो या तीन बिंदुओं के नमूने को आसानी से पहचान लेती हैं। साथ ही अगर उन्हें थोड़ी स्कूली शिक्षा भी दी जाए, तो तीन और चार की भी पहचान कर सकती हैं। अब वैज्ञानिक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मधुमक्खियां आधारभूत गणना कर सकती हैं। मधुमक्खियों के विभिन्न अंकों को पहचानने की क्षमता उन्हें परागों को ढूंढने में मददगार साबित हो सकती है, चाहे वे अपने छत्ते से कितनी ही दूर क्यों न हों। कबूतर, डॉल्फिन और बंदरों में भी नंबरों को पहचानने की क्षमता होती है।

>> जिज्ञासा

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

पैशन का पैराशूट

प्यारे बच्चो, आसमान में उड़ने की चाह सबके मन में होती है। आइए आज आपको पैराशूट और इससे जुड़े तथ्यों के बारे में बताएं...

आसमान में उड़ना अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। सदियों से मनुष्य की इच्छा आसमान में उड़ने की रही है। इसीलिए वह उड़ने की कई असफल कोशिशों के बाद आखिर उड़ने में सफल हो गया। उसने जहाज, रॉकेट आदि कई तरह के उपकरणों को बनाया। मगर खुले रूप में आसमान में उड़ने की ख्वाहिश वैसी की वैसी ही रही। आज हम आपको मानव की जिस खोज के बारे में बता रहे हैं, वह ऐसी है, जो शायद इसी ख्वाहिश को पूरा करती है। जी हां यह खोज है- पैराशूट। इसके माध्यम से खुले रूप में आसमान में उड़ने का आनंद लिया जाता है। पैराशूट के साथ उड़ने का अनुभव जहाज में उड़ने के अनुभव से बिल्कुल अलग तरह का है।

आज इसके बिना वायुसेना का कोई भी पायलट जहाज में नहीं बैठता, पर आपको बता दें कि यात्री विमानों में पायलटों के लिए के लिए पैराशूट का उपयोग करना मना है।

मगर पैराशूट की खोज इतनी आसानी से नहीं हुई। इसके लिए लोगों को बहुत मेहनत करनी पड़ी। यहां तक कि कुछ लोगों को तो अपनी जान तक से हाथ धोना पड़ा। तब कहीं जाकर पैराशूट का वर्तमान स्वरूप हमारे सामने आया। मगर इस खोज पर काम करने वाले लोगों में इतना पैशन था कि वह अपने काम से पीछे नहीं हटे।

कहते हैं सबसे पहला पैराशूट इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ल्युनार्दो दसी ने आज से लगभग 500 साल पहले बनाया था, बहुत से लोगों ने इस में सुधार किए और कई नए डिजाइन के पैराशूट बनाए। 1783 में एक फ्रांसीस डॉक्टर स्वास्तिन लनारमां ने लकडी के ढांचे पर कपडा डालकर पैराशूट बनाया और इसके द्वारा एक ऊंची ईमारत से छलांग लगाई, जिसको देखकर लोग हैरान रह गए।

सन 1797 में एक अन्य फ्रांसीसी आंद्रे गार्निरन ने हवा में उड़ते हुए गुबारे पर से पैराशूट द्वारा छलांग लगाने का प्रदर्शन किया। यह कारनामा पैरिस के हजारों लोगो ने देखा। जब गार्निरन का गुब्बारा 3000 फुट की ऊंचाई पर पहुंचा, तो वह रस्सी काट दी गई, जिससे पैराशूट गुब्बारे के साथ बंधा हुआ था। रस्सी के कटते ही पैराशूट तेजी से धरती की ओर आया यह भयानक दृश्य देखकर बहुत से कमजोर लोग के स्त्री पुरुष बेहोश हो गए। लोगों का विचार था कि गार्निरन का पैराशूट नीचे गिर जाएगा और उसकी हड्डीपसली एक हो जाएगी, पर जैसे ही पैराशूट में हवा भरी गई, वह धीरे-धीरे धीमी गति से नीचे उतर आया। 24 जुलाई 1837 को रॉबर्ट काकिंग ने लन्दन के बॉक्स हाल गार्डन में पैराशूट की उड़ान का प्रदर्शन किया। उसने पैराशूट को एक गुबारे के नीचे बांधा और गुबारे को गैस द्वारा हवा में उड़ा दिया। वह स्वयं पैराशूट की टोकरी में खडा था। लोग खुशी से तालियां बजा रहे थे। पांच हजार फुट की ऊंचाई पर पहुंचकर उसने पैराशूट को गुबारे से अलग कर दिया। दुर्भाग्य से पैराशूट का लकड़ी का ढांचा हवा के दबाव से टूट गया और राबर्ट धरती पर गिरकर मर गया। पर मनुष्य हार कहां मनाता है, एक आविष्कार फेल हो जाए, तो दूसरे की खोज में लगा जाता है। वह अपनी हर असफलता से सफलता की सीढ़ी तलाश करता है। इस दुर्घटना के 15 महीने बाद ही एक अंग्रेज हेम्टन ने एक हल्का-फुल्का पैराशूट बनाया। वह इससे हवा में उड़ा और फिर एक उड़ते गुबारे से सफलता पूर्वक नीचे उतर आया।

लकड़ी के ढांचे पर कपड़ा डालकर बनाए जाते थे। फान टासल ने सूती कपड़े की एक छतरी बनाई। उसका यह पैराशूट बहुत लोकप्रिय हुआ। कुछ समय के बाद सूती कपड़े की बजाय रेशमी कपड़े का इस्तेमाल किया जाने लगा, जिससे यह अधिक मजबूत और अधिक हल्का हो गया। अमरीका का एक सैनिक कैप्टन एलबर्ट बेरी पहला व्यक्ति था, जिसने पैराशूट के द्वारा विमान से छलांग लगाई। उसका विमान 55 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ रहा था। यह घटना 1912 की है। उन दिनों जहाज की नई-नई खोज हुई थी और उसकी गति भी बहुत धीमी हुआ करती थी।

पैराशूट के द्वारा अभी तक धरती पर उतरना एक खेल ही समझ जाता था। लोगों के दिमाग में अब तक यह विचार नहीं आया था कि इससे पायलटों को भी मुसीबत के वक्त बचाया जा सकता है। सन 1914 में पहला महायुद्ध शुरू हुआ, तो उसमें बमवर्षा के लिए जहाजों का भी इस्तेमाल किया गया। इसके 21 साल बाद जब दूसरा महायुद्ध हुआ, तो इसमें जहाज चालकों ने पैराशूट का उपयोग किया और इस प्रकार हजारों पायलट मौत के मुंह में जाने से बच गए। अब पैराशूट नायलोन के बनाए जाते हैं। यह बहुत हलके-फुल्के और मजबूत होते हैं। अब इनसे कई तरह के काम लिए जाते हैं। युद्ध आदि के दौरान पैराशूट द्वारा शत्रु के प्रदेश में सेना उतारी जाती है, इसको छाता सेना कहते हैं। इसके अलावा जरूरत के समय गोला-बारूद और खाने-पीने का सामान भी पैराशूट से सेना के मोर्चों में गिराया जाता है। तेज गति से चलने वाले जहाजों को हवाई अड्डे में रोकने के लिए भी पैराशूट का उपयोग किया जाता है। जब इस प्रकार का कोई जहाज धरती पर उतरता है, तो पीछे का पैराशूट खुल जाता है और उसमें हवा भर जाती है। जिससे विमान की गति काम हो जाती है। इस तरह उसको ब्रेक लगाकर आसानी से रोका जा सकता है। अंतरिक्ष यात्री जिस कैप्सूल में बैठकर धरती पर उतारते हैं, उसमें भी पैराशूट लगा होता है। यदि यह न हो, तो कैप्सूल धरती पर गिरकर टुकड़े-टुकड़े ही हो जाए।

>> बाल कविता

चूहा और बिल्ली

इक चूहे नें बिल्ली पाली।
आधी पीली आधी काली।

पीती दूध और खाए मलाई
अच्छी लगती उसे मिठाई।

मैगी नूडल्स पिज्जा बर्गर।
बातें करती वो फर्र-फ़र्र।

करती वो दिन भर आराम।
नहीं आती वो किसी के काम।

चूहे नें कुछ दिन की सेवा।
दिया मलाई फल और मेवा।

खाकर बिल्ली हो गई मोटी।
हुई चूहे पर नियत खोटी।

पलक झपकते पकड़ के खाया
अपना ही तो दांव गंवाया।

अब न मिलती रोटी सूखी।
दिन भर रहती बिल्ली भूखी।

सूख के हो गई दुबली-पतली।
दिख गया अपना चेहरा असली।

अपनी करनी का फल पाया
बिल्ली नें सब-कुछ गंवाया।

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें—

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- (शुक्र ग्रह)- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आ सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- (मंगल ग्रह) - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का च कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफ़ान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमेट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

थायराइड की रोकथाम

वे दिन गए जब प्रकृति और प्रकृति गौण उत्पाद अनमोल संपत्ति होते थे, जब किसान गोवर और प्राकृतिक उर्वरकों का प्रयोग करते थे, जब बर्तन मिट्टी के होते थे, जब भोजन मलमल में लपेटा जाता था, जब सूरज की रोशनी और प्राकृतिक रंग द्वारा ब्लीच और रंगाई की जाती थी, जब संचार का मतलब था व्यक्तिगत बातचीत, जब मिट्टी और चिकनी मिट्टी से सफाई होती थी, और गुलाब और मोगरा ही इतर थे।

यह कृत्रिम काल है, रेयान और एक्रिलिक, कीटनाशकों और प्लास्टिक, रसायन और रंजक, कंप्यूटर और मोबाइल का युग। संक्षेप में, यह एंडोक्राइन असंतुलन का युग है।आपने शायद ही कभी थायराइड, माइग्रेन, दमा आदि बीमारियों और शरीर में शैंपू, शॉवर जैल, क्रीम-लोशन आदि रासायनिको के सेवन का संयोग बनाया होगा। इसलिए आप निरंतर इन पदार्थो के प्रयोग से अपने शरीर को विकृति की ओर ले जा रहे है।

थियो कबोर्न, पीएचडी, पर्यावरणीय स्वास्थ्य विश्लेषक (एंडोक्राइन विघटन एक्सचेंज, कोलोराडो) बताते हैं कि कैसे उपर्युक्त स्रोतों से रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर हमारे हार्मोन के साथ हस्तक्षेप करते है। यह हार्मोन शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों को नियंत्रित करते है जैसे विकास, तनाव, यौन विकास, चयापचय, बुद्धि आदि।

थायराइड का रोग, अंत: स्रावी प्रणाली का एक हिस्सा है, यौगिक स्तर पर आकाश तत्व के असंतुलन के रूप में देखा जाता है। शारीरिक स्तर पर, यह हाइपो-थयरोडिस्म या हाइपर-थयरोडिस्म के रूप मे शरीर की चयापचय की प्रक्रिया को असंतुलित करता है। वजन में अचानक परिवर्तन, हल्के बाल, सुस्ती या घबराहट, कर्कश आवाज, त्वचा

परिवर्तन, असामान्य मासिक धर्म प्रवाह, आदि इसके कुछ लक्षण हैं।

थायराइड की जड़ पर अक्सर भावनात्मक अशांति, अतिक्रियशीलता और रसयनिको का सेवन होते हैं, जो प्राणमय कोष में प्राणों के मुक्त प्रवाह में अवरोध उत्पन्न करते है। थायराइड का सम्बन्ध विशुद्धि चक्र में खेद से है। सनातन क्रिया आधुनिक मनुष्य के लिए एक आरोग्यजनक अभ्यास है जो भावनात्मक और शारीरिक तनाव की नित्य चुनौतियों से निपटने में सहायक है, इसमें विशुद्धि को सशक्त करने की कुछ क्रियाओं का उल्लेख है।

1. हलासन : पीठ के बल लेट जाएं। साँस लेते हुए धीरे-धीरे दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों पैरों को सिर के पीछे लगाने की कोशिश करें। सहारे के लिए हथेलियों को पीठ के निचले हिस्से में या हाथों से पैर की उंगलियों को छुआ जा सकता है ।

2. कंधारासन : पीठ के बल लेट जाएं, घुटनों को मोड़कर तलवों को कूल्हे के करीब ज़मीन पर टिकाएं। हाथों से एड़ियों को पकडे। जमीन पर मजबूती से कंधे और सिर को जमाते हुए कूल्हों और पीठ को उठाये जब तक की पीठ पूरी तरह से धनुषाकार ले ले। फिर अपनी ठोड़ी को सीने से स्पर्श करें ।

जो लोग पेट के रोगों और रीढ़ की हड्डी की परेशानियों से ग्रस्त हैं, उनके लिए यह आसन उपयुक्त नहीं है।

आयुर्वेद में थायराइड ग्रंथि की सक्रियता के लिए प्रतिदिन वर्जिन नारियल तेल के 3 से 4 बड़े चम्मच का सेवन नियत है।

-अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

हम बताएं, आप बनाएं

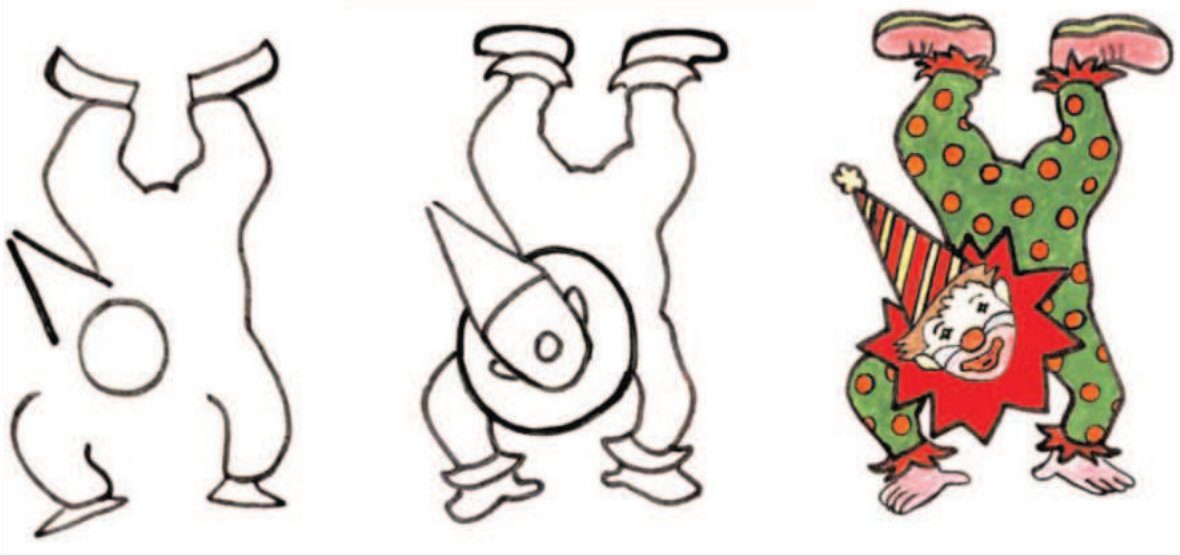

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया।

सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया।

खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी का फासीवाद विरोधी दलों से एक होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने आज सुबह मुक्ति संग्राम की भावना के साथ आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं की आकांक्षाओं से प्रेरित एक नया बांग्लादेश बनाने के लिए सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दलों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने यह तकरीर राजधानी के सुहरावर्दी उद्यान में आयोजित खिलाफत मजलिश के 12वें जनरल काउंसिल सत्र में की। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, डॉ. रहमान ने बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश 2024 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नए बांग्लादेश में सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होंगे। जमात प्रमुख ने अफसोस जताते हुए कहा, पिछले डेढ़ दशक में मुल्क के इस्लामी विद्वानों को अभूतपूर्व स्तर पर अन्याय और प्रतिशोध का शिकार होना पड़ा है। खिलाफत मजलिश में विभिन्न इस्लामी राजनीतिक संगठनों के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता को सीआईडी ने तलब किया

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे बेटे योशिता राजपक्षे को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया है। उनसे कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में पूछताछ की जानी है। सीआईडी के अधिकारी 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज कर चुके हैं। सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। सीआईडी ने योशिता को पूछताछ के लिए 3 जनवरी को तलब किया है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे साल 2016 से किसी न किसी मामले में जांच का सामना कर रहे हैं। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (एफसीआईडी) ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी श्रीलंका के स्पोर्ट्स, लाइफ स्टाइल और बिजनेस टेलीविजन चैनल कार्ल्टन स्पोर्ट्स नेटवर्क (सीएसएन) में कथित फर्जीवाड़े पर की गई थी। योशिता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के प्रवक्ता रोहन वेलिविता को भी हिरासत में लिया गया था। इस मामले में उन्हें कोलंबो हाई कोर्ट ने 14 मार्च, 2016 को जमानत प्रदान की थी।

काठमांडू में सेंट जोसेफ हाईस्कूल का नया नाम होगा गुरुकुलम, 20 विद्यालयों के नाम बदले गए

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेन शाह के विदेशी नाम वाले स्कूलों के नाम बदलने के सालभर पुराने आदेश पर अमल शुरू हो गया। काठमांडू महानगर पालिका ने 20 स्कूलों के स्वदेशी नाम रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नए शैक्षिक सत्र से इन विद्यालयों को परिवर्तित नामों से जाना जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, सेंट जोसफ हाईस्कूल को गुरुकुलम, सेंट लुईस स्कूल को विद्या सदन, कोलंबस इंटरनेशनल को मेधाश्री, सन साइन इंग्लिश बोर्डिंग को सूर्य किरण विद्यालय, इंटरनल लाइट को वेदश्री विद्यालय, किंग्स जॉर्ज को संपदा विद्यालय, न्यू नालेज स्कूल को नवज्ञान विद्यालय, सेंट टॉडलार्स को समर्पण विद्या सदन, डिवाइन वर्ल्ड इंटरनेशनल को दिव्य ज्ञान विद्या सदन,हार्मोनी मांटेसरी को कल्पवृक्ष शिक्षा सदन, गोल्डन गार्डन स्कूल को स्वर्णिम वाटिका और हार्टलैंड स्कूल को हृदय निकेतन के नाम से जाना जाएगा। काठमांडू महानगर पालिका ने बाकी स्कूलों को 35 दिन का समय दिया है। मेयर शाह का कहना है कि अगर इन स्कूलों ने इस अवधि में नाम परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी नहीं की तो अगले शैक्षिक सत्र से उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

रूस ने यूक्रेन के एक एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया

मॉस्को, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस ने जापोरिजिया क्षेत्र में यूक्रेन के एक एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह विमान रूसी ठिकानों पर मिसाइल हमला करने की तैयारी कर रहा था। रूसी संघ के सार्वजनिक चैंबर के संप्रभुता, देशभक्ति परियोजनाओं और दिग्गजों के लिए समर्थन आयोग के अध्यक्ष व्लादिमीर रोगोव ने बताया, एफ-16 विमान क्षेत्र पर मिसाइल हमला करने की स्थिति में था, और तभी विमान को मार गिराया गया। कहा जा रहा हैं कि अगर यह सच है, यह यूक्रेन के लिए एफ-16 फाइटिंग फाल्कन का दूसरा नुकसान होगा।

इस साल अगस्त में रूसी मिसाइल हमले में यूक्रेन का पहला एफ-16 फाइटिंग फाल्कन क्रैश हो गया था, जिसमें पायलट ओलेक्सी मेस की मौत हुई थी। यूक्रेनी सेना का दावा है कि दुर्घटना का कारण दुश्मन के मिसाइल हमले का सीधा परिणाम नहीं था। सेना कहा कि यूक्रेनी पायलट ने रूस के बड़े हमले में तीन क्रूज मिसाइलों और एक ड्रोन को नष्ट कर दिया। हालांकि, रूस ने दावा किया था कि उसके हमलों के कारण यूक्रेन का पहला एफ-16 क्रैश हुआ था।

खबरों के अनुसार यूक्रेन को वादा किए गए बेल्जियम के एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए उम्मीद से ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा, जिन्हें शुरू में इस साल के अंत तक आने की योजना थी। नई रिपोर्ट से पता चलता है कि डिलीवरी की समयसीमा में देरी हो गई है, क्योंकि अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमानों की पहली यूनिट अब 2025 तक आने की संभावना नहीं है।

मई में, यूक्रेन और बेल्जियम ने एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 30 अमेरिकी निर्मित एफ-16 लड़ाकू विमानों का प्रावधान शामिल था। उस समय, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने उम्मीद जाहिर की थी कि पहला बैच 2024 के अंत तक आ जाएगा। हालांकि, यह समयसीमा अब संभव नहीं है।

बेल्जियम के रक्षा मंत्री लुडिविन डेडॉन्डर ने 2025 के लिए बेल्जियम सेना के संचालन की समीक्षा करने के लिए पिछले सप्ताह पोलैंड का दौरा किया, जिसके दौरान यह स्पष्ट हो गया कि यूक्रेन को एफ-16 की डिलीवरी इस साल नहीं होगी। बेल्जियम के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, देरी कई कारकों से हुई है, मुख्य रूप से पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित यूक्रेनी पायलटों की कमी और स्पेयर पार्ट्स की कमी।

अमेरिकी की थार्ड का पहला शिकार, इजराइल पर दागी हूती मिसाइल को टारगेट से पहले गिराया

तेल अवीव। अमेरिकी टर्मिनल हाई-एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थार्ड) ने इजराइली की जमीन पर पहला शिकार किया। थार्ड ने इजराइल पर दागी गई हूतियों की मिसाइल को टारगेट पर लगने से पहले ही मार गिराया। इस हमले को नाकाम करने में इजराइली एरो सिस्टम का योगदान रहा। थार्ड सिस्टम को अक्टूबर में अपने 100 सदस्यीय चालक दल के साथ इजराइल में तैनात किया गया था। अमेरिका ने इसे ईरान के हमले को रोकने और इजराइल को सुरक्षा प्रदान करने के लिए भेजा था। मीडिया रिपोर्ट में सोशल मीडिया पर प्रकाशित एक वीडियो में अमेरिकी सैनिकों में से एक को यह कहते हुए सुना गया है कि मैंने इसके लिए 18 साल इंतजार किया है। अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने थार्ड एयर डिफेंस सिस्टम को विकसित किया है। इसका प्राथमिक उद्देश्य उड़ान के अंतिम चरण में छोटी और मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना है। यह इजराइल की एरो-3 डिफेंस सिस्टम के बराबर है। थार्ड बिना किसी वारहेड के हिट-टू-किल तकनीक का इस्तेमाल करता है। ऐसे में यह सिस्टम खतरनाक मिसाइल से टकराव से उत्पन्न तेज ऊर्जा पर निर्भर करता है। सिस्टम का रडार दो हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी पर मिसाइलों और विमानों का पता लगा सकता है और उन्हें ट्रैक कर सकता है, जिससे 200 किलोमीटर तक की रेंज में और 150 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर मिसाइलों को रोकना संभव है। शुक्रवार सुबह तड़के दागी गई हूतियों की मिसाइल को इजराइली क्षेत्र को पार करने से पहले ही रोक दिया गया। अमेरिका ने इजराइल के साथ अरबों डॉलर के हथियार सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं और देश में सैन्य बुनियादी ढांचे को उन्नत करने की योजना बना रहा है, जिसमें दक्षिणी इजराइल में एक बेस और एयरक्राफ्ट फैसिलिटी शामिल हैं। पेंटागन ने इजराइल में थार्ड सिस्टम तैनात करने की घोषणा में कहा कि यह कार्रवाई इजराइल की रक्षा और में अमेरिकियों को ईरान द्वारा किए जाने वाले किसी भी बैलिस्टिक मिसाइल हमले से बचाने के लिए अमेरिका की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन के निधन पर जताया शोक

वाशिंगटन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

कहा-भारत-अमेरिका संबंध किए मजबूत, वह सच्चे राजनेता, दयालु और विनम्र व्यक्ति थे

भारत के पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक प्रकट किया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक बयान जारी किया, जिसमें बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं भारत के लोगों के साथ भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच आज जो अभूतपूर्व सहयोग है, वह मनमोहन सिंह की रणनीतिक दृष्टि और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं होता। अमेरिका और भारत सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट से लेकर इंडो-पैसिफिक साझेदारों के बीच पहले क्वाड की शुरुआत तक मनमोहन सिंह ने ऐसी ऐतिहासिक प्रगति की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया जो हमारे देशों और दुनिया को आने वाली पीढ़ियों तक मजबूत बनाए रखेंगी। बाइडेन ने मनमोहन सिंह को एक सच्चे राजनेता, एक समर्पित सार्वजनिक सेवक और एक दयालु और विनम्र व्यक्ति बताया है। उन्होंने मनमोहन के साथ अपनी व्यक्तिगत मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि मुझे 2008 में सिनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में और 2009 में उपराष्ट्रपति के रूप में उनके आधिकारिक राज्य दौरे के दौरान मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर मिला था। 2013 में उन्होंने मेरा नई दिल्ली में ससम्मान स्वागत किया। हमने उस समय अमेरिका-भारत संबंध को मजबूत करने के लिए चर्चा किया था।

बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं पूर्व प्रथम महिला गुरशरण कौर उनके तीनो बच्चों और भारत के सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मनमोहन सिंह को 1991 में नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान किए गए ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया और लाइसेंस राज को समाप्त कर दिया। पीएम के रूप में डॉ मनमोहन सिंह ने देश को परिवर्तनकारी बदलावों के एक दशक के दौरान नेतृत्व किया, जिससे उनका कार्यकाल जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद कांग्रेस के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबा बन गया। उनके नेतृत्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, आरटीआई और आरटीई जैसे ऐतिहासिक कानूनों की शुरुआत की।

विरोध प्रदर्शन

प्राग में लोग क्रिस्टल गार्डन लाइट एंड ग्लास प्रदर्शनी में चमकते हुए ग्लास फ्लावर इंस्टलेशंस को देखते हुए।

चीन ने अपने सबसे विशाल युद्धपोत का नाम सिचुआन को लांच किया

बीजिंग, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

चीन ने अब तक के अपने सबसे विशाल टाइप 076 एम्फीबियस अटैक शिप को लांच किया है। इस युद्धपोत का नाम सिचुआन है। यह लॉन्चिंग चीन के छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान की पहली उड़ान के बाद की गई है। 27 दिसंबर को लांच जहाज को वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का सबसे बड़ा जहाज बताया जा रहा है। आकार में यह भारतीय नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर के जैसा है।

हालांकि, यह युद्धपोत इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लांच सिस्टम (ईएमएएलएस) से लैस है, जिनका इस्तेमाल एयरक्राफ्ट कैरियरों में भारी विमानों को लांच करने के लिए होता है।

चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के नाम पर बने जहाज को शंघाई के चांगक्सिंग द्वीप पर स्थित हुडोंग-झोंगहुआ शिपयार्ड में औपचारिक रूप से लांच किया गया। लांच समारोह में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलए नेवी) के उच्च पदस्थ अधिकारी, सिचुआन प्रांतीय सरकार के प्रतिनिधि, चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन (सीएसएससी) के अधिकारी और परियोजना पर काम करने वाले डिजाइनर और निर्माण कर्मी शामिल हुए।

पीएलए नेवी के बयान के अनुसार, सिचुआन में 40,000 टन से अधिक का पूर्ण विस्थापन है। वहीं भारत का नया एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत का पूर्ण विस्थापन 45000 टन है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक है, जिसमें ट्विन आइलैंड सुपरस्ट्रक्चर और अरेस्टिंग गियर के साथ उन्नत इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट शामिल हैं, जो फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट को लांच और रिकवरी करने में सक्षम बनाता है। यह जहाज फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट, हेलीकॉप्टर और एम्फीबियस उपकरणों के संयोजन को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है और उम्मीद है कि यह चीन की समुद्री रक्षा रणनीति में एक प्रमुख युद्धपोत के रूप में काम करेगा।

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति असद के समर्थकों की धरपकड़ तेज

दमिश्क, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया से भागकर रूस में शरण लेने वाले अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक नेताओं और अधिकारियों की धरपकड़ का अभियान आज शुरू किया गया। सीरिया में नियंत्रण पा चुके हयात तहरीर अल-शाम के सदस्य इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इन लोगों के हाथ में सीरिया के सैन्य विभाग की कमान है। इस अभियान के दौरान झड़पों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सूत्रों के हवाले से कहा कि सैन्य विभाग ने अपदस्थ राष्ट्रपति के समर्थकों और अधिकारियों को पकड़ने के लिए आज देश के लताकिया गवर्नरेट में व्यापक अभियान शुरू किया। इस दौरान लताकिया के मस्तराखू गांव में इन लोगों के साथ झड़पें हुई हैं। इसके बाद लताकिया के ग्रामीण इलाके में स्थित हमीमिम बेस के आसपास

चौकियां स्थापित की गईं। इस बेस के आसापस रूसी सुरक्षाबल पहले से मौजूद हैं।

सैन्य विभाग ने होम्स, टार्टस और सफिता में अपना ढांचा मजबूत किया है। उत्तर-पश्चिमी हामा ग्रामीण इलाके के हलफया शहर से अपदस्थ शासन के दर्जनों समर्थकों को गिरफ्तार किया है। देश के पूर्व में स्थित दीर एज-जोर के ग्रामीण इलाके में सीरियाई-इराकी सीमा पर अल्बुकामल शहर में सैन्य विभाग के लड़ाकों की ईरान समर्थक 47वीं रेजिमेंट के आतंकियों के बीच झड़पें हुई हैं। इसमें दो आतंकी घायल हो गए। छह को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान मशीनगन और गोला-बारूद जब्त किया गया। अल्बुकमल देहात के सुकारिया शहर में ईरान समर्थक इस रेजिमेंट का एक हथियार डिपो भी मिला है।

इस अभियान के दौरान दीर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-अशरा शहर में ईरान समर्थक गुटों के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इनमें अंतर अल-अहमद उर्फ अबू अल-गैदा भी है। डेर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-मयादीन शहर से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हमजा अल-ओलायन और अहमद अल-खलौफ प्रमुख हैं। इससे पहले मसयाफ शहर और कुदसाया से अपदस्थ शासन के 80 से अधिक अधिकारियों और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

काबुल में लगातार दूसरे दिन विस्फोट एक दिन पहले भारतीय दूतावास के पास हुए धमाके पर तालिबान ने साधी चुप्पी

काबुल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की राजधानी में शनिवार सुबह 10 बजे शेख जायद अस्पताल के सामने धमाका हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहां विस्फोट हुआ वह जगह आंतरिक मंत्रालय के कार्यालय के नजदीक थी। काबुल में यह 24 घंटे के भीतर दूसरा विस्फोट है। पहला धमाका एक दिन पहले काबुल के शाहरी नव इलाके में भारतीय दूतावास के पास हुआ था। अफगान सरकार ने इस घटना पर चुप्पी साधी हुई है।काबुल के स्थानीय निवासी समीउल्लाह ने बताया, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। विस्फोट के पीछे का मकसद अभी तक अज्ञात है। घटना के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।इससे पहले शुक्रवार को दोपहर करीब 3:30 बजे काबुल के शाहरी नौ इलाके में स्थित भारतीय दूतावास के पास स्थानीय लोगों ने विस्फोट की आवाज सुनी। अफगान तालिबान शासन ने इस घटना पर चुप्पी साधे रखी। हालांकि, रिपोर्टों से पता चला है कि विस्फोट में कम से कम 17 लोग हताहत हुए हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डीओर पुरस्कार की आलोचना कहा – विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

दुबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डीओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।

इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डीओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2–1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।

बैलन डीओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का पुरस्कार भी दिया गया।

ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डीओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डीओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया।

पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं। यही कारण है कि मुझे ग्लोब सॉकर अवार्ड्स पसंद हैं, वे ईमानदार हैं। पिछले सीजन में रियल मैड्रिड के लिए ब्राजील के विंगर ने अटैकिंग फ्रंट पर मार्गदर्शन किया था। उन्होंने रियल मैड्रिड को यूईएफए चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने में मदद की। वह सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल के साथ रियल मैड्रिड के लिए शीर्ष स्कोरर थे। हालांकि, ब्राजील के साथ उनका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा जैसा उन्होंने उम्मीद की थी। विनीसियस ब्राजील की उस टीम का हिस्सा थे जो उरुग्वे के खिलाफ क्वार्टर फाइनल चरण में कोपा अमेरिका से बाहर हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

संतोष ट्रॉफी : सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज से, मणिपुर से भिड़ेगा केरल

हैदराबाद। 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल की लाइन-अप पूरी हो गई है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद केरल, सर्विसेज, पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार, को सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज के साथ दोपहर ढाई बजे और उसके बाद शाम साढे सात बजे केरल का सामना मणिपुर से होगा। शुक्रवार को खेले गए पिछले दो क्वार्टर फाइनल में, फुटबॉल की दिग्गज टीम केरल ने जम्मू और कश्मीर के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए 1–0 से जीत हासिल की और 31वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि गत चैंपियन सर्विसेज ने मेघालय को 2–1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में, केरल ने आखिरकार 73वें मिनट में नसीब रहमान के गोल के जरिए जम्मू और कश्मीर को 1–0 से हराया।

खो खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंनें कहा कि खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया उत्तर प्रदेश में खो खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

न्यूजीलैंड ने पहले टी20 में श्रीलंका को 8 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई। डेरिल मिचेल के 62 और माइकल ब्रेसवेल 59 के अर्धशतकों की सहायाता से मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को पहला टी20 मुकाबला जीतने के साथ ही सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। इसके बाद खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 8 विकेट पर 164 रन ही बना पायी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंकाई टीम इस मैच में एक समय जीत की ओर बढ़ रही थी और उसेन 121 रन पर केवल एक विकेट खोया था लेकिन इसके बाद मेजबान टीम के गेंदबाज जैकब डफी ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी ढ़हा दी। श्रीलंकाई टीम ने दबाव के कारण अंतिम 40 गेंदों में ही 8 विकेट खो दिए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही टिम रॉबिन्सन 11 और रचिन रवींद्र 8 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद मार्क चैपमैन 15 तो ग्लेन फिलिप्स 8 रन बनाकर आउट हुए। आधी टीम 65 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद डेरिल मिचेल ने माइकल ब्रेसवेल के साथ 100 रनों से ज्यादा की साझेदारी कर टीम का स्कोर 172 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम अच्छी शुरुआत के बाद भी जीत नहीं पायी। श्रीलंका की ओर से पाथुम निसांका और कुसल मेंडिस ने अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़े। निसांका ने 90 जबकि मेंडिस ने 46 रन बनाए।

मेलबर्न टेस्ट

तीसरे दिन का खेल खत्म, नीतीश के शतक की बदौलत भारत 9 नौ विकेट पर 358 रन बनाए

भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 116 रन पीछे

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है।

भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए।

नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने दिलाई वापसी-

221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 3, स्कॉट बोलैंड ने 3 और नाथन लियोन ने 2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन-

स्मिथ का शतक इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

महिला एशेज से बाहर हुईं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली – उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी। यह देखना अभी बाकी है कि वह एशेज में यह जिम्मेदारी संभालती हैं या नहीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की परफॉरमेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, एलिसा हीली को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए देखना सुखद था और वह अच्छी लय में दिखीं, साथ ही कई बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई सीरीज से अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया वोल को भी एशेज सीरीज के लिए पहली बार बुलाया है, क्योंकि उसने भारत के खिलाफ तीन मैचों में 173 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल है। हीली के बाहर होने के बाद उसे भारत सीरीज के लिए शामिल किया गया था। फ्लेगलर ने कहा, हालांकि जॉर्जिया वोल न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेली, लेकिन उसने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की है और अपनी पहली एशेज सीरीज में जरूरत पड़ने पर वह बल्लेबाजी के लिए मजबूत विकल्प होगी। 12 से 17 जनवरी तक वनडे और 20 से 25 जनवरी तक टी20 मैचों के बाद, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड 30 जनवरी से एमसीजी में एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेलेंगे। यह इस स्थल पर पहला डे-नाइट मैच होगा और 1948-49 के बाद से यहां पहला महिला टेस्ट होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक इस टेस्ट के लिए टीम की घोषणा नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया टीम (वनडे और टी20): एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस (केवल टी20), अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन स्कट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

स्नूकर मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट

मकाओ में स्नूकर मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में इंग्लैंड के रोनी ओ सुविलियन शॉट खेलते हुए।

प्रीमियर लीग : इप्सविच को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

लंदन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

आर्सेनल शुक्रवार को घरेलू मैदान पर संघर्षरत इप्सविच टाउन को 1–0 से हराकर प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

लिआंड्रो ट्रॉसार्ड के क्रॉस के बाद काई हैवर्टज़ का 23वें मिनट में किया गया टैप-इन, खेल का निर्णायक बिंदु साबित हुआ, जिसमें आर्सेनल ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा, इप्सविच ने खेल के दौरान केवल तीन शॉट ही लगाए, जिनमें से कोई भी निशाने पर नहीं लगा।

हैवर्टज़ ने आर्सेनल की बढ़त को दोगुना करने का मौका गंवा दिया, जबकि गेब्रियल जीसस के एक गोल को ऑफसाइड के कारण रद्द किया गया। अन्य मैचों में ब्राइटन और ब्रेंटफ़ोर्ड का मैच गोल रहित ड्रा रहा। गुरुवार को लिवरपूल ने लीसेस्टर सिटी को घरेलू मैदान पर 3–1 से हराकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली, जबकि फुलहम ने चेल्सी को 2–1 से हराकर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर 45 वर्षों में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने टोटेनहैम को 1–0 से हराकर अपना शानदार सत्र जारी रखा है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड की समस्याएं जारी हैं, क्योंकि उसे वोल्वरहैम्पटन वांडरर्स से 2–0 से हार का सामना करना पड़ा, जो इस जीत के साथ अंतिम तीन से बाहर आ गया है।

पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया, फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से होगा सामना

पुणे, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32–28 से हराया।

पाइरेट्स ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली। मैट पर आखिरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरुआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15 मिनट के बाद उनकी बढ़त 12–8 के अंतर तक पहुंच गई। हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने

विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरुआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27–27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया।

एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली।

इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई।

दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया।

हालांकि, इसके डिफेंस ने पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट को रोकने के लिए संघर्ष किया, खासकर पहले हाफ में, जो अंततः हार का एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ।

पटना स्थित इस टीम ने मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया और 12 टैकल पॉइंट अर्जित किए। लेफ्ट-कॉर्नर डिफेंडर शुभम शिंदे ने डिफेंसिव प्रयासों में पांच अंक का योगदान देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाइरेट्स अब अपने चौथे पीकेएल खिताब के लिए प्रयास करेंगे जब उनका सामना रविवार को ग्रैंड फिनाले में हरियाणा स्टीलर्स से होगा।

डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए 'उपयुक्त' उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है।

अकाशा एयर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने शुक्रवार को पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। विमान नियामक डीजीसीए ने जारी अपने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागर विमानन से जुड़े हुए प्रावधानों का 'अनुपालन' सुनिश्चित करने में 'विफल' रहे हैं।

डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में किए गए नियामकीय लेखा-परीक्षण में पाया गया है कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिम्यूलेटर पर आयोजित किया जा रहा है, जो इसके लिए योग्य नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि डीजीसीए ने अकासा एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को क्रमशः 15 और 30 अक्टूबर को कारण बताओ नोटिस भेजा था। आरोपित अधिकारियों द्वारा भेजे गए जवाब को 'असंतोषजनक' पाते हुए डीजीसीए ने उन्हें छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है।

न्यूज ब्रीफ

देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पोस्ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है। मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान कोयला का उत्पादन अनंतिम 988.32 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 7.66 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

रिलायंस ने कार्किनोस हेल्थकेयर का 375 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी ने प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म कार्किनोस का 375 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स (आरएसबीवीएल) ने जरूरी शेयरों के आवंटन के साथ कर्किनोस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि आरएसबीवीएल ने हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 375 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑन्कोलॉजी केंद्रित हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 24 जुलाई, 2020 को भारत में शामिल किया गया था। यह प्लेटफॉर्म कैंसर का शीघ्र पता लगाने, निदान और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में है। इसका वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार लगभग 22 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि ये कंपनी कैंसर का जल्दी पता लगाने और प्रभावी उपचार से संबंधित सेवाएं देती है, जिनकी कीमत मौजूदा दरों से काफी कम है। इसके बावजूद कंपनी अच्छा लाभ कमा रही है। कंपनी ने दिसंबर 2023 तक लगभग 60 अस्पतालों के साथ साझेदारी की है।

बजट में मिडिल क्लास को मिल सकती है बड़ी राहत, 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी बजट में मिडिल क्लास को राहत देने के लिए इनकम टैक्स दरों में

कटौती करने की योजना बना रही है। हालांकि, टैक्स छूट किस सीमा तक दिया जाएगा इसका निर्धारण अभी नहीं हुआ है। इस पर आखिरी फैसला 1 फरवरी 2025 को बजट पेश किए जाने से पहले लिया जाएगा। अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मिडिल क्लास को राहत देने के लिए केंद्र सरकार आगामी बजट 2025-26 में 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों के लिए इनकम टैक्स में कटौती कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के इस कदम का मकसद धीमी विकास दर के बीच अर्थव्यवस्था में कंजम्पशन को बढ़ावा देना है। देश के कई बड़े जानकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नागरिकों पर आर्थिक बोझ को कम करने के लिए इनकम टैक्स के रेट्स में कटौती करने भी आग्रह किया है। पीएम मोदी ने नीति आयोग की एक बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स से मुलाकात कर आगामी बजट के लिए उनके विचार और सुझाव सुने। बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स ने कथित तौर पर सरकार को आगामी बजट में इनकम टैक्स में कटौती, कस्टम ड्यूटी को रेशनलाइज करने और निर्यात को समर्थन देने के उपायों को शामिल करने का सुझाव दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तब कहां थे ...

संसदीय दल की बैठक में मनमोहन सिंह को सांसदों की कड़ी नाराजगी झेलनी पड़ी। यहां तक कि कांग्रेस पार्टी के अखबार नेशनल हेराल्ड ने भी उनकी नीतियों को मिडिल क्लास विरोधी बताया। यह मनमोहन की दृढ़ता ही थी कि उन्होंने देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए अपमान का यह कड़वा घूंट पी लिया।

साल 2004 में जब सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाईं तब विवशता में विनम्र औह सहिष्णु मनमोहन सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। तब देश के लोगों को उम्मीद थी कि यह एक स्वतंत्र प्रधानमंत्री का कार्यकाल होगा। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी। मनमोहन सिंह को कई अहम फैसलों में नजरअंदाज किया गया। द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर किताब के मुताबिक, वे वित्त मंत्रालय खुद रखना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस हाईकमान के दबाव में यह मंत्रालय पी. चिदंबरम को दिया गया। प्रधानमंत्री होते हुए भी उन्हें अक्सर पार्टी के निर्देशों का पालन करना पड़ता था।

साल 2012 में जब मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने संसद के बाहर, हजारों जवाब से अच्छी मेरी खामोशी है, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी... शेर सुनाकर सुर्खियां बटोरी थीं। वैसे, आज जब सोनिया गांधी डॉ. मनमोहन सिंह के निधन को निजी क्षति बता रही हैं, तब जाने क्यों ये तस्वीर और ऐसे वो तमाम लेख सामने आ रहे हैं, जिसमें सोनिया गांधी के सुपर पीएम और डॉ मनमोहन सिंह के कठपुतली होने के बारे में लिखा होता था।

साल 2013 में मनमोहन सिंह सरकार ने सजायाफ्ता अपराधियों को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए एक अध्यादेश लाने का फैसला किया। यह अध्यादेश कैबिनेट से पारित हो चुका था। लेकिन राहुल गांधी ने इसे सरेआम बकवास कहकर सार्वजनिक स्थान पर फाड़ डाला था। राहुल के इस काम और बयान ने न केवल मनमोहन की सरकार को शर्मिंदा किया, बल्कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई। कहा जाता है कि मनमोहन सिंह इस घटना से इतने आहत हुए कि उन्होंने इस्तीफा देने का मन बना लिया था, लेकिन अंततः उन्होंने पद पर बने रहकर देश की स्थिरता को प्राथमिकता दी। डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यकाल इस बात का प्रतीक बन गया कि किस तरह सत्ता का केंद्र कहीं और होता है और प्रधानमंत्री केवल एक प्रतीक बनकर रह जाता है। 10 साल तक देश का नेतृत्व करने वाले मनमोहन को उनके निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा गया। द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और अन्य कई किताबों व संस्मरणों ने इस बात को उजागर किया कि 10 जनपथ (सोनिया गांधी का आवास) से मनमोहन सरकार को नियंत्रित किया जाता था।

आज कांग्रेस पार्टी मनमोहन सिंह को महानायक बता रही है। लेकिन इतिहास यह नहीं भूल सकता कि वही पार्टी, जिसने उन्हें प्रधानमंत्री बनाया, कई बार उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने का भी कारण बनी। इन कलंकों के बावजूद उन्होंने देश के विकास के लिए काम किया और कई महत्वपूर्ण नीतियां लागू करने में अहम भूमिका निभाई। मनमोहन सिंह के जीवन की इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि वे न केवल एक कुशल अर्थशास्त्री और समर्पित राजनेता थे, बल्कि अपमान सहने और देशहित में काम करते रहने की मिसाल भी थे। साल 2013 में राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे और सुर्खियां बटोरने के लिए काफी मचल रहे थे। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और अपनी ही सरकार द्वारा कैबिनेट से पारित एक अध्यादेश की कॉपी फाड़ने का हॉरर-शो प्रस्तुत किया। यह बिल तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह की कैबिनेट ने स्वीकृत किया था, लेकिन राहुल गांधी ने कंप्लीट नॉनसेंस कहा था।

राहुल गांधी की इस हरकत से मनमोहन सिंह खफा हो गए थे, तब उस समय के योजना आयोग के उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया से पूछा क्या मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए? मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने अपनी किताब बैकस्टेज: द स्टोरी बिहाइंड इंडियाज हाई ग्रोथ इयर्स में खुद इसका खुलासा किया था। मनमोहन सिंह के सवाल पर अहलूवालिया ने जवाब दिया कि उन्हें नहीं लगता कि इस मुद्दे पर इस्तीफा देना उचित होगा।

आज कुछ ऐसे भी दल हैं जो कांग्रेस के साथ खड़े होकर डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रुदालियां गा रहे हैं, उन्होंने भी डॉ. मनमोहन सिंह का अपमान कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। साल 2012 में उद्धव ठाकरे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का मजाक उड़ाते हुए उन्हें मोम का पुतला कहा था। महंगाई के मुद्दे पर उन्होंने कहा था, पिछले 7-8 साल से हम देख रहे हैं कि उनमें और मोम के पुतले में ज्यादा फर्क नहीं है। एक साल बाद ही साल 2013 में उद्धव ठाकरे ने मनमोहन सिंह को हिजड़ा कहकर उनकी आलोचना की थी। साल 2017 में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था, मुझे नहीं लगता कि देश ने कभी इतना कमजोर प्रधानमंत्री देखा है। उन्होंने यह भी बयान दिया था कि मनमोहन सिंह को अपनी पार्टी (कांग्रेस) से भी सम्मान नहीं मिला।

नरसिम्हा राव...

2004 में उनके निधन के समय कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उनके पार्थिव शरीर को पार्टी मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए नहीं रखा गया। यहां तक कि उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में करने की अनुमति भी नहीं दी गई और उनके परिवार को मजबूरन उनका पार्थिव शरीर हैदराबाद ले जाना पड़ा।

डॉ. मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रहे डॉ. संजय बारू ने अपनी किताब द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में इस घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि नरसिम्हा राव को गांधी परिवार के प्रभाव से बाहर होने के कारण पार्टी में कभी स्वीकार नहीं किया गया। यह केवल नरसिम्हा राव या प्रणब मुखर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेताओं के साथ भी पार्टी ने ऐसा ही व्यवहार किया। शास्त्री जी, जो देश के दूसरे प्रधानमंत्री थे और जिनका जय जवान, जय किसान का नारा आज भी लोगों के दिलों में बसा है, को भी पार्टी के भीतर वह स्थान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के परिजन भी यह सवाल उठा रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके अंतिम संस्कार तक में उनका अपमान करने से बाज नहीं आई, उनके स्मारक के निर्माण की मांग करना तो दूर की बात रही।

कांग्रेस की राजनीति हमेशा से गांधी परिवार के प्रति वफादारी पर आधारित रही है। जिन नेताओं ने परिवार के प्रति अपनी निष्ठा नहीं दिखाई, उन्हें पार्टी के भीतर हाशिये पर डाल दिया गया। प्रणब मुखर्जी का उदाहरण इसका प्रमाण है। दशकों तक कांग्रेस में अपनी सेवाएं देने और देश के राष्ट्रपति पद तक पहुंचने के बावजूद उनके निधन पर पार्टी ने शोक सभा तक आयोजित नहीं की। यह विडंबना ही है कि जिस पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को उचित सम्मान नहीं दिया, वह आज डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक की मांग कर रही है।

भाजपा ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि यह विडंबना है कि जो पार्टी अपने ही नेताओं को उचित सम्मान नहीं दे सकी, वह अब स्मारकों की राजनीति कर रही है। केसवन ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी का इतिहास अपने गैर-वफादार नेताओं की उपेक्षा से भरा पड़ा है।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद जिस तरह से कांग्रेस ने स्मारक की मांग की, उससे यह सवाल उठता है कि क्या यह कदम वास्तव में उनके योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है या फिर एक राजनीतिक रणनीति? कांग्रेस का इतिहास यह दर्शाता है कि पार्टी ने हमेशा गांधी परिवार को प्राथमिकता दी है। जिन नेताओं ने गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा नहीं दिखाई, उन्हें या तो अनदेखा कर दिया गया या फिर पार्टी से बाहर कर दिया गया।

डॉ. मनमोहन सिंह, जिन्होंने देश के प्रधानमंत्री रहते हुए कई महत्वपूर्ण नीतियां बनाई और भारत को वैश्विक मंच पर स्थापित किया, का योगदान निस्संदेह प्रशंसनीय है। लेकिन उनके निधन के बाद स्मारक की मांग करने वाली पार्टी को यह भी सोचना चाहिए कि उसने अन्य नेताओं के साथ कैसा व्यवहार किया है। हालाँकि मोदी सरकार ने कहा है कि डॉ मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद उनका स्मारक बनाने के लिए जगह की पहचान की जाएगी, सरकार ने कभी नहीं कहा कि वो डॉ मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह नहीं देगी।

वैसे, यहां एक बात बताना जरूरी है कि साल 2013 में डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए ही कांग्रेस की सरकार ने एक नियम बनाया था कि राजघाट पर अब किसी पूर्व प्रधानमंत्री को जगह नहीं दी जाएगी और न ही नया स्मारक बनाया जाएगा। पीवी नरसिम्हा राव का उदाहरण सबसे प्रासंगिक है। आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले राव को कांग्रेस ने हमेशा हाशिये पर रखा। यह केवल उनके निधन के समय तक सीमित नहीं था, बल्कि उनके जीवनकाल में भी पार्टी ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। वहीं, मोदी सरकार ने नरसिम्हा राव का न सिर्फ स्मारक बनवाया, बल्कि उन्हें पूरा सम्मान भी दिया।

इसी तरह प्रणब मुखर्जी, जिन्होंने दशकों तक पार्टी की सेवा की और देश के वित्त मंत्री, विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए देश की नीतियों को आकार दिया, को भी गांधी परिवार के प्रति वफादारी न दिखाने के कारण अनदेखा किया गया। उनकी बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने यह आरोप लगाकर इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। कांग्रेस को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। पार्टी को यह समझना होगा कि केवल गांधी परिवार के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति लंबे समय तक उसे जिंदा नहीं रख सकती। डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक की मांग करना एक सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन इसे केवल दिखावे के लिए करना पार्टी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। क्योंकि देश की जनता अब जागरूक हो चुकी है और राजनीतिक पाखंड को समझने लगी है।

सैन्य कार्रवाई में ...

तालिबान ने इन हमलों को सही ठहराते हुए कहा कि यह उनकी रक्षा और अफगान विरोधी ताकतों को खत्म करने के लिए जरूरी था। तालिबान के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खोवाराज़मी ने साफ-साफ कहा, हम इसे पाकिस्तान का क्षेत्र नहीं मानते। यह हमारी सैन्य कार्रवाई का हिस्सा था। तालिबान डूरंड लाइन को काल्पनिक रेखा मानता है, जिसे 19वीं सदी में अंग्रेजों ने खींचा था। यह सीमा अफगानिस्तान और पाकिस्तान को अलग करती है, लेकिन तालिबान इसे कभी स्वीकार नहीं करता।

तालिबान ने कहा कि उनकी सैन्य कार्रवाई 26 दिसंबर को उनके इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से की गई बमबारी का जवाब है। अफगानिस्तान के अधिकारियों का दावा है कि सीमा के उस पार बने ठिकानों पर कार्रवाई जरूरी थी क्योंकि ये अफगान विरोधी ताकतों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे थे। पाकिस्तानी फ़ौज के इन हमलों में अफगानिस्तान के 46 लोगों की मौत हुई थी।

इन हमलों में अब तक 19 पाकिस्तानी फौजियों की मौत का दावा किया जा रहा है। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अभी आना बाकी हैं। तालिबान की इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। गौरतलब है कि डूरंड लाइन को लेकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच दशकों से विवाद जारी है। तालिबान इसे मानने से इंकार करता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान का कहना है कि डूरंड लाइन के उस पार के क्षेत्र को वह पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानता। बहरहाल, यह हमला सीमा विवाद को और गहरा कर सकता है और अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

भाजपा ने कांग्रेस...

नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए सरकार उन्हें उचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिन्होंने देश के आर्थिक विकास के लिए एक प्रमुख नींव रखी। इसी के मद्देनजर कल कैबिनेट ने अपनी बैठक में फैसला किया कि मनमोहन सिंह की याद में एक स्मारक बनाया जाएगा और इस बात से कांग्रेस पार्टी को अवगत करा दिया गया।

उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताया कि सरकार ने एक स्मारक बनाने का फैसला किया है और भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि के हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद जितना समय लगेगा, वह उचित रूप से और जल्द से जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने अपने जीवनकाल में कभी डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं किया। आज उनके निधन के बाद राजनीति कर रही है। मैं देश को याद दिलाना चाहता हूं कि डॉ. मनमोहन सिंह नेहरू गांधी परिवार से बाहर देश के पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 10 साल तक पीएम का पद संभाला था। कम से कम आज दुख की इस घड़ी में राजनीति से बचना चाहिए। जहां तक हमारी सरकार का सवाल है, पीएम मोदी की सरकार ने दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर सभी नेताओं को सम्मान दिया है।

जेड प्लस सुरक्षा...

जानबूझकर और राजनीतिक कारणों से एसपीजी सुरक्षा वापस ली गई है। जबकि केंद्र सरकार ने कहा था, खतरा कम या ज्यादा होने से सुरक्षा की श्रेणी तय होती है, न कि व्यक्ति विशेष को देखकर उसका निर्धारण किया जाता है। जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, इंद्र कुमार गुजराल, पीवी नरसिम्हा राव और डॉ. मनमोहन सिंह की एसपीजी सुरक्षा वापस ली गई तो इनमें से किसी ने भी ऐतराज नहीं जताया था। पूर्व प्रधानमंत्रियों के अलावा इनकी पार्टी की ओर से भी विरोध की आवाज नहीं सुनाई पड़ी।

वर्ष 2004 से लेकर 2013 तक गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा पर करीब 18 सौ करोड़ रुपए खर्च हुए थे। 2019 में एसपीजी संशोधन विधेयक पारित हुआ था। तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि वे जो संशोधन लेकर आए हैं, उसके तहत एसपीजी सुरक्षा सिर्फ प्रधानमंत्री और उनके साथ आवास में रहने वालों के लिए ही होगी। सरकार द्वारा आवंटित आवास पर रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री और उनके परिवार को भी 5 साल की अवधि तक एसपीजी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब डॉ. मनमोहन सिंह की सुरक्षा बदली गई, तब भी किसी ने हल्ला नहीं किया। चिंता करने के दो मापदंड आखिर क्यों। गांधी परिवार की सुरक्षा हटाई नहीं गई है, बल्कि उसे बदला गया है। अब उन्हें सीआरपीएफ की जेड प्लस सुरक्षा, एएसएल और एम्बुलेंस के साथ दी गई है। एसपीजी का गठन 1985 में बनी एक कमेटी के आधार पर हुआ था। 1985-88 तक एसपीजी एक अधिशासी आदेश के तहत काम करती रही। 1988 में एसपीजी के लिए एक कानून बनाया गया। इसके बाद साल 1991, 94, 99 और 2003 में एसपीजी सुरक्षा एक्ट में संशोधन किया गया।

लश्कर आतंकी...

हमला और 2018 में गुरेज हमले में उसकी संलिप्तता पाई गई थी। इन हमलों में सैकड़ों निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई। मक्की लश्कर-ए-तैयबा और उसकी राजनीतिक शाखा जमात-उद-दावा का प्रमुख सदस्य था। वह भारत में आतंक फैलाने के लिए युवाओं को बरगलाकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करता था। जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग, हमलों की योजना और युवाओं की भर्ती में उसकी अहम भूमिका थी।

अब्दुल रहमान मक्की आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद का चचेरा भाई और सगा बहनोई था। यह रिश्ता उसे संगठन में ऊपरी जगह दिलाने में सहायक रहा। अमेरिका और भारत ने उसे मोस्ट वांटेड आतंकवादी घोषित किया था। 2023 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया था। इसके तहत उसकी संपत्तियां जब्त कर ली गईं, यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया, और हथियारों की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई। इससे पहले चीन ने इस प्रस्ताव पर तकनीकी रोक लगाई थी, लेकिन वैश्विक दबाव के कारण उसे यह रोक हटानी पड़ी।

मक्की की सबसे बड़ी करतूतों में शामिल था 2000 का लाल किला हमला, जिसमें तीन लोग मारे गए थे। इसके अलावा, 26/11 मुंबई हमले में उसकी भूमिका ने उसे भारत के इतिहास में सबसे बड़े दुश्मनों में शुमार कर दिया। इस हमले में 175 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। मक्की की मौत भले ही राहत की बात हो, लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठनों का नेटवर्क आज भी सक्रिय है। मक्की जैसे आतंकियों की जगह लेने वाले और भी लोग हो सकते हैं। भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

बलात्कार के बाद...

नामों का खुलासा अवश्य कर दिया था। उन्होंने बयान में बताया कि राजीबुर, उस्मान समेत अन्य ने उनके साथ बलात्कार किया और उन्हें जहर दिया।

मृतक महिला की बेटी ने आरोप लगाया है कि उसकी मां की हत्या करने से पहले मुस्लिम कट्टरपंथियों ने उन्हें खूब प्रताड़ित किया।

बहरहाल, इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद की सरकार के तख्तापलट के बाद से इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी बीएनपी सत्ता में आई। उसके साथ सहयोगी के तौर पर जेहादी संगठन जमात ए इस्लामी भी सामने आया। जमात ए इस्लामी खुलेआम हिंदुओं के हत्या की बात करता है। सरकार के समर्थन के कारण कट्टरपंथी बेखौफ होकर हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं।

वार्षिक राशिफल 2025

10. मकर राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि यह वर्ष आपके लिए औसत परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने कार्यों को पूरा करने के लिए कड़े परिश्रम करने पड़ेंगे। साल की शुरुआत में गुरु मकर राशि के पंचम भाव में गोचर करेगा। मई से गुरु मकर राशि वालों के छठे भाव से गोचर करेगा। अक्टूबर से दिसंबर तक गुरु मकर राशि वालों के सप्तम भाव से गोचर करेगा। दिसम्बर से गुरु फिर से छठे भाव में गोचर करेगा। साल की शुरुआत आपके लिए शानदार रहेगी। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। विवाहित जोड़ों के लिए यह साल बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आपको संतान पक्ष से जुड़ी कोई बहुत ही बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। साल आपको पुरानी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में अच्छा खासा मददगार बन सकता है। ऐसी समस्याएं जिन्हें आप लंबे समय से दूर नहीं कर पाए थे, उनके दूर होने के योग बनेंगे। घर परिवार में चल रही अशांति भी अब शांत हो जाएगी। यदि आप नौकरी इत्यादि में परिवर्तन करने की कोशिश करेंगे तो परिवर्तन भी संभव रहेगा। व्यापार व्यवसाय में भी परिवर्तन किया जा सकेगा। किसी नए व्यवसाय की शुरुआत भी संभव होगी। आप मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। आपके निर्णय लेने की क्षमता और मजबूत होगी। बीच-बीच में कहीं से अच्छे समाचार भी सुनने को मिल सकते हैं। इन सबके बावजूद भी मई के बाद आर्थिक और पारिवारिक मामले में जागरूक रहना समझदारी का काम होगा। क्योंकि मार्च के बाद से भले ही शनि का प्रभाव दूसरे भाव से दूर हो रहा है लेकिन मई के बाद से राहु का प्रभाव शुरू हो जाएगा। अतः समस्याएं तुलनात्मक रूप से काफी हद तक काम हो जाएगी लेकिन छोटे-मोटे व्यवधान अब भी रह सकते हैं, विशेषकर आर्थिक और पारिवारिक मामलों में। अतः इन मामलों में सचेत रहना समझदारी का काम होगा। मई मध्य से पहले का समय प्रेम प्रसंग के लिए अनुकूल रहेगा। विवाह और वैवाहिक जीवन से संबंधित मामलों के लिए भी अनुकूलता दे सकेगा लेकिन मई मध्य के बाद इन मामलों के लिए समय कम सपोर्ट कर पाएगा। विद्यार्थियों के लिए सामान्य तौर पर पूरा वर्ष ही किसी न किसी तरह से मददगार बनता रहेगा।

कैरियर – यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी जिसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। आप अपनी मेहनत और सकारात्मक रवैये से ही अपने जीवन में अच्छी तरक्की कर पाएंगे। इस साल आप कठिन से कठिन परिस्थितियों से भी उभर सकेंगे। आपको अच्छे काम का इनाम भी मिलेगा यानि आपके काम को पहचान मिलेगी। लोग आपको आपके काम से जानेंगे। कार्यस्थल पर आप अपनी एक अलग छाप बनाने में कामयाबी हासिल करोगे। साल के शुरुआती महीने आपके करियर को चमकाने का काम करेंगे। आपको एक से बढ़कर एक नए अवसर मिलेंगे जिनका आप पूरा लाभ पाने में सफल रहोगे। नौकरी से जुड़े मामलों में भी इस वर्ष आप तुलनात्मक रूप से बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। खासकर मार्च महीने के बाद नौकरी से जुड़े मामलों में ज्यादा अच्छे परिणाम मिल सकेंगे। मार्च के बाद किया गया बदलाव ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकेगा। यदि आप नौकरी में परिवर्तन करना चाह रहे हैं तो मार्च के बाद का समय ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकेगा। बृहस्पति का गोचर मई महीने के मध्य भाग तक पंचम भाव में रहेगा, यह सकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनवाएगा। फलस्वरूप आपको आपके कार्यालय में काम करने में आनंद आएगा। इसका प्रभाव आपकी नौकरी पर पड़ेगा और आपका प्रदर्शन अच्छा होने के साथ-साथ आप अपनी जॉब को इंजॉय कर सकेंगे।मकर राशिफल 2025 के अनुसारमई महीने के मध्य के बाद मेहनत अपेक्षाकृत अधिक करनी पड़ सकती है। हालांकि तब भी नौकरी में सामान्य तौर पर अनुकूलता बनी रहेगी। कोई बड़ी परेशानी के योग नहीं है लेकिन कुछ लोग प्रद्वंदी की तरह व्यवहार कर सकते हैं। दूसरे भाव पर शुरू हुआ राहु का प्रभाव भी कुछ ऐसी बातें बोलने को प्रेरित कर सकता है जिसका नकारात्मक असर आपकी नौकरी पर पड़ सकता है। अतः मई के बाद लोगों के साथ संबंधों को बेहतर करने की कोशिश तुलनात्मक रूप से अधिक मात्रा में करनी जरूरी रहेगी, तब जाकर परिणाम अच्छे मिल सकेंगे।

आर्थिक स्थिति – आर्थिक मामलों में यह वर्ष आपको एवरेज या एवरेज से कुछ बेहतर परिणाम भी दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक धन का कारक बृहस्पति लाभ भाव को देखेगा। फलस्वरूप अच्छा लाभ दिलवाने में मददगार बनेगा। वहीं मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति छठे भाव में चले जाएंगे। हालांकि बृहस्पति की यह स्थिति कमजोर कही गई है लेकिन नवम दृष्टि से धन भाव पर दृष्टि डालने के कारण संचित धन की रक्षा करने में बृहस्पति मददगार बनेंगे अथवा उस समय की कमाई के अनुरूप आप बेहतर बचत कर सकेंगे लेकिन हो सकता है की कमाई करवाने में बृहस्पति ज्यादा मददगार न रहे। यानी कि इस वर्ष धन के कारक बृहस्पति की स्थिति सामान्य तौर पर धन के मामले में अनुकूल रहने वाली है लेकिन साल की शुरुआत से लेकर मार्च तक शनि की स्थिति और बाद में राहु की स्थिति धन भाव पर अनुकूल नहीं है। अतः धन बचाने के लिए अधिक प्रयत्न करने होंगे। इन सभी स्थितियों को मिलाकर देखें तो बृहस्पति धन के मामले में सकारात्मक परिणाम देगा, जबकि शनि और राहु थोड़े से कमजोर परिणाम दे सकते हैं। ऐसे में बृहस्पति का प्रभाव विजयी रह सकता है और आप कुछ सावधानियों को रखने के पश्चात आर्थिक मामले में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। वर्ष की शुरुआत आपके लिए शुभ रहेगी। आपको अच्छी मात्रा में धन कमाने को मिलेगा। आपको अपने करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते मिलेंगे। आपके प्रयास आपको सफलता दिलाने में मदद करेंगे। आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी और आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। इस साल आप कुछ न कुछ करके अच्छी मात्रा में धन कमा ही लोगे। बिजनेस से जुड़े लोगों को नए कार्यों में हाथ आजमाने का मौका मिलेगा। आप पॉजिटिविटी के साथ अपने जीवन की हर समस्या, हर मुश्किल को आसानी से काबू कर लेंगे। आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी। साल के मध्य भाग में आकर आपको कुछ आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपका धन बेवजह खर्चों में जाया होगा। आपको सुझाव है की जहां

जरूरत हो वहीं पैसा लगाएं नहीं तो आपको आर्थिक तंगी का अनुभव हो सकता है।

परिवार – साल में आप परिवारिक मामलों में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। भले ही साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक शनि का गोचर दूसरे भाव में रहे लेकिन बाद के समय में शनि आपको काफी राहत देने का काम कर सकते हैं क्योंकि दूसरे भाव के स्वामी शनि साल की अधिकांश समय आपके लिए अनुकूल रहेंगे। अतः पारिवारिक मामलों में अनुकूलता का ग्राफ बढ़ेगा। हालांकि मई के बाद से राहु का गोचर दूसरे भाव में होने के कारण बीच-बीच में कुछ गलतफहमियां देखने को मिल सकती हैं। आपस में एक दूसरे को समझ पाने में असमर्थ होने के कारण कुछ मनमुटाव भी देखने को मिल सकता है लेकिन कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी बल्कि पुरानी और जटिल समस्याएं धीरे-धीरे करके दूर होने लग जाएगी। वहीं गृहस्थ संबंधी मामलों की बात की जाए तो इस मामले में भी आपको इस वर्ष तुलनात्मक रूप से राहत मिलती हुई प्रतीत हो रही है। शनि की तीसरी दृष्टि का प्रभाव मार्च के बाद से आपके चतुर्थ भाव से समाप्त हो जाएगा जो गृहस्थ संबंधी मामलों में अनुकूलता देने वाली स्थिति कही जाएगी। अर्थात घर गृहस्थी को लेकर पिछले दिनों से आप जिस परेशानी से घिरे हुए थे वह परेशानी अथवा वो परेशानियां आप दूर होंगी और आप गृहस्थ जीवन का बेहतर आनंद इस वर्ष ले सकेंगे। इस वर्ष आपका दामपत्य जीवन बहुत सुखमय रहेगा लेकिन फरवरी सर अप्रैल तक का समय जीवनसाथी को शारीरिक कष्ट दे सकता है। विवाह योग्य जातकों का विवाह भी इस वर्ष होगा। साल का दूसरा हिस्सा विशेष कर मई महीने के मध्य भाग के बाद का समय तुलनात्मक रूप से कमजोर रह सकता है। वहीं वैवाहिक जीवन की बात की जाय तो इस मामले में शनि का गोचर अनुकूल परिणाम देना चाह रहा है जबकि बृहस्पति का गोचर साल के पहले हिस्से में अनुकूल परिणाम देना चाह रहा है। वहीं बाद के समय में बृहस्पति प्रत्यक्ष रूप से कोई मदद नहीं कर पाएगा। इस तरह से हम कह सकते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा लेकिन दांपत्य संबंधी मामलों में जागरूकता की भी जरूर रहने वाली है। अर्थात असामंजस्य से बचने की प्रैक्टिकल कोशिश भी जरूरी रहेगी। ऐसा करने की स्थिति में आप दांपत्य जीवन का बेहतर आनंद ले सकेंगे।

प्रेम – रोमांस – यह साल बहुत ही शानदार साबित होगा। आपके निजी जीवन में खुशियों की बरसात होगी। वैवाहिक जीवन के लिए यह साल बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आपको जीवन के हर क्षेत्र में अपने जीवनसाथी का साथ मिलेगा। पिछले साल आपके बीच जो कम्यूनिकेशन गैप चल रहा था वो इस साल खत्म हो जाएगा। आप एक दूसरे से खुल कर अपने दिल की बात करोगे और एक दूसरे को समझने का प्रयास करोगे। आपके संबंधों में मधुरता आएगी। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप कई सारे सामाजिक कार्यों का हिस्सा बनेंगे। वहीं बात करें लव-बर्ड्स की तो आपके लिए साल की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। आपकी ज़िंदगी में सच्चे प्यार की तलाश इस साल खत्म होगी। आपको अपने सपनों का हमसफ़र इस साल मिल सकता है। आप इश्क की खुमारी में डूबे-डूबे से रहोगे। आपको ज़िंदगी खूबसूरत लगने लगेगी और आप इसके हर पल को खुल के जीने लगोगे। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर छठे भाव में हो जाएगा और पंचम भाव पर शनि की दृष्टि लगातार बनी रहेगी जो एक दूसरे के मन में बेरुखी के भाव पैदा कर सकती है। आप छोटी-छोटी बातों को लेकर जिद करने लग सकते हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव आपकी लव लाइफ पर पड़ सकता है। ऐसे में आपको इस तरह के स्वभाव से बचने की जरूरत रहेगी। यदि आप एक दूसरे के प्रति अच्छे भाव रखेंगे, छोटी-छोटी बातों का बतंगड़ नहीं बनाएंगे तो पंचम भाव के स्वामी शुक्र का गोचर साल के अधिकांश समय अनुकूल परिणाम देने का संकेत कर रहा है। ऐसी स्थिति में कर्म और भाग्य के संगम से आप अपनी लव लाइफ को एंजॉय कर सकते हैं।

शिक्षा – साल सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक उच्च शिक्षा का कारक बृहस्पति पंचम भाव में रहकर भाग्य भाव और प्रथम भाव को देखेंगे। जो न केवल उच्च शिक्षा बल्कि प्राथमिक शिक्षा में भी सहायक बनेंगे बल्कि धर्म-कर्म की शिक्षा लेने वाले अर्थात वेद और शास्त्र की शिक्षा लेने वाले लोगों के लिए भी यह गोचर बहुत अच्छे परिणाम देना चाहेगा। आपकी मेहनत की अनुरूप आपको अच्छे लाभ मिलेंगे। आपकी बुद्धि और विवेक दोनों पूरी तरह से जागृत रहेंगे। फलस्वरूप आप अपनी विषय वस्तु में काफी अच्छा कर सकेंगे। घर से दूर रह विद्यार्थी भी अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर छठे भाव में हो जाएगा। छठे भाव में बृहस्पति के गोचर को सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम देने वाला नहीं कहा गया है। इसके बावजूद भी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। विदेश में अथवा घर से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी भी अच्छा कर सकेंगे। बुध का गोचर साल के अधिकांश समय आपके फेवर में होने के कारण भी आप अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। इस तरह से हम कह सकते हैं कि यदि आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहा और अपनी विषय वस्तु पर फोकस करने का प्रयास भी किया तो सामान्य तौर पर इस वर्ष आप अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

स्वास्थ्य – इस साल आपको सेहत के मिले-जुले परिणाम देखने को मिलेंगे। साल की शुरुआत आपकी सेहत को लेकर एकदम शानदार रहेगी। आप खुद को एकदम एक्टिव महसूस करोगे। इस साल आप अपनी सेहत को सजग बनाने के हर प्रयास करेंगे। आप अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से संतुष्ट रहेंगे। इस साल अच्छी आदतों का पालन करें जो आगे चलकर आपको हेल्दी रहने में मददगार साबित हो। यह वर्ष आपके लिए भाग दौड़ भरा रहेगा। आपको काम के साथ-साथ अपने निजी रिश्तों पर भी ध्यान देना होगा। अगर आपके निजी रिश्ते ठीक नहीं रहेंगे तो इनका सीधा असर आपकी सेहत पर भी देखने को मिल सकता है। आपको मानसिक तनाव हो सकता है या आपका माइग्रेन, सिरदर्द, बीपी आदि की समस्या हो सकती है। इसलिए आपको अपने दिमाग पर अत्यधिक लोड नहीं देना है और खुद को टेंशन फ्री रखना है। टेंशन करने से आपकी सेहत पर इसका नेगेटिव असर देखने को मिलेगा। आपको अपने गुस्से पर भी कंट्रोल करना सीखना होगा नहीं तो आपको स्ट्रेस हो सकता है। योग, मेडिटेशन आपको तनाव से लड़ने में मदद करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर सब कुछ ठीक रहे यह जरूरी नहीं है लेकिन पिछले साल या पिछले सालों की तुलना में यह वर्ष काफी अच्छा रह सकता है। विशेषकर मार्च के बाद जब शनि ग्रह का प्रभाव आपके दूसरे भाव से दूर हो जाएगा। इसके बाद से आपका प्रथम भाव और भी मजबूती के साथ अनुकूल स्थिति में रहेगा। यही कारण है कि आपका स्वास्थ्य बेहतर होगा। हालांकि खानपान पर संयम बनाए रखने की आवश्यकता इस वर्ष भी रहेगी। मई के बाद से आपके दूसरे भाव पर राहु का प्रभाव शुरू हो जाएगा जो आपके खान-पान को असंयमित कर सकता है। बृहस्पति का गोचर मई महीने के मध्य भाग तक स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छे परिणाम देना चाह रहा है। बाद के परिणाम तुलनात्मक रूप से कमजोर रह सकते हैं। इस तरह से हम पाते हैं कि इस वर्ष स्वास्थ्य सामान्य तौर पर अच्छा रहेगा लेकिन बीच-बीच में छोटी-मोटी विसंगतियां रह सकती हैं, जिन्हें आप उचित खान-पान और उचित रहन-सहन के माध्यम से नियंत्रित कर सकेंगे। फिर भी मुख, पेट, गुप्तांगों और सीने के आसपास से संबंधित तकलीफ है जिन्हें पहले से हैं उन्हें इस वर्ष भी सावधानी पूर्वक निर्वाह करने की आवश्यकता रहेगी।

ज्योतिष उपाय – शनिवार के दिन जरूरतमंद लोगों को कंबल दान कर सकते हैं। शनि चालीसा का पाठ करें। गौमाता को हरा चारा और थोड़ा सा गुड़ खिलाएं तथा चीटियों को आटा डालें। उड़द की दाल के पकोड़े सरसों के तेल में तल कर गरीबों को खिलाएं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रविवार के दिन तुलसी से जुड़ी न करें ये गलतियां, वरना कंगाली से होगा सामना

हिंदू धर्म में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। जगत के पालनहार भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है। रोजाना विधिपूर्वक तुलसी पूजा करने से जातक पर हमेशा धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

माना जाता है कि घर में तुलसी का पौधा सही दिशा में लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और तुलसी पूजा के नियम का पालन जरूर करना चाहिए। माना जाता है कि नियम का पालन न करने से जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

तुलसी पूजा के नियम

रविवार और एकादशी के दिन तुलसी के पत्ते भूलकर भी नहीं तोड़ने चाहिए। माना जाता है कि इस गलती को करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

सूर्यास्त होने के बाद तुलसी के पौधे को नहीं छूना चाहिए। इससे दोष लगता है।

तुलसी के पौधे के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि मां लक्ष्मी का वास साफ-सफाई वाली जगह पर होता है।

पूजा के दौरान तुलसी के पौधे लाल कपड़ा चढ़ाना शुभ माना जाता है। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

पूजा के दौरान तुलसी को सिंदूर लगाएं और फूल अर्पित करें।

अंत में मां तुलसी को विशेष चीजों का भोग लगाएं।

तुलसी के उपाय

अगर आप वैवाहिक जीवन खुशहाल चाहते हैं, तो मां तुलसी को सुहाग की सामग्री अर्पित करें। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन हमेशा खुशहाल बना रहता है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। साथ ही मां तुलसी की आरती करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख दूर होते है।

तुलसी माता का ध्यान मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

तुलसी नामाष्टक मंत्र

वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी।
पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।
एतभामांष्टक चैव स्तोत्रं नामर्थं संयुतम।
य: पठेत तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलमेता।।

फुलेरा दूज 1 मार्च को मनाई जाएगी

हर साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व भगवान कृष्ण और राधा रानी को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि फुलेरा दूज के दिन से भगवान श्रीकृष्ण ने फूलों की होली खेलने की शुरुआत की थी। तभी से हर साल मथुरा समेत पूरे ब्रज में फुलेरा दूज के पर्व को मनाने की परंपरा जारी है। इस शुभ अवसर पर श्री राधा कृष्ण की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने का विधान है, जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है। ऐसे में आइए इस आपको बताते हैं कि फुलेरा दूज के शुभ मुहूर्त के बारे में।

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 01 मार्च को रात्रि 03 बजकर 16 मिनट से हो रही है। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 02 मार्च को रात्रि 12 बजकर 09 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए फुलेरा दूज 01 मार्च को मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त – अमृत काल –सुबह 04:40 मिनट से 06:06 मिनट तक
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05:07 मिनट से 05:56 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02:29 मिनट से 03:16 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 06:18 मिनट से 06:43 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 12:08 मि. से 12:58 मिनट तक

फुलेरा दूज का महत्व –ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, फुलेरा दूज का दिन सभी तरह के दोषों से मुक्त होता है। इसी वजह इस दिन शुभ और मांगलिक काम किए जाते हैं। इसलिए इसे अबुझ मुहूर्त भी कहा जाता है। इस शुभ अवसर पर राधा कृष्ण के मंदिरों को सुंदर तरीके से सजाया जाता है। इस दौरान बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी पर फूल अर्पित किए जाते हैं। ऐसा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

पूजा के दौरान करें इस मंत्र का जप

1. ॐ नमो भगवते श्री गोविन्दाय
परेशानियां दूर करने वाला मंत्र
हे कृष्ण द्वारकावासिन् क्वासि यादवनन्दन।
आपद्भिः परिभूतां मां त्रायस्वाशु जनार्दन।।

मासिक शिवरात्रि के दिन करें राशि अनुसार महादेव का अभिषेक, रिश्ते होंगे मजबूत

हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार, वर्ष 2024 की आ-खिरी मासिक शिवरात्रि 29 दिसंबर को है। सनातन शास्त्रों के अनुसार, मासिक शिवरात्रि के दिन भगवान शिव शिवलिंग रूप में प्रकट हुए थे और इस तिथि पर ही भगवान शिव एवं मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसी वजह से हर महीने में मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है।

धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को सच्चे मन से करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही विवाह में आ रही बाधा दूर होती है। अगर आप भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन राशि अनुसार भगवान शिव का अभिषेक करें।

राशि अनुसार अभिषेक

मेष राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में लाल चंदन मिलाकर शिव जी का अभिषेक करें। इससे शुभ फल की प्राप्ति होगी।

वृषभ राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन कच्चे दूध से महादेव का अभिषेक करें। इससे चंद्र दोष दूर होगा।

मिथुन राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में पान के पत्ते डालकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे महादेव प्रसन्न होंगे।

कर्क राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गाय के दूध से घी से महादेव का अभिषेक करें। इससे कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन जल में लाल फूल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे पूजा सफल होगी।

कन्या राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में दूर्वा मिलाकर भगवान शंकर का अभिषेक करें। इससे मनचाहा वर मिलेगा।

तुला राशि के जातका मासिक शिवरात्रि के दिन

दही से भोलेनाथ का अभिषेक करें। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

वृश्चिक राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में सुगंध मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे सभी मुरादें पूरी होंगी।

धनु राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में सफेद फूल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे शिव प्रसन्न होंगे।

मकर राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे पितृ दोष दूर होगा।

कुंभ राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन नारियल जल से कैलाशपति का अभिषेक करें। इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होगा।

मीन राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गन्ने के रस से शिव जी का अभिषेक करें। इससे शुभ फल की प्राप्ति होगी।

फैमिली संग समंदर किनारे खूबसूरत समय बिताते नजर आए विक्की-कैटरीना

अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने हाल ही में पति-अभिनेता विक्की कौशल के साथ बिताए छुट्टियों की झलक फैंस को दिखाई। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया। एक तस्वीर में कैटरीना, विक्की को गले लगाती नजर आईं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम पर छुट्टियों की तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, परिवार, दोस्त और ब्रिटिश जंगली इलाके...(बॉक्सिंग डे पर जीरो महासागर में डुबकी लगाना हमेशा एक अच्छा विचार लगता है)।

एक रोमांटिक तस्वीर में कैटरीना कैफ, विक्की को गले लगाती नजर आईं, इस दौरान दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते और पोज देते नजर आए। समंदर किनारे परिवार संग खूबसूरत समय बिता रहे विक्की और कैटरीना ने ब्लैक कलर के आउटफिट को चुना।एक तस्वीर में जोड़ा खूबसूरत नजारों के बीच सैर का आनंद लेता नजर आया। वहीं, अन्य तस्वीरों में अपने दोस्तों के साथ पोज देते नजर आए।

हाल ही में अभिनेता विक्की कौशल ने समंदर के किनारे आराम करते हुए अपनी और कैटरीना की एक तस्वीर पोस्ट की थी। कैजुअल आउटफिट में जोड़ा कैमरे की तरफ पीठ करके प्रकृति की शांति के बीच आनंद लेता नजर आया। तस्वीर में दोनों साथ में पोज देते दिखे। विक्की ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन दिया, पॉज।कैटरीना इंटरनेट पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट के साथ छाई रहती हैं। अभिनेत्री ने क्रिसमस सेलिब्रेशन की तस्वीरें साझा की थी, जिसमें वह परिवार के साथ त्योहार मनाती नजर आई थीं। क्रिसमस की तस्वीरों को शेयर करते हुए कैफ ने कैप्शन में लिखा, मेरी मेरी मेरी (क्रिसमस ट्री इमोजी, ग्रीन हार्ट इमोजी)।कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने क्रिसमस का त्योहार लंदन में मनाया, जहां कैफ का परिवार भी साथ नजर आया।

इस बीच कैटरीना कैफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' है, जिसमें उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी।

बचपन के दोस्तों संग छुट्टियां मनाने अचानक थाईलैंड निकले अनुपम खेर

अभिनेता अनुपम खेर अपने अजीज दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने थाइलैंड निकल गए हैं। अपडेट अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिया। दावा किया कि फैसला अचानक ही लिया।

थाईलैंड की उड़ान भरने से पहले अभिनेता अनुपम खेर ने अपने 55 साल पुराने दोस्तों से मिलवाया।

खेर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो मोंटाज साझा कर लिखा, मैं, विजय सहगल, अनिल शर्मा और सतीश मल्होत्रा शिमला में साथ रहते थे। हम पिछले 55 साल से दोस्त हैं। सब दादा-नाना बन चुके हैं! हमने जिंदगी के उतार-चढ़ावों में दोस्ती को बरकरार रखा। मेरा भाई राजू बाई डिफॉल्ट (अपने आप) हमारा दोस्त बना। छोटे शहरों में बड़े भाई के दोस्त छोटे भाई के दोस्त भी आसानी से बन जाते हैं। हम अलग-अलग शहरों में रहते हुए भी एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। पिछले हफ्ते मैंने इन्हें सरप्राइज दिया कि मैं उन्हें पांच दिनों के लिए छुट्टी पर थाईलैंड लेकर जा रहा हूं। किस्मत से सबके घरवाले मेरे इस अचानक लिए फैसले से खुश थे। पेश है हमारी इस छुट्टी की कुछ झलकियां! ये हमारी जिंदगी के कुछ सबसे खुशी वाले दिन हैं। वाकई जिंदगी ना मिलेगी दोबारा। जय हो।

फिल्म इंडस्ट्री के कुल कलाकारों के साथ भी अनुपम की अच्छी छनती है। निर्देशक-कलाकार सतीश कौशिक भी उनमें से एक थे। अब वो नहीं रहे लेकिन उनके परिवार से जुड़ाव अभी भी है। उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर दिवंगत एक्टर की बिटिया संग समय बिताते दिखते हैं।

उनकी इस फ्रेंड लिस्ट में अनिल कपूर का भी नाम है। अभिनेता ने हाल ही में अनिल कपूर को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कपूर को अपना मार्गदर्शक और भाई भी बताया था। खेर ने पोस्ट साझा कर लिखा था, मेरे प्यारे दोस्त, दार्शनिक, मार्गदर्शक, भाई और तनाव से मुक्ति दिलाने वाले कपूर साब को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! भगवान आपको दुनिया की सारी खुशियां दें। आप दीर्घायु हों और आपका जीवन खुशहाल और स्वस्थ हो।

खेर ने आगे लिखा था, आप लंबे समय से मेरे लिए सपोर्ट सिस्टम रहे हैं। मुझे हमारी प्रेरक बातचीत उतनी ही पसंद है जितनी कि हमारे गपशप के सीजन, जिस तरह से आप खुद को नया रूप देते रहते हैं, वह मुझे बहुत पसंद है! चलते रहो, चलते रहो और दौड़ते रहो! आपको प्यार। जन्मदिन मुबारक अनिल कपूर।

माइके के टिकिट कटा दी पिया : रानी चटर्जी ने मिट्टी के चूल्हे पर पकाया खाना

भोजपुरी फिल्म जगत की खूबसूरत और सफल अभिनेत्री रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी फिल्म 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट से एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह मिट्टी के चूल्हे पर खाना पकाती दिखाई दीं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग में सबसे अच्छी बात क्या है।आगामी फिल्म से जुड़ी पोस्ट हो या जिंदगी से जुड़ी कोई और अपडेट, भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने प्रशंसकों को नए-नए पोस्ट से मुखातिब कराती रहती हैं। इसका सबूत है उनका इंस्टाग्राम।

आगामी फिल्म 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट से इंस्टाग्राम पर ए क ताजा पोस्ट साझा कर रानी चटर्जी ने कैप्शन में गांव के लिए एक लाइन में ही अपने जज्बात को उतार दिया। उन्होंने लिखा, फिल्म की शूटिंग की सबसे अच्छी बात है कि इससे गांव के जीवन का बहुत अच्छा अनुभव मिलता है। 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट पर। रानी चटर्जी इंटरनेट पर छाई रहती हैं। हाल ही में उन्होंने 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' सेट से एक पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को बताया था कि सर्दी बढ़ चुकी है। तस्वीरों में अभिनेत्री लाल रंग की साड़ी के साथ शॉल ओढ़े नजर आईं। भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने शूटिंग से इतर छत पर किए अपने वर्कआउट का वीडियो भी साझा किया था। वीडियो के साथ अभिनेत्री ने लिखा था, जब भी वक्त मिले, गांव की सुबह और छत पर धूप। शूट से पहले कुछ कैलोरी बर्न की। नोट- सिंदूर शूट के लिए लगाया है। वीडियो की शुरुआत में वह 'कॉफी' पीती दिखी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रानी चटर्जी पिछली बार शो 'बेटी हमारी अनमोल' में दिखी थीं। इसमें रानी के साथ लीड रोल में जूही असलम और प्रथम कुंवर दिखे थे।

आइटम सॉन्ग के साथ पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी निक्की तंबोली पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। वह जल्द ही फिल्म बदनाम के आइटम सॉन्ग में नजर आएंगीं। यह फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है।निक्की ने कहा, मैं बदनाम का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। यह एक ऐसा गाना है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा और मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं।निक्की हमेशा से ही कुछ नया करने की तलाश में रहती है और बदनाम बस इसी का एक और उदाहरण है।निक्की तंबोली ने गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसकों को यह गाना उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इस गाने पर काम करने में मजा आया।इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है।

बदनाम फरवरी 2025 में रिलीज होने वाली है। यह जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि अभिनीत एक रोमांटिक ड्रामा है।निक्की के करियर पर एक नजर डाले तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। 2019 में उन्होंने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिथाकोट्टु से अपने अभिनय की शुरुआत की।बाद में उन्होंने एक्शन हॉरर फिल्म कंचना 3 में दिव्या के रूप में तमिल में अपनी शुरुआत की। कंचना 3. उनकी तीसरी फिल्म तेलुगु में थिप्पारा मीसम थी। 2020 में, उन्होंने हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं।2021 में उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11 में भाग लिया। इस शो को केपटाउन में फिल्माया गया थ। ह 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा उन्हें कई म्यूजिक वीडियो सहयोग में भी देखा गया था।2022 में वह गेम शो द खतरा खतरा शो में देखी गईं, जिसे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।निक्की ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा में कॉकटेल गाने में एक विशेष भूमिका निभाई। 2024 में वह रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात अरबाज पटेल से हुई, जिन्हें स्प्लिट्सविला 15 में भी देखा गया था।उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई जब वे बिग बॉस मराठी 5 में प्रतियोगी थे। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया।

मोनालिसा के कातिलाना अवतार ने मचाया बवाल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद बोल्ड लुक्स में तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट का पारा गर्म कर देती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।इन फोटोज में उनक हॉट एंड स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।मोनालिसा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की स्पैगडी और रफ लुक में डेनिम जींस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सो गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस। ऐसे ही एक के बाद एक कर के यूजर्स कॉमेंट्स कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 29 दिसंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 04:03 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 11:22 तक
योग : गण्ड रात्रि 09:40 तक
करण : विष्टि दोपहर 03:53 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 11:22 तक
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है , गण्डमूल चालू है , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा सायं 03:52 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

गहलोत राज में बने 9 जिले और 3 संभाग खत्म सीईटी स्कोर अब 3 साल तक मान्य

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार द्वारा गहलोत शासन में बनाए गए 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का निर्णय प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवहारिक और सुगठित बनाने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में देखा जा सकता है। यह निर्णय वित्तीय संसाधनों के उचित उपयोग और जनसंख्या के संतुलन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

नए जिलों और संभागों के गठन में कई व्यवहारिक समस्याएं थीं, जैसे कि पर्याप्त तहसीलें न होना, पद सृजन और कार्यालयों की व्यवस्था की कमी। समीक्षा समिति ने इन जिलों की उपयोगिता को लेकर स्पष्ट निष्कर्ष निकाला, जिससे यह निर्णय लिया गया।

समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) के स्कोर को तीन साल तक मान्य रखने का फैसला भी सराहनीय है। यह छात्रों को राहत देगा और प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अधिक अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थियों को जोड़ने का अभियान समाज के वंचित वर्गों के लिए सकारात्मक कदम है। गहलोत शासन के दौरान नए जिलों और संभागों के गठन को लेकर उठाए गए कदमों की आलोचना भी स्वाभाविक है। इन इकाइयों को बिना समुचित योजना और संसाधनों के गठन करना प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाता है। समीक्षा समिति के निष्कर्ष बताते हैं कि नए जिलों की घोषणा राजनीतिक लाभ के लिए की गई थी, न कि जनता के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर।

भजनलाल सरकार द्वारा इन जिलों को समाप्त करना उचित हो सकता है, लेकिन इससे उन क्षेत्रों में जनता के बीच असंतोष भी उत्पन्न हो सकता है जो नए जिलों के गठन से लाभान्वित होने की उम्मीद कर रहे थे। यह निर्णय, हालांकि तर्कसंगत है, इसे लागू करने की प्रक्रिया और समय सीमा को लेकर विवाद उत्पन्न कर सकता है।

जनगणना रजिस्ट्रार जनरल द्वारा 1 जनवरी से सीमाओं को फ्रिज करने के कारण सरकार पर 31 दिसंबर तक निर्णय लेने का दबाव बना, लेकिन यह एक अल्पकालिक समाधान की तरह प्रतीत होता है। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया में तेजी लाई गई, परंतु दीर्घकालिक योजना का अभाव स्पष्ट है।

इस निर्णय से यह स्पष्ट होता है कि प्रशासनिक इकाइयों के गठन में गहन योजना, उचित संसाधनों का प्रबंधन और जनता की जरूरतों का विश्लेषण अत्यंत आवश्यक है।

भजनलाल सरकार का यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, लेकिन इसे लागू करने के दौरान जनता की भावनाओं और क्षेत्रीय असंतोष को भी संतुलित करने की आवश्यकता होगी।

ये जिले रहेंगे : बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना–कुचामन, कोटपूतली–बहरोड, खैरथल–तिजारा, फलौदी और सलूंबर।

ये जिले निरस्त : दूदू,केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़, सांचौर।

ये संभाग खत्म् : सीकर ,पाली और बांसवाड़ा संभाग को खत्म किया गया।

9 जिलों और 3 संभाग निरस्त करने का भजनलाल सरकार का निर्णय राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण : अशोक गहलोत

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार की तरफ से 9 जिलों और 3 संभाग को निरस्त करने के पर पूर्व सीएम सीएम अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया सामने आ आई है । गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा बनाए गए नए जिलों में से 9 जिलों को निरस्त करने का भाजपा सरकार का निर्णय अविवेकशीलता एवं केवल राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दौरान जिलों का पुनर्गठन करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में 21 मार्च 2022 को समिति बनाई गई थी जिसको दर्जनों जिलों के प्रतिवेदन प्राप्त हुए। इन्हीं प्रतिवेदनों का परीक्षण कर समिति ने अपनी रिपोर्ट दी जिसके आधार पर नए जिले बनाने का निर्णय किया गया।

मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया परन्तु प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन उस अनुपात में नहीं हुआ था। राजस्थान से छोटा होने के बाद भी मध्य प्रदेश में 53 जिले हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि नए जिलों के गठन से पूर्व राजस्थान में हर जिले की औसत आबाादी 35.42 लाख व क्षेत्रफल 12,147 वर्ग किलोमीटर था (हालांकि त्रिपुरा राज्य का क्षेत्रफल 10,492 वर्ग किलोमीटर, गोवा राज्य का क्षेत्रफल 3,702 वर्ग किलोमीटर, दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश का क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किलोमीटर है) जबकि नए जिले बनने के बाद जिलों की औसत आबादी 15.35 लाख व क्षेत्रफल 5268 वर्ग किलोमीटर हो गया था।जिले की आबादी व क्षेत्र कम होने से शासन–प्रशासन की पहुंच बेहतर होती है एवं सुविधाओं व योजनाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित हो पाती है। छोटी प्रशासनिक इकाई होने पर जनता की प्रतिवेदनाओं का निस्तारण भी शीघ्रता से होता है। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जिन जिलों को छोटा होने का तर्क देकर रद्द किया है वो भी अनुचित है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने ली कोटा संभाग के विधायकों की बैठक

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास और प्रदेशवासियों का कल्याण ही राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस ध्येय की पूर्ति में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विधायक की अहम भूमिका है इसलिए एक जनप्रतिनिधि के रूप में विधायकों को समर्पण भाव के साथ जनहित के कार्यों के लिए तत्पर रहना चाहिए।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा संभाग के विधायकों के साथ पिछले बजट की घोषणाओं के क्रियान्वयन और आगामी बजट की तैयारियों से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक विधायक को उसके विधानसभा क्षेत्र की जनता बहुत आकांक्षाओं और उम्मीदों के साथ चुनकर भेजती है, ऐसे में जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता के भरोसे पर खरा उतरे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले बजट में राज्य के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को ढेरों सौगातें दी हैं और यह आवश्यक है कि आगामी बजट से पूर्व पिछले बजट में की गई घोषणाओं का धरातल पर उतरना सुनिश्चित हो। शर्मा ने कहा कि विधायकगण अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विधायकों के साथ समन्वय बनाकर आधारभूत विकास के कार्यों में वित्तीय स्वीकृति से लेकर जमीन आवंटन, डीपीआर तैयार होने और निर्माण कार्य प्रारंभ होने तक प्रत्येक चरण पर समयबद्ध रूप से कार्यों की क्रियान्विति सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दूरगामी सोच के साथ पिछला बजट प्रस्तुत किया था, जिसकी हर तरफ सराहना हुई। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को भी राज्य की जनता के लिए सार्थक और समावेशी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे अपने–अपने विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर सूची बनाकर भेजें, ताकि उन कार्यों को आगामी बजट में शामिल किया जा सके।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, संदीप शर्मा, कालूराम, कंवरलाल, राधेश्याम बैरवा, ललित मीणा, कल्पना देवी, गोविंद प्रसाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता : देवनानी

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेदों की शिक्षाओं को सरल भाषा में बताया जाना आज की जरूरत है। देवनानी का कहना था कि हम कितने भी आधुनिक बन जाएं, वेदों की शिक्षाओं की आवश्यकता हमारे जीवन में सदैव बनी रहेगी।

देवनानी ने कहा कि वेद प्राचीनतम ग्रंथ हैं लेकिन यह आज भी सामायिक है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरल भाषा में वेदों को समझाना आवश्यक है। देवनानी ने विद्वानों का आव्हान किया कि वे वेदों का सरलीकरण से विवेचन करें ताकि लोगों को वेदों की अनुभूति हो सके और वे समझ सके कि मानव जीवन की समस्याओं का समाधान वेदों में है। देवनानी का मानना था कि जीवन जीने की शैली वेदों से समझी जा सकती है।

देवनानी शनिवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित श्री अरविंद के आलोक में वेद की आधुनिक व्याख्या पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। श्री देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

चंडीगढ़ के दलित संगठनों का सेक्टर 17 में प्रदर्शन

गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़,28 दिसंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में आज दलित संगठनों ने सेक्टर 17 के प्लाजा में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर रोष जताया और उनके इस्तीफे की मांग की। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान की सख्त निंदा करते हुए संगठनों ने इसे भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता करार दिया। प्रदर्शन का आयोजन विभिन्न दलित संगठनों ने संयुक्त रूप से किया, जिनमें डॉ. बी. आर. अंबेडकर संयुक्त संघर्ष मोर्चा, संविधान बचाओ संघर्ष समिति, संविधान बचाओ एकता मंच और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन शामिल थे। प्रदर्शन में ओ. पी. चोपड़ा, नरेंद्र चौधरी, भगत राज तिसावर, प्रेम पाल चौहान और अन्य दलित नेताओं ने भाग लिया।

नेताओं ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का संसद में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर दिया गया बयान न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि यह दलितों और देश के संविधान के प्रति भाजपा की असली मानसिकता को भी उजागर करता है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अमित शाह ने जानबूझकर अंबेडकर जी का अपमान किया है, जिससे पूरे देश में दलित समुदाय आक्रोशित है।

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति से अपील की कि अमित शाह को केंद्रीय गृह मंत्री के पद से तुरंत हटाया जाए। उन्होंने उपायुक्त चंडीगढ़ के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ओ. पी. चोपड़ा और नरेंद्र चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब ने महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है, और ऐसे में उनके प्रति इस तरह की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

पवन भारती को टीसी प्रकाश स्मृति सम्मान

जयपुर, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान के जिला नीमकाथाना, शेखावाटी के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, लेखक व आईना ए शेखावाटी समाचार पत्र के संस्थापक संपादक टी सी प्रकाश की 92वीं जयंती के अवसर पर शिमला खेल मैदान में आयोजित स्मृति सम्मान का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हैदराबाद के पत्रकार पवन भारती को टीसी प्रकाश स्मृति सम्मान के लिए चयन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार आगामी, दि. 2 जनवरी 2025 को सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। टी सी प्रकाश स्मृति सम्मान समारोह के संयोजक रामानंद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर शेखावाटी के साथ ही हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान की सैकड़ो प्रतिभाओं को शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा, विधि, न्याय, साहित्य, लेखन, पत्रकारिता, पर्यावरण व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए संपूर्ण भारत से प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया है। इसी क्रम में हाल ही हैदराबाद के राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र से स्वतंत्र पत्रकार एवं राजस्थान में नालपुर प्रवासी पवन भारती (अग्रवाल) को पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए शेखावाटी गौरव अवार्ड से सम्मानित किया जाएग। ज्ञात हो कि राजस्थान के झुंझुनू एवं नीमकाथाना जिले के ग्रामीण क्षेत्र में पवन भारती का पत्रकारिता एवं सामाजिक सेवा में अतुलनीय कार्य रहा है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल गिरफ्तार

चंडीगढ़,28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सोनीपत यूनिट ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल को गिरफ्तार किया है। अंकित फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की योजना बना रहा था। वह चार गंभीर अपराधों में शामिल था और हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था। सोनीपत एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि अंकित नरवाल, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहता था, विदेश भागने की तैयारी कर रहा था। इस पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए अंकित को गिरफ्तार किया। अंकित पर चंडीगढ़ में दो युवकों की हत्या सहित कई गंभीर अपराधों का आरोप है। एसटीएफ ने उसकी योजना को नाकाम कर दिया और उसके खिलाफ सबूत जुटाए।

हरियाणा में मौसम का कहर : लगातार बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित

चंडीगढ़,28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में मौसम का मिजाज पिछले कुछ दिनों से लगातार बदल रहा है। बारिश, ओलावृष्टि और तूफान के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शुक्रवार को प्रदेश के अधिकतर जिलों में तेज बारिश हुई, जिससे ठंड ने अपना असर बढ़ा दिया। मौसम विभाग ने आज हरियाणा के 7 जिलों में फिर से बारिश, ओलावृष्टि और तूफान की आशंका जताई है। करनाल, इंद्री, रादौर, जींद, कैथल, असंध, थानेसर समेत अन्य इलाकों में तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की संभावना है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे नुकसान की आशंका है।

शुक्रवार को हुई बारिश के आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा 41.5 एमएम बारिश सोनीपत में दर्ज की गई। इसके अलावा अन्य जिलों में बारिश की स्थिति इस प्रकार रही: गुरुग्राम: 20.5 मिमी, रोहतक: 18.0 मिमी, कुरुक्षेत्र: 10.0 मिमी, भिवानी: 9.8 मिमी, अंबाला: 8.0 मिमी, सिरसा: 5.0 मिमी, हिसार: 4.5 मिमी, करनाल: 1.5 मिमी, पानीपत: 1.0 मिमी। राजधानी चंडीगढ़ में भी 8.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सिरसा में न्यूनतम तापमान 16.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री कम है। 29 दिसंबर तक रहेगा। मौसम विभाग ने 29 दिसंबर तक हरियाणा में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही घने कोहरे की भी चेतावनी दी गई है। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

पति-पत्नी का झगड़ा सुलझाने गए पत्रकार की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

पूर्णिया में दैनिक हिंदी अखबार के पत्रकार नीलांबर यादव (35) की हत्या कर दी गई। शुक्रवार देर रात वह पड़ोस में रहने वाले पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़ा सुलझाने गए थे। अचानक सनकी पति ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया। इसमें उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई। परिजन आसपास के लोगों की मदद से नीलांबर यादव को अस्पताल लेकर गए लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, लोगों का कहना है कि समाजसेवा करने गए पत्रकार की हत्या कर दी गई। बीती रात वह दंपती के बीच हो रहे झगड़े को सुलझाने गए थे लेकिन उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस से अपील है कि वह आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करे।

इधर, नीलांबर यादव की पत्नी स्वीटी कुमारी ने बताया कि देर रात हमलोग घर में सो रहे थे। इसी बीच पड़ोसी ने साजिश के तहत झगड़ा सुलझाने की बात कह मेरे पति को बुलाकर ले गए। इसके बाद पड़ोसी नीरज यादव, उसका बेटा निशु यादव, चचेरा

भाई प्रमोद यादव ने पूरे परिवार ने मिलकर मेरे पति की निर्मम हत्या की है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से और मामले में शामिल सभी आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।

इधर, घटना के बाद मृतक के भाई पीतांबर यादव का कहना है कि शुक्रवार देर रात पड़ोस में पति और पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। पति निशु यादव उर्फ निशांत यादव और पत्नी भवानी कुमारी के साथ लड़ाई कर रहा था। कुछ देर बाद निशु यादव के पिता देर रात करीब सवा एक बजे दरवाजे पर आए और भैया नीलांबर को पुकारने लगे। भैया ने दरवाजा खोला। निशु के पिता ने बेटे और बहू के झगड़े को सुलझाने देने की गुहार लगाई। इसके बाद भैया वहां गए। कुछ देर बाद शोर-शराबा सुनकर जब हमलोग वहां पहुंचे तो देखा कि भैया बेसुध होकर जमीन पर गिरे हुए थे। हमलोग उन्हें अस्पताल लेकर गए लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, वारदात के बाद आरोपी समेत घर में मौजूद आरोपी के पिता नीरज यादव, पत्नी भवानी कुमारी समेत सभी लोग घर से फरार हो गए। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नीलांबर अपने पीछे पत्नी, दो मासूम बच्चे और भाइयों को छोड़ गए।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इस मामले में छापेमारी करते हुए एक युवक को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। वारदात के बाद से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। समाजसेवी, राजनीतिक दल के नेता समेत सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। लोगों का कहना है कि नीलांबर के जाने से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। खबरों और अन्य माध्यमों से वह हमेशा लोगों की मदद करते रहते थे। पूर्णिया एसपी से अपील है कि वह आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

सारे पदों से हटाए गए आईएएस संजीव हंस की कुंडली खंगालने को ईडी ने अब इंजीनियर पर दी दबिश

पटना (एजेंसियां)।

पटना में आईएएस संजीव हंस से जुड़े लोगों के ठिकाने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापेमारी कर रही है। शनिवार सुबह ईडी की टीम आईएएस संजीव हंस के करीबी व पुल निर्माण विभाग के पूर्व इंजीनियर सुनील कुमार के पटना स्थित आवास और बोधगया स्थित होटल तथागत में पहुंची तो हड़कंप मच गया। दोनों जगहों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। किसी भी शख्स को अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि हाल में ही सारे पदों से हटाए गए आईएएस संजीव हंस और उनके करीबियों के खिलाफ ईडी को कई सबूत मिले हैं। इसके बाद ईडी की टीम इनपर कार्रवाई कर रही है। हालांकि, अब तक ईडी की ओर से कुछ भी स्पष्ट नहीं बताया गया है।

इधर, ईडी की दूसरी टीम बोधगया थाना क्षेत्र में स्थित तथागत होटल पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि शनिवार को करीब साढ़े 11 बजे गया जिले के बोधगया थाना क्षेत्र में स्थित तथागत होटल पर तीन वाहनों से आधा दर्जन से अधिक अधिकारी पहुंचे। ईडी की टीम तथागत होटल के मालिक सुनील कुमार यादव समेत होटल कर्मियों से पुछताछ कर रही है। सूत्रों का माने तो ईडी की टीम कई कागजात बरामद किया है। जिसकी जांच पड़ताल कर रही है। बताया जा रहा है कि पूर्व में भी तथागत होटल के मालिक सुनील कुमार यादव के आवास और उनके परिजनों के आवास पथ पर छापेमारी कर चुकी है। हालांकि अधिकारी तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने मां-बेटे को कुचला, दोनों की मौत

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई। यह हादसा बलिया थाना क्षेत्र के जानीपुर ढाला एनएच-31 पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने मां-पुत्र को कुचल दिया। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर निवासी श्याम राम यादव की पत्नी प्रीति देवी और उनके बेटे के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रीति देवी अपने घर से डेरा की ओर जा रही थीं। सड़क पार करने के दौरान एक तेज गति से आ रहे ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।

इस हादसे के तुरंत बाद इलाके में कोहराम मच गया। मौके पर मौजूद लोग घटना से गुस्से में आ गए और सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। आक्रोशित लोगों ने ट्रक को रोक लिया, हालांकि ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही बलिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। वहीं, घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने प्रशासन और सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की समस्या को लेकर गुस्सा जाहिर किया। उनका कहना था कि एनएच-31 पर इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

इस हादसे के बाद मृतक प्रीति देवी के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। श्याम राम यादव और उनके अन्य परिजन इस घटना से सदमे में हैं। मां-बेटे की एक साथ मौत ने पूरे गांव को शोकाकुल कर दिया है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन सड़क पर वाहनों की तेज गति पर नियंत्रण के लिए कदम उठाए। घटना स्थल पर स्पीड ब्रेकर और यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की जा रही है ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

शिक्षक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, मुखिया प्रतिनिधि और प्रधानाध्यापक के खिलाफ नामजद प्राथमिकी

शेखपुरा (एजेंसियां)।

शेखपुरा जिले में शिक्षक पिंटू रजक की दिनदहाड़े हत्या से शिक्षक समाज में गहरा आक्रोश और हड़कंप है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटी इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। पिंटू रजक को दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने रास्ते में रोककर गोली मारी। गंभीर हालत में एक हार्वेस्टर चालक ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक शिक्षक की पत्नी प्रमिला देवी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी से मामला नया मोड़ ले चुका है। प्राथमिकी में गांव के मुखिया प्रतिनिधि शंकर सिंह और स्कूल की प्रभारी प्रधानाध्यापक मीरा कुमारी को नामजद किया गया है। हत्या का संभावित कारण प्रभारी पद को लेकर विवाद बताया जा रहा है।

एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि मीरा कुमारी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। साथ ही मृतक शिक्षक के सहकर्मियों से भी बयान लिए जा रहे हैं। पुलिस ने

शिक्षक के मोबाइल का कॉल डिटेल निकाला है और जांच कर रही है कि हत्या के पहले किन-किन लोगों से संपर्क किया गया था।

मृतक पिंटू रजक के चरित्र को लेकर पहले भी सवाल उठ चुके हैं। करीब दो वर्ष पूर्व उनका एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे एक अन्य शिक्षिका के साथ नजर आए थे। इस घटना के बाद शिक्षा विभाग ने उन्हें स्थानांतरित कर दिया था। उस समय वह गगरी पंचायत के गुनहेसा विद्यालय में पदस्थापित थे, लेकिन बाद में गगरी विद्यालय भेज दिया गया। पिंटू रजक नियोजित शिक्षक थे, लेकिन शिक्षा विभाग में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती थी।

शिक्षक संगठनों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। उनका कहना है कि शिक्षकों पर ऐसे हमले न केवल दुखद हैं बल्कि समाज के प्रति उनके योगदान का अपमान भी हैं।

पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। एएसपी ने कहा कि हत्या में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। मृतक के कॉल रिकॉर्ड और विवादों को आधार बनाकर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

शिक्षक की हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या यह हत्या वाकई प्रभारी पद के विवाद से जुड़ी थी या इसके पीछे कोई और कारण है? पिंटू रजक की पुरानी विवादित घटनाओं का इस हत्या से कोई संबंध है? शिक्षा विभाग और प्रशासन ऐसे विवादों को रोकने के लिए क्या कदम उठा सकता है?

गर्भवती महिला का संदिग्ध स्थिति में शव बरामद

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया के बगहा पुलिस जिले में चौतरवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर पतिलार गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां तीन महीने की गर्भवती महिला का शव संदिग्ध स्थिति में बरामद हुआ है। मृतका की पहचान गोदावरी देवी (30) पत्नी जयलाल दास के रूप में की गई है।

मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ससुराल वाले लंबे समय से दहेज में बाइक की मांग कर रहे थे। मृतका के भाई मंटु दास ने बताया कि उनकी बहन को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने बाइक न मिलने पर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके वाले चौतरवा थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि गोदावरी का शव घर के अंदर जमीन पर पड़ा हुआ है और ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो चुके हैं।

चौतरवा थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि ससुराल वाले चोरी-छिपे तरीके से गोदावरी का अंतिम संस्कार करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने समय पर पहुंचकर इस प्रयास को विफल कर दिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के परिजनों का आरोप है कि उनकी बहन को ससुराल में दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। मृतका के भाई प्रेम दास ने बताया कि गोदावरी की शादी 2014 में जयलाल दास से हुई थी। ससुराल वाले उसकी दूसरी बहन को शादी में बाइक दिए जाने के बाद गोदावरी पर भी बाइक लाने का दबाव बना रहे थे।

बर्थडे पार्टी के दौरान गोलीबारी युवक की मौत, दो की हालत गंभीर

सासाराम (एजेंसियां)।

सासाराम नगर निगम के पास एक निजी कैंपस में शुक्रवार देर रात बर्थडे पार्टी के दौरान गोलीबारी हुई। इसमें एक युवक की मौत हो गई। वहीं दो की हालत गंभीर है। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या का आरोप ट्रैफिक डीएसपी पर लगा है। लोगों ने घटना के विरोध में जमकर बवाल किया है। बताया जाता है कि नगर निगम सासाराम के समीप एक निजी कैंपस में बीती रात कुछ युवक बर्थडे पार्टी कर रहे थे। शोर-शराबा सुनकर पास से गुजर रहे यातायात डीएसपी आदिल बिलास दलबल के साथ वहां पहुंचे। इस दौरान युवकों के साथ उनकी झड़प हो गई। देखते ही देखते गोलीबारी होने लगी। इसी क्रम में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। घटना में दो अन्य युवकों को भी गोली लगी है। इनका इलाज चल रहा है।

परिजनों ने यातायात डीएसपी आदिल बिलाल पर युवक की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बीती रात बच्चे एक कैंपस में बर्थडे पार्टी कर रहे थे तभी वहां यातायात डीएसपी अपने पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए और बच्चों से उलझ पड़े। परिजनों के अनुसार यातायात डीएसपी ने इस दौरान अपने रिवाल्वर से 10 से 15 राउंड फायरिंग की। इसमें एक युवक की गोली लगने से मौत हो गई और दो अन्य युवक घायल हो गए। 34 वर्षीय आकाश राणा के सीने में गोली मारी गई, जिससे घटनास्थल पर हीं उसकी मौत हो गई।

यातायात डीएसपी आदिल बिलाल द्वारा कथित रूप से की गई फायरिंग में शिव सागर प्रखंड के सिलारी गांव निवासी अशोक सिंह के पुत्र आकाश राणा उर्फ बादल की मौत हो गई है। जबकि सिलारी गांव के हीं रहने वाले दो अन्य युवक अतुल एवं विनोद गोलीबारी में घायल हुए हैं। बताया जाता है कि दोनों घायल युवकों का जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है और स्थिति खतरे से बाहर है।

मामले में रोहतास पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने कहा कि घटना को लेकर दोनों तरफ से प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है तथा पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इधर, घटना के बाद शव के पोस्टमार्टम के दौरान सदर अस्प-ताल में लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। इस दौरान पोस्टमार्टम हाउस में जुटे मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों में रोहतास पुलिस के खिलाफ काफी रोष देखा गया। लोगों ने रोहतास पुलिस व यातायात डीएसपी आदिल बिलाल के खिलाफ नारेबाजी भी की। हालांकि, मौके की नजाकत को देखते हुए पोस्टमार्टम हाउस के पास भारी पुलिस फोर्स की तैनाती रही।

सिपाही भर्ती में फर्जीवाड़ा करने वाला अभ्यर्थी गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय चयन पर्षद बिहार की ओर से सिपाही भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा ली जा रही है। पटना के गर्दनीबाग स्थित शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल) में एक फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया गया है। वह दूसरे के बदले परीक्षा देने आया था। उसकी पहचान जहानाबाद निवासी मोहन कुमार के रूप में हुई है। फिजिकल टेस्ट में बायोमेट्रिक मिलान के क्रम में वह पकड़ा गया। पुलिसिया पूछताछ पर यह पता चला कि अभ्यर्थी ने दूसरे को अपनी जगह बैठा करके लिखित परीक्षा दिलवाई थी। स्कॉलर का ही थंब रिकॉर्ड हो गया। अब जब वह खुद पीईटी परीक्षा में शामिल होने पहुंचा तो पकड़ा गया।

मोहन कुमार ने पुलिस से बताया कि उसने लिखित परीक्षा में स्कॉलर को डेढ़ लाख रुपये दिये थे। हालांकि उसने यह नहीं बताया कि वह स्कॉलर कौन था? इधर, पुलिस जांच में जुट गई है। इनके बदले में कौन लोग थे जो लिखित परीक्षा दिए थे। वहीं गर्दनीबाग थाने में केस भी दर्ज किया गया है और पुलिस स्कॉलर का पता लगाने में जुटी है।

केंद्रीय चयन पर्षद बिहार बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा में सफल एक लाख सात हजार अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा नौ दिसंबर से शुरू होकर दस मार्च तक लेगी। यह परीक्षा शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल), गर्दनीबाग में सुबह सात बजे से ली जा रही है। अब तक तीन फर्जी परीक्षार्थी इस परीक्षा में पकड़ा चुके हैं। पुलिस ने इन्हें जेल भेज दिया है।

मधेपुरा में युवक की निर्मम हत्या

पटना (एजेंसियां)।

मधेपुरा में एक युवक की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई। युवक का शव टाउन थाना क्षेत्र के भेलवा नहर किनारे झाड़ी से पुलिस ने बरामद किया। घटना के बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पहचान गम्हरिया थाना क्षेत्र हरिद्वार टोला वार्ड तीन निवासी संजय भगत बेटे राजदीप कुमार उर्फ बाबू साहब (21) के रूप में हुई। परिजनों का कहना है कि रुपये के लेनदेन के विवाद में राजदीप की हत्या की गई है। मृत युवक के मौसा बमशंकर भगत ने बताया कि राजदीप ने पड़ोस के युवक शिवम कुमार को लोन लेकर एक महीना पहले 60 हजार रुपये दिये थे। कुछ दिन में वह रुपए वापस कर देने की बात कही थी, लेकिन वह रुपए वापस नहीं कर रहा था।

25 दिसंबर को रुपये वापस करने की बात कही थी। जब 25 दिसंबर को रुपए वापस नहीं किया तो राजदीप ने फोन कर रुपए वापस करने के लिए दबाव बनाया। 26 दिसंबर की शाम शिवम ने रुपये देने की बात कह कर उसे घर से बाहर बुलाया और बाइक पर बैठ कर ले गया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। पूरे रात जब राजदीप घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। शिवम से भी संपर्क किया गया, लेकिन उसका मोबाइल ऑफ आ रहा था। शिवम के दोस्त गोलू से जब उसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि शिवम अभी नेपाल में है बात नहीं हो पाएगी। लेकिन दोपहर में जब उसको फोन लगाया गया तो शिवम ने बताया कि वह नेपाल से आ गया है। जब उनसे राजदीप के बारे में पूछा गया तो वह आनाकानी करने लगा। इसकी जानकारी स्थानीय मुखिया को दी गई।

नालंदा में फंदे से लटकी मिली विवाहिता की लाश

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा में एक महिला की संदिग्ध हालत में शुक्रवार को मौत हो गई। मामला सरमेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मलामा गांव का है। मृतका की पहचान स्वर्गीय अवध सिंह के 28 वर्षीया पुत्री सरस्वती देवी के रूप में की गई है। महिला का शव उसके मायके में ही फंदे से लटका हुआ पुलिस के द्वारा बरामद किया गया है। देर शाम परिजन पुलिस की मदद से शव के पोस्टमार्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे।

घटना के बाद सरस्वती देवी की मां बेवी देवी ने बताया कि वह घर में नहीं थी। उनकी बेटी और दामाद घर में अकेले थे। वह बाजार से काम निपटा कर लौटी तो देखा कि एक कमरे में उनकी बेटी साड़ी की फॉल से लटकी रही थी। बेबी देवी ने अपने दामाद पर हत्या का आरोप लगाया। कहा कि दो दिन पहले ही दामाद घर आया था। वह घर पहुंची तो दामाद घर में मौजूद नहीं था। बेबी देवी ने बताया कि करीब छह महीना से बेटी के सस-ुराल में विवाद चल रहा था। इसके बाद सरस्वती यहीं रहती थी। दो बच्चे भी है, जो अपने दादी के घर में ही रहता है। पिछले छह महीने से बेटी उनके साथ ही रह रही थी और शनिवार को दिल्ली जाने वाले थे। बेबी देवी ने बताया कि किन वजहों से बेटी के ससुराल में झगड़ा होता था यह उन्हें नहीं पता है। आरोप लगाया कि दामाद ने ही उनकी बेटी की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया और फरार हो गया। करीब 13 साल पूर्व सरस्वती की शादी सरमेरा थाना क्षेत्र के तोड़ा गांव निवासी चंदन से हुई थी।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले में एक युवक फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और एक टूटा हुआ मकान से युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ मामले की छानबीन में जुट गई। यह पूरा मामला गया जिले के मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के खिरियामा गांव की है। मृत युवक की पहचान खिरियामा गांव के रहने वाले स्व. छोटे लाल सिंह के 28 वर्षीय पुत्र विशाल सिंह के रूप में की गई।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह गया जिले के मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के खिरियामा गांव में एक टूटे हुए मकान में एक युवक फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत मगध मेडिकल थाने की पुलिस को सूचना दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com